समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• दिसम्बर २०१८ • वर्ष ६९ • अंक १२
मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

८४वाँ स्थापना दिवस विशेषांक

उद्घाटनकर्ता

महामहिम श्री केशरीनाथ त्रिपाठी
राज्यपाल, पश्चिम बंग

मुख्य अतिथि

श्री अनिल अग्रवाल
चेयरमैन, वेदांता ग्रुप, लंदन

विशिष्ट अतिथि

श्री रघुनंदन मोदी
चेयरमैन, रसोई ग्रुप

अतिथि

श्री महेश भागचन्दका
समाजसेवी-उद्योगपति

मुख्य वक्ता

श्री सीताराम शर्मा
पूर्व अध्यक्ष
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

अध्यक्षता

श्री संतोष सराफ
राष्ट्रीय अध्यक्ष

स्वागताध्यक्ष

श्री विवेक गुप्त
चेयरमैन, स्वागत समिति

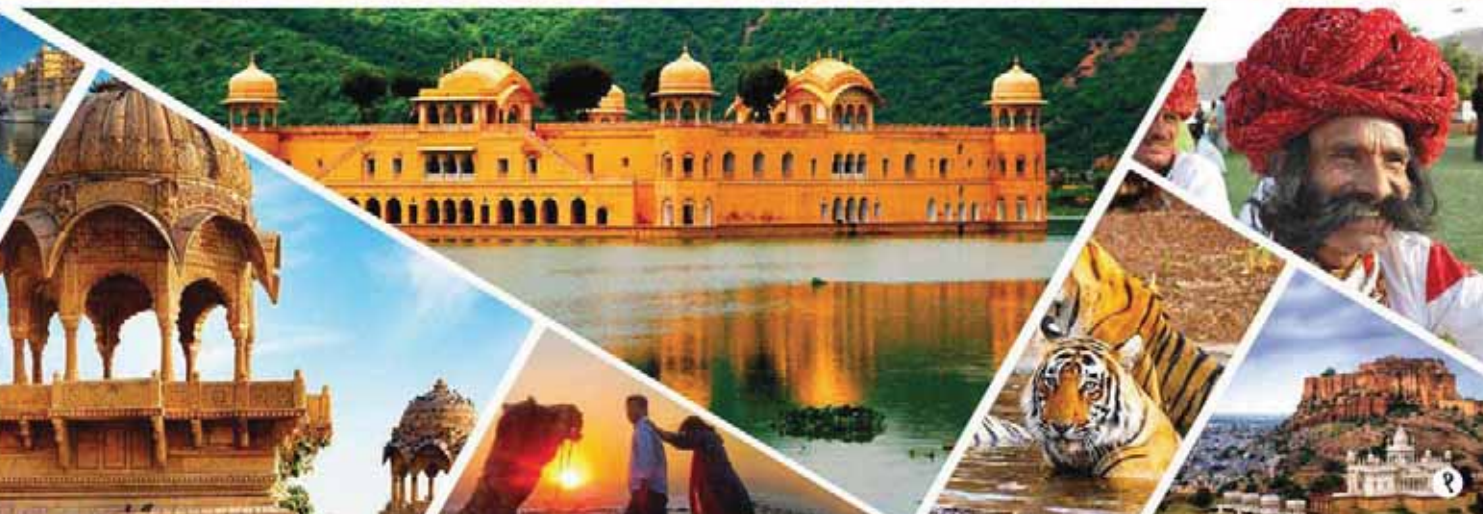

LINC
Think it. Linc it.
pentonic
born
of
black
Begin a statement that moves the nation.
Gift tomorrow's generation a new set
of words to remember.
Start an idea that inspires and
challenges the future.
Emerge with the boldness of black.
pentonic™
Write the future
₹10 per U

समाज विकास

◆ दिसम्बर २०१८ ◆ वर्ष ६९ ◆ अंक १२
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
● **संदेश / चिट्ठी आई है / विविध**	३-८
● **सम्पादकीय : शिव कुमार लोहिया** आचरण एवं उदाहरण से होगा समाज सुधार	९-१०
● **अध्यक्षीय : सन्तोष सराफ** आइये नये कीर्तिमान स्थापित करें	११
● **केन्द्रीय/प्रान्तीय समाचार**	१३-१६, २९-३२
● **महामंत्री का प्रतिवेदन : श्रीगोपाल झुनझुनवाला**	१७-१९
● **आलेख : गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया**	४१
● **आलेख : दिनेश कुमार जैन**	४३
● **आलेख (ई. अशोक जालान) एवं रपट :** उत्कल सम्मेलन	४९-५१
● **रपट :** बिहार सम्मेलन	५७-५९
● **आलेख (श्री मधुसूदन सीकरिया) एवं रपट :** पूर्वोत्तर सम्मेलन	६१-६२
● **आलेख : प्रकाश चण्डालिया**	६३-६४

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : ४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, **कोलकाता** - ७०००१७
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिये **श्री भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ **प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा ◆ सम्पादक : शिव कुमार लोहिया**

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

सम्मेलन के ८४वें स्थापना दिवस पर

मंगलकामना – संदेश

– पं. ताऊ शेखावाटी

अखिल भारतवर्षीय संस्था, मारवाड़ि सम्मेलन आज
हुयी बरस चौरासी री लख, हरसित है मन माँय समाज़

भारत री आजादी सूँ भी, पैल्याँ हिवड़ै में भर मोद
ईश्वरजी जालाण सरीखा, मिनख लगाई ही आ पौध

माशा-अल्लाह पौध आज बा, यार! बण गयी है वट वृक्ष
संस्थान सामाजिक कोनी, आज कोई इण रै समकक्ष

रहमत स्यूँ करतार देश में, इण री शाखावाँ रो जाळ
फैल चुक्यो है अब तो हरइक, राज्य माँय ठोकंतो ताल

वागेश्वरी'र लिछमी सुत इण, सम्मेलन रा हद तत्पर
मारवाड़ियाँ री हित रक्षा, रवै रात दिन कस्याँ कमर

डीठ राजनैतीक चेतना, पर राखै सम्मेलन नित्त
द्रिढ संकल्पित सहज मान्यता, राजस्थानी भाषा हित्त

संवर्धन in भाई चारा, in हर क्षेत्र समाज सुधार
समरसता राष्ट्रीय एकता, प्रमुख अंग सम्मेलन च्यार

मेटर सम्मेलन गतिविधियाँ, बणकै दृढ़ संवाहक खास
पूग रयो है जण जण ताणी, निज मुख पत्र समाज विकास

लगनशील होवै हैं हर इक, सम्मेलन्स सदस्य विशेष
"म्हारो लक्ष्य राष्ट्र की प्रगति" देवै नित "लोगो" संदेश

नहीं भरोसो जिन्दगानी रो, रयो तद तलक जीवन शेष
शतक जयन्ती दिन-स्थापना, ओजूँ भेजाँगा संदेश।

चिट्ठी आई है

समाज विकास से नारी-जागरण

समाज विकास पत्रिका प्राप्त हुई। इस पत्रिका की महानता है कि इसमें आनेवाले उत्तम विचार समाज को एक सही दिशा में ले जाने में सहायक है। श्रद्धेय जुगल किशोर सर्राफ द्वारा लिखा गया - "भारतीय नारीशक्ति की महानता" लेख अपने आपमें प्रेरणादायक एवं अनुकरणीय है। भारतीय संस्कृति का आधारस्तंभ भारतीय नारियों को कहा जा सकता है। भारतीय नारियों ने अपने प्राणों को गँवाने के बाद भी भारतीय संस्कृति के पावन प्रवाह को अविरल एवं अक्षुण्ण बनाये रखा है। भारत ही संभवतया एक ऐसा अकेला राष्ट्र है जहाँ नारी शक्ति को देवताओं से पहले रखकर पूजने की परंपरा रही है। सीताराम, गौरीशंकर, राधागोविन्द जैसे श्रद्धासिक्त संबोधन उसी परिपाटी का प्रतीक कहे जा सकते हैं। नारियाँ अपरिमित शक्ति एवं क्षमतासंपन्न हैं। भारतीय इतिहास के प्रत्येक अध्याय में नारीशक्ति अपना विजयध्वज फहराती दीख पड़ती है। ऐसा ही एक दिव्य व्यक्तित्व माँ सीता के रूप में हमारे सामने है। एक सच्ची पतिव्रता, पति की सहभागिनी के रूप में माँ सीता का व्यक्तित्व अप्रतिम ही कहा जा सकता है। यदि देश की देवियाँ जाग गई तो यह युग स्वयं ही बदलता चला जायेगा।

"समाज-विकास" पत्रिका एक ऐसा माध्यम है, जिसके द्वारा संपूर्ण राष्ट्र में नारी जागरण की अहम भूमिका मानी जायेगी।

– **सत्यनारायण तुलस्यान**, मुजफ्फरपुर (बिहार)

अनमोल मोती

इज्जत मताँ उघाड़, पड़दो रैवण दे पड्यो।
आँख्याँ हाळी आड़, बणी रैण दे, बावळा।।

हे बावरे मन! बस रहते किसी की इज्जत से जुड़े हुए प्रश्न को (चाहे वह किसी दुश्मन की इज्जत का प्रश्न क्यो न हो) कभी उछालना नहीं चाहिए। ऐसी स्थिति में यदि कोई उंची-नीची ऑखो के सामने भी घटित हुई हो, तो भी उसे अनदेखा कर देना चाहिए।

इज्जत मोती-आब, बिगड्यौड़ी नीं बावड़ै।
ढँग स्यूँ सावळ ढाब, बरत स्याणपण, बावळा।।

हे पागल मन! मनुष्य की इज्जत और मोती की आभा (मोती के स्थिर जल विन्दु) दोनों एक समान है। जिस तरह मोती की आभा एक बार बिगड़ जाए (नष्ट हो जाये) तो मोती उसे कभी पुनः धारण नहीं कर सकता, उसी प्रकार मनुष्य की इज्जत भी यदि एक बार गिर जाए तो वह उसे पुनः प्राप्त नहीं कर सकता। अतः तू इज्जत को यत्नपूर्वक यथावत् बनाए रख और उसे बिगड़ने मत दें।

कैयाँ छूटै गैल, रगड्याँ साबण डील रै।
मनड़ै में जद मैल, भर्‌यो है, बावळा।।

हे पागल मन! जब व्यक्ति के मन में मैल भरा हो, अनेक अवगुण व बुरे विचार भरें हो तो शरीर पर साबुन लगाकर, मल-मल कर स्नान कर लेने मात्र से क्या होगा? क्योंकि बाह्य सौन्दर्य से उज्जवल चरित्र का निर्माण तब तक सम्भव नहीं हो सकता, जब तक आन्तरिक सौन्दर्य दीप्ति-मान न हो।

(संकलन : डॉ. जुगल किशोर सर्राफ)

वैराग्य

– डॉ. जुगल किशोर सर्राफ

लोग कहते
वैराग्य लेना
छोड़ना है दुनिया
सत्य तो यह है
इच्छाओ को
छोड़ना दुनिया के लिये
है वैराग्य
इस विचार धारा में
मै और मेरे की भावना
रहती नहीं।
समाज को जोड़ कर
जीना समाज के लिये
वास्तविक वैराग्य है
वस्तु का त्याग
नहीं है वैराग्य
वस्तु के प्रति
अनाशक्ति
है वैराग्य

✪

बांटकर खाना
सच्चा है वैराग्य
दुखी होना देख दुखी को
बांटना सुख अपना
गृहस्थी का है वैराग्य।

✪

जिन्दगी को
तनाव मुक्त
रखना होतो
हमराज रखो

✪

चाहत पूरी होती नहीं
जीवन में
पावोगे उतना ही
जितनी क्षमता है
पाने की

✪

लोग बनते श्रेष्ठ
साधना से
साधन से नहीं
आचरण से
बनता पूजित है
भावना से भी
होता अनुरक्त है।

✪

गलती होती
लोगो की पीठ
दिखती पीठ सबकी
सिवाय अपनी के।

✪

लोग आते हैं
पास तुम्हारे
भाव से
अभाव से
या प्रभाव से
दो प्रेम
करो मदद यदि
है क्षमता तुम्हारी।

केशरी नाथ त्रिपाठी
राज्यपाल, पश्चिम बंगाल

राजभवन
कोलकाता ७०००६२

३ दिसम्बर, २०१८

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई है कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन, कोलकाता द्वारा "**८४वाँ स्थापना दिवस समारोह**" का आयोजन किया जा रहा है तथा इस अवसर पर एक विशेषांक '**समाज विकास**' का प्रकाशन भी किया जायेगा।

मैं उक्त समारोह के सफल आयोजन एवं विशेषांक के सफल प्रकाशन के लिए अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

शुभाकांक्षी

केशरी नाथ त्रिपाठी

Tathagata Roy
Governor

RAJ BHAVAN
SHILLONG - 793001
MEGHALAYA
INDIA

6th December, 2015

MESSAGE

I am glad to learn that the All India Marwari Federation is celebrating its 84th Foundation Day.

Since its inception in 1935, the Federation has today emerged as one of the prominent organization in the State and has been rendering a yeoman service to the society. I am confident that the organization will continue to grow form strength to strength and fulfill the upliftment of the society and inculcate into the minds of the people the evils of dowry system and purda system. And also in educating the girl's child in consonance with the scheme "Beti Bachao Beti Parao".

On this special occasion, I convey my greetings to the Members of the Federation and wish the celebrations a grand success.

(Tathagata Roy)

Phone : +91 3642223001, +91 3642223487
Fax : +91 3642224902
E-mail:tathagata2@gmail.com

चिट्ठी आई है

विक्रम सिंह
राष्ट्रपति के निजी सचिव
VIKRAM SINGH
Private Secretary to the President

राष्ट्रपति भवन
नई दिल्ली - 110004
Rashtrapati Bhavan
New Delhi - 110004

No.9/Per. Cell/2018
5th November 2018

Dear Shri Saraf,

Kindly refer to your mail dated 10th September 2018 inviting the Hon'ble President of India to grace the Foundation Day celebrations at Kala Mandir Auditorium, Kolkata on 25 December 2018.

In this regard, I am directed to convey that due to the pressing prior engagements of the Hon'ble President, your request could not be accepted.

Hon'ble President has wished the function all success.

With regards,

Yours sincerely,

(Vikram Singh)

Shri Santosh Saraf
National President
All India Marwari Federation
4B, Duckback House (4th Floor)
41 Shakespeare Sarani
Kolkata-700017

एन. युवराज, भा. प्र. से.
N. YUVARAJ, IAS

भारत के उप-राष्ट्रपति के निजी सचिव
PRIVATE SECRETARY
TO THE VICE-PRESIDENT OF INDIA
नई दिल्ली/NEW DELHI- 110011
TEL.: 23016344 / 23016422 FAX : 23018124
pe-vps@nic.in

VPS/PS/22-R/27/2018

September 28, 2018

Dear Sir,

Namaste!

Kindly refer to your letter dated September 18, 2018 inviting the Hon'ble Vice President of India as the Chief Guest on the occasion of 83rd Anniversary of All India Marwari Federation on December 25, 2018 at Kolkata.

The Hon'ble Vice President thanks for your kind invitation, but regrets his inability to accept your request due to prior commitments. The Hon'ble Vice President conveys his best wishes for the success of the function.

With kind regards,

Yours sincerely,

(N. YUVARAJ)

Shri Santosh Saraf,
National President,
All India Marwari Federation,
4B, Duckback House, 4th Floor,
41, Shakespeare Sarani,
Kolkata- 700017
Email: aimf1935@gmail.com

राजस्थानी कविता

जोत अर दूजी पांच कवितावां

– डॉ. जयप्रकाश सेठिया

जोत

बुझ ज्यासी
एक दिन जोत
बिना बुलायोड़ी
पण
टेमसर
आ ज्यासी मौत।
डर मत
आ है मां
कोनी है सोत।

बिचार

मन में
कोनी उठै
बिचार
उठै बंवळिया
मत चाल
बांरै लारै
सीख क्यूं
बावळिया।

निराकार

है जको निराकर
निरविकार
दे दियो मिनख
बीं नै ही आकार
बीं खिण से
सरू हुयग्यौ
विकार

चांद

चांद रौ फुटरापो है
अमावस रै लारै
कोनी छेकड़
पुन्यू रै सारै।

थारो

सो क्यूं लागै
म्हने प्यारा
पण कोनी
कीं म्हारा
सो ही है थारो
नै म्हैं भेलो
न म्हें न्यारो
क्यूं पड़ं म्हें
किण से ही खारो।

किरया

बणनै की
किरया में
जरूरी है ताप
खिंडणै की
किरया में
जरूरी है ताव
बणांण में
चाहिजै
सेर
खिंडाण
में पाव

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के विगत अधिवेशन और पदाधिकारी

कार्यकाल	स्थान	अध्यक्ष	महामंत्री
१९३५-१९३८	कोलकाता	स्व. रायबहादुर रामदेव चोखानी (कोलकाता)	स्व. भूरामल अग्रवाल
१९३८-१९४०	कोलकाता	स्व. पद्मपत सिंघानिया (कानपुर)	स्व. ईश्वरदास जालान
१९४०-१९४१	कानपुर	स्व. बद्रीदास गोयनका (कोलकाता)	स्व. रामेश्वरलाल नोपानी
१९४१-१९४३	भागलपुर	स्व. रामदेव पोद्दार (मुम्बई)	स्व. रामेश्वरलाल नोपानी
१९४३-१९४७	दिल्ली	स्व. रामगोपाल मोहता (बीकानेर)	स्व. बजरंगलाल लाठ
१९४७-१९५४	मुम्बई	स्व. बृजलाल बियाणी (अकोला)	स्व. रामेश्वरलाल केजड़ीवाल
१९५४-१९६२	कोलकाता	स्व. सेठ गोविन्ददास मालपानी (जबलपुर)	स्व. नन्दकिशोर जालान
१९६२-१९६६	कोलकाता	स्व. गजाधर सोमानी (मुम्बई)	स्व. रघुनाथ प्रसाद खेतान
१९६६-१९७४	पूना	स्व. रामेश्वरलाल टांटिया (कोलकाता)	स्व. रामकृष्ण सरावगी
			स्व. दीपचन्द नाहटा
१९७४-१९७६	राँची	स्व. भंवरमल सिंघी (कोलकाता)	स्व. नन्दकदिशोर जालान
१९७६-१९७९	हैदराबाद	स्व. भंवरमल सिंघी (कोलकाता)	स्व. नन्दकिशोर जालान
१९७९-१९८२	मुम्बई	स्व. मेजर रामप्रसाद पोद्दार (मुम्बई)	स्व. बजरंगलाल जाजू
१९८२-१९८६	जमशेदपुर	स्व. नन्दकिशोर जालान	स्व. बजरंगलाल जाजू
			श्री रतन शाह
१९८६-१९८९	कानपुर	स्व. हरिशंकर सिंहानिया (दिल्ली)	श्री रतन शाह
१९८९-१९८९	राँची	स्व. रामकृष्ण सरावगी (कोलकाता)	स्व. दुलीचंद अग्रवाल
१९८९-१९९३		स्व. हनुमान प्रसाद सरावगी (कार्यवाहक अध्यक्ष)	
१९९३-१९९७	दिल्ली	स्व. नन्दकिशोर जालान (कोलकाता)	स्व. दीपचंद नाहटा
१९९७-२००१	हैदराबाद	स्व. नन्दकिशोर जालान (कोलकाता)	श्री सीताराम शर्मा
२००१-२००४	कानपुर	स्व. मोहनलाल तुलस्यान (कोलकाता)	श्री सीताराम शर्मा
२००४-२००६	मुम्बई	स्व. मोहनलाल तुलस्यान (कोलकाता)	श्री भानीराम सुरेका
२००६-२००८	भुवनेश्वर	श्री सीताराम शर्मा (कोलकाता)	श्री रामअवतार पोद्दार
२००८-२०१०	दिल्ली	श्री नन्दलाल रुँगटा (चाईबासा)	श्री रामअवतार पोद्दार
२०१०-२०१३	पटना	डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया (कोलकाता)	श्री संतोष सराफ
२०१३-२०१६	गुवाहाटी	श्री रामअवतार पोद्दार (कोलकाता)	श्री शिव कुमार लोहिया
२०१६-२०१८	कोलकाता	श्री प्रह्लाद राय अगरवाला (कोलकाता)	श्री शिव कुमार लोहिया
२०१८-	वाराणसी	श्री संतोष सराफ (कोलकाता)	श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला

सम्पादकीय

आचरण एवं उदाहरण से ही होगा समाज सुधार

– शिव कुमार लोहिया

समाज एक प्रकार का समुदाय या समुदाय का भाग है जिसके सदस्यों में समान सामाजिक चेतना होती है एवं सामान्य उद्देश्यों और मूल्यों के कारण एकता होती है। समाज के सदस्य एकत्व एवं अपनत्व में बँधे होते है। समाज से तात्पर्य व्यक्तियों के समूह से नही अपितु समूह के व्यक्तियों के बीच होनेवाली अंतर्किया की जटिल व्यवस्था है।

समाज में अगणित समूह होते हैं। इन समूहों को एथनिक समूह कहते हैं। इन एथनिक समूहों की अपनी एक संस्कृति होती है, एक सामान्य भाषा होती है, खान-पान होता है, जीवन शैली होती है, तिथि त्यौहार होते हैं। मनुष्य ने अपने स्वार्थ के लिए समाज का नियत्रंण स्वीकार किया है। व्यक्ति एवं समाज एक दूसरे के पूरक हैं। व्यक्ति मिलकर समाज का निर्माण करते हैं और समाज व्यक्ति के अस्तित्व एवं आवश्यकता को पूरा करता है। समाज में 'हम' की भावना होती है। इस भावना के अंतर्गत व्यक्तिगत मैं निहित होता है और यही सामाजिक बंधन को जन्म देता है।

समाज का विकसित होना इस बात पर निर्भर करता है कि सामूहिक हित साधना के लिये क्या व्यवस्था है और समाज की प्रमुख संस्था किस प्रकार सार्वजनिक, सांस्कृतिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों के कार्य निष्पादित करती है। समाज के लोगों का समाज में क्या योगदान हैं। समाज में विभिन्न वर्ग रहते है। सभी वर्ग समान रूप से महत्वपूर्ण होने चाहिए, जिस प्रकार किसी भी दिवाल के लिये सभी ईंट समान रूप में महत्वपूर्ण है। कोई समाज उतना ही स्वस्थ्य होगा जितना उसकी संस्थायें। यदि संस्थाएँ विकास कर रही है तो समाज भी विकास करता है। यदि वे क्षीण हो रही हों तो समाज भी क्षीण हो रहा है। जब एक बूंद पानी में मिल जाती है तो अपनी पहचान खो देती है, लेकिन इंसानों के साथ यह बात नही है। एक अदद आदमी समाज के बीच जाकर अपनी पहचान खोता नही बल्कि अपनी भूमिका से अवगत होता है।

साधारणतः समाज में तीन प्रकार के समूह होते हैं। पहले हैं सर्वसाधारण, जो कि अपनी रोटी-रोजी में ही व्यस्त रहते हैं। उनमे न तो समाज के विषय में सोचने की चेतना है न ही समय। दूसरे श्रेणी के लोग होते है, जिनके पास आय का मुकम्मल श्रोत है, साधनों की भरमार है। इस श्रेणी के लोग अधिकांशतः निज स्वार्थ सिद्धि में संलग्न रहते है। तीसरे श्रेणी के लोगो में प्रबुद्ध आते है, जिन्हे समाज की चिंता रहती है एवं इस विषय में अपना योगदान देने के लिए प्रस्तुत रहते हैं। एक महान व्यक्ति किसी मशहूर व्यक्ति से इस मायने में भिन्न होता है कि वह महानता का चोला उतारकर लोगों की सेवा करने के लिये सदैव तत्पर रहता है। अथर्व वेद (4.18.6) में कहा गया है :–

यश्चकार न शासक कर्तुं शश्रे पादमंगुरिमचकार
भद्रमस्मभ्यमात्मने तपेनं तु सः।

यानि जिसने अपने और दूसरे के लिये सामर्थ्य होने पर भी कल्याण सुख सम्पादन का कोई कार्य नही किया उसने मानो स्वयं अपने हाथ और पैरों को काट डाला।

समाज में बदलाव एक निरंतर प्रक्रिया है। यह बदलाव सब समय कोई बड़ा बदलाव हो, यह आवश्यक नही। छोटे-छोटे बदलावों का समाज पर दूरगामी असर पड़ता हैं। उदाहरण के स्वरूप समाज में अगर बच्चो को प्रोत्साहित करने का कार्यक्रम हो, समाज के वास्तविक समस्याओं पर वैचारिक एवं सार्थक चिंतन हो अथवा रोजगार, शिक्षा बढ़ाने के लिये सार्थक पहल हो तो समाज की स्थिति में बदलाव आता है। अनाप-शनाप खर्चीले बड़े कार्यक्रमों की जगह इस तरह के कार्यक्रम अधिक प्रभावशाली होते हैं। धार्मिक अनुष्ठानों से समाज की समस्याओं का समाधान नही हो सकता। इस विषय में भविष्य को ध्यान में रखकर निर्णय लेने की आवश्यकता है। सामाजिक समस्याओं का समाधान एवं निदान करने में संस्कारो का अमूल्य योगदान रहता है। व्यक्ति के चरित्र निर्माण मे, आदर्श स्थापित करने में, संस्कार एवं संस्कृति की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। व्यक्ति अपने जीवन में जो भी शुभ अशुभ, अच्छे बुरे कर्म करता है, उस कर्मो से भी नये संस्कार बनते रहते हैं। इस प्रकार संस्कारो की अंतहीन श्रृंखला बनती चली जाती है। हमारा सौभाग्य है कि विरासत में हमें अत्यंत समृद्धशाली संस्कार एवं संस्कृति मिला है। इसको बचा कर रखना हमारे लिये अत्यावश्यक है। महान विचारक विक्टर ह्यूगो ने कहा था – "अपने विचार बदलो, अपने सिद्धांत पर अडिग रहो। पत्तों को बदलो पर अपनी जड़ को बचा कर

स्वामी विवेकानन्द की वाणी को याद रखना होगा। उन्होंने कहा था – "पश्चिम में व्यक्तिगत स्वतंत्रता लक्ष्य है, धन कमाने की शिक्षा उनकी भाषा है, राजनीति उनका माध्यम है। भारत में लक्ष्य मुक्ति है। हमारी भाषा वेदों की भाषा है एवं हमारा माध्यम है त्याग।"

रखो।" कुछ लोगो को बदलना पसंद नही। विकल्प विनाश ही है, तो परिवर्तन को गले लगाना ही होगा। बहुत सी पुरानी मान्यताएँ ऐसी होती है जिनकी आवश्यकता किसी कालखंड मे थी, पर बदलते परिवेश में आज नही है। उनका पुर्नमूल्यांकन उसी प्रकार आवश्यक हो जाता है, जिस प्रकार जाडे के गरम कपड़ो की गृष्म ऋतु मे आवश्यकता नही होती, जिस प्रकार वर्षा ऋतु के बाद छाते की आवश्यकता नही होती। अनावश्यक प्रथाओ को नही बदलने से वे रुढ़ि बन जाते है। उनमें लोग अपनी बुराईयों को मिलाकर पूरे रिवाज को विकृत बना देते है। समाज में कोई भी विकृतियाँ या विसंगतियाँ पनपती है तो हमे संस्कार एवं संस्कृति शक्ति प्रदान करते है। उन विकृतियो से निजात पाये विना समाज स्वस्थ्य नही रह सकता है। यहाँ पर **स्वामी विवेकानन्द की वाणी को याद रखना होगा। उन्होंने कहा था – "पश्चिम में व्यक्तिगत स्वतंत्रता लक्ष्य है, धन कमाने की शिक्षा उनकी भाषा है, राजनीति उनका माध्यम है। भारत में लक्ष्य मुक्ति है। हमारी भाषा वेदों की भाषा है एवं हमारा माध्यम है त्याग।"** उन्होंने आगे कहा था – "पश्चिमी सभ्यता के चकाचौंध में हम दो सभ्यताओ के मौलिक भेद को भूलते जा रहे हैं। किसी भी देश का राष्ट्रीय चरित्र उसके मौसम, इतिहास एवं अन्य प्रभावों पर निर्भर करता है। वेष-भूसा, खान-पान, व्यक्तिगत व्यवहार एवं वास्तुकला भौगलिक परिवेश पर निर्भर करता है। अतएव भारतीय समाज के लक्ष्य पाश्चात्य माडल पर निर्धारित नही किये जा सकते।" आज पाश्चात्य सभ्यता का प्रभाव हमारे संस्कारो के जड़ों के हिला रहे हैं। प्रत्येक स्तर के रिस्तो में तनाव व्याप्त है। वैवाहिक संस्कार अब मूलतः एक औपचारिकता भर रह गयी है। प्री-वेडिंग, आडंबर, दिखावा, हनीमून पर बेतहाशा खर्च किया जा रहा है। हजारो वर्षो की हमारी मान्यताएँ धराशायी हो रही है। मद्यपान का सर्वत्र बोलबाला हो रहा है। तलाक आम होते जा रहे हैं। घर में वृद्ध मां-बाप के लिये अब कोई सम्मानजनक स्थान नही हैं। बच्चों की परबरिश में भी धन का बोलबाला होता जा रहा है। अचानक देखते-देखते समाज में हमारी परम्परा, संस्कृति का लोप हो रहा है। वृद्धाश्रम इस बात का जीता जागता सुबूत होते है कि आधुनिक समाज खोखले सिद्धांतो की बुनियाद पर खुद को श्रेष्ठ साबित करना चाहती है। व्यक्ति के सोच का स्तर इतना स्वार्थी हो गया है कि वह आज अपने दुख से अधिक दूसरो के सुख से दुखी है। शिक्षा एवं स्वास्थ्य अब व्यापार बन चुका है। आज की संकुचित सोच एवं अंधाधुंध भोगवाद शारिरिक समस्याओं के साथ अनेकानेक विकृतियों को जन्म दे रहा है। सामाजिक स्वतंत्रता हमे हासिल हो गई, पर हम हमारे सामाजिक दायित्व के निर्वहन से दूर होते जा रहे हैं। यह कहा जाता है कि कभी भी दुष्ट लोगों की सक्रियता समाज से ज्यादा अच्छे लोगों की निष्क्रियता समाज को बर्बाद कर देती है। प्रबुद्ध वर्ग को समाज की चिंता तो है, पर सक्रिय कार्यक्रमों का अभाव है। अमेरिका के प्रसिद्ध अश्वेत सामाजिक चिंतक एवं नेता डॉ. मार्टिन लूथर किंग ने कहा था – हमारा जीवन उस दिन से खत्म होना शुरू हो जाता है, जब हम उन चीजों के बारे में बोलना बंद कर देते है, जो मायने रखती हैं।

धन, शक्ति, सम्पदा, दक्षता केवल जीवन के साधन हैं, खुद जीवन नहीं। हमारी कीमत इस में हैं कि हम क्या है, इसमें नही कि हमारे पास क्या है? महान विचारक स्टिफन हांकिंग ने भी समाज की भूमिका को स्वीकार करते हुए कहा था – "विज्ञान लोगो को गरीबी एवं बीमारी से निकाल सकता है पर सामाजिक अशांति तो समाज ही दूर कर सकता है।" विकृतियों एवं विसंगतियों की कौरव सेना महाभारत के समर में पूरे विश्वास के साथ तैयार है। समाज का अर्जुन अभी संशय में हैं। इस संहेदास्पद स्थिति से उबरकर विकृतियों का डटकर सामना करना अत्यावश्यक हैं। पहले भी अनेकानेक ऐसी विकृतियों से काफी संघर्ष के बाद निजात पाया गया है। आज का युवा वर्ग समाज की मूलभूत मान्यताओं, परम्पराओं एवं संस्कृति से उदासीन है। वैश्वीकरण की आंधी के चलते हम एक बहुत बड़े बदलाव के सम्मुखीन है। यह बदलाव हमारे देश के अलावा अन्य देश मे भी हुए हैं। उदाहरण के स्वरूप हम चीन एवं जापान को ले सकते हैं, जहाँ पर सब कुछ के बावजूद उनके भाषा, खान-पान एवं संस्कार पर आघात नही हुआ है। वहाँ का समाज इनके प्रति प्रतिवद्ध है। आज का युवा वर्ग तर्क द्वारा प्रत्येक मान्यताओं को अपने तरीके से सोचने समझने की स्वतंत्रता चाहता है। युवा वर्ग को मुख्य धारा में लाने के लिये नये सोच एवं अतिरिक्त प्रयास की जरूरत है। साथ ही साथ सबल समाज व्यवस्था में समाज के कमजोर धर्म के प्रति संवेदनशीलता परम आवश्यक है। पीढी दर पीढी मारवाड़ी समाज इसी सोच के साथ अपना उत्तरदायित्व बखूबी निभाता आया है। पर आज उसमें व्यवधान दिख रहा है। दान-धर्म की जगह भोगवाद, दिखावा, पाखंड हावी होता जा रहा है। समाज सुधार का काम अत्यंत कठिन है। पर इसकी पहली आवश्यकता है जागरुकता। इतिहास गवाह है कि समाज सुधार का कार्य समर्पण एवं जूनून के बिना संभव नहीं। महात्मा गांधी ने कहा था – सर्वप्रथम विरोधी आपका संज्ञान नही लेंगे, बाद में आपका मखौल, उडायेंगे, उसके बाद संघर्ष करेंगे, अंत में आप विजयी होंगे। समाज के सभी वर्गो से निवेदन है कि अपनी गलतियों को न दोहराये, उनमें आनंद ढूढ़ने की कोशिश न करें क्योंकि बुराई में डूवे रहना दुःख को न्यौता देता है। समाज में सुधार लाने के लिए उदाहरण प्रस्तुत करना होगा, समर्पण भाव जागृत करना होगा।

अमेरिका के प्रसिद्ध अश्वेत सामाजिक चिंतक एवं नेता डॉ. मार्टिन लूथर किंग ने कहा था – हमारा जीवन उस दिन से खत्म होना शुरू हो जाता है, जब हम उन चीजों के बारे में बोलना बंद कर देते है, जो मायने रखती हैं।

स्थापना दिवस

आइये, नये कीर्तिमान स्थापित करें!

– सन्तोष सराफ

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि इस वर्ष २५ दिसम्बर को सम्मेलन अपना ८३वाँ वर्ष पूर्ण कर ८४वें वर्ष में प्रवेश करने जा रहा है। हम सभी जानते हैं कि सम्मेलन का गौरवमय इतिहास रहा है। सम्मेलन समाज की एकमात्र राष्ट्रीय प्रतिनिधि संस्था है। प्रथम से ही सम्मेलन समाज को दिशा एवं संबल प्रदान करने में उद्यमशील है। किसी भी संस्था के लिये इतने बडे कालखंड तक सार्थक रूप से सक्रिय रहना अपने आप में एक खास महत्व की बात है। सम्मेलन समाज के प्रत्येक व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है। किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिये सभी स्तरों पर सम्मेलन ने अपना नेतृत्व प्रदान किया है। सभी प्रकार की चुनौतियों का सामना करने में सम्मेलन ने सार्थक भूमिका निभाई है। सम्मेलन मूलतः एक वैचारिक सांगठनिक संस्था है। मारवाड़ी समाज अपनी व्यापारिक कुशाग्रता, लगन, निष्ठा, इमानदारी, परिश्रम एवं जोखिम उठाने की क्षमता के कारण देश में अपना विशिष्ट स्थान रखता है। परोपकार के क्षेत्र में समाज का अवदान सर्वविदित है। पिछले पाँच दशको में समाज में शिक्षा का व्यापक प्रचार प्रसार हुआ है। फलस्वरूप चिकित्सा, तकनीक, विज्ञान, सरकारी प्रशासन, कला, संगीत, आदि सभी क्षेत्रों में समाज का महत्वपूर्ण प्रतिनिधित्व है। यह खुशी की बात है कि महिलाएँ भी सभी क्षेत्रो में सक्रिय हैं।

पिछले ८३ वर्षों से सम्मेलन ने अनेक कीर्तिमान स्थापित किये हैं। सम्मेलन राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत है। हमारा लक्ष्य है – राष्ट्र की प्रगति। व्यक्ति एवं समाज की प्रगति के माध्यम से हम राष्ट्र की प्रगति का लक्ष्य हासिल करने की बात करते हैं। व्यक्ति की प्रगति ही समाज की प्रगति है एवं समाज की प्रगति ही राष्ट्र की प्रगति है। मारवाड़ी सदैव ही सर्वप्रकार से राष्ट्र की प्रगति में तन-मन-धन से अपना योगदान देता आ रहा है। हमने किसी प्रकार के आरक्षण या विशेषाधिकार की माँग नही की। सम्मेलन अपने ढंग की एकमात्र संस्था है जो समाज की अच्छाई को बरकरार रखने एवं बुराई को दूर करने में संलग्न है। देश के कोने-कोने में फैले समाजबंधओं को एक सूत्र में पिरोने के लिये सम्मेलन सतत प्रयत्नशील है। राजस्थानी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिये सम्मेलन कटि बद्ध एवं विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से इस दिशा मे आगे बढ़ रहा है। उच्चशिक्षा के क्षेत्र में युवाओं को अपना सहयोग देते आ रहा है एवं अब तक १ करोड़ ८० लाख से अधिक की राशि इस कार्यक्रम के तहत सहयोग के रूप में वितिरत की जा चुकी है। रोजगार सहायता, महापंचायत एवं संस्कार-संस्कृति चेतना जैसे अभिनव कार्यक्रमों के माध्यम से सम्मेलन अपनी विशिष्ट पहचान बनाने में सफल रहा है। वैवाहिक कार्यक्रमों मे मद्यपान निषेध, समाज सुधार के अन्य कार्यक्रम, युवाओं में उद्यमशीलता को बढ़ावा जैसे कार्यक्रम सम्मेलन द्वारा संचालित हो रहे हैं। समाज के विभिन्न समुदायों एवं तबको में परस्पर सौहार्द को बढ़ावा देने की दिशा में सम्मेलन सदैव ही प्रयत्नशील रहा है।

पिछले कुछ वर्षों में सम्मेलन के कार्यकलापों में उल्लेखनीय गतिशीलता आई हैं। इस दौरान सम्मेलन के विभिन्न कार्यक्रमों में महामहिम श्री रामनाथ कोविंद, पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी, महामहिम श्री केशरी नाथ त्रिपाठी, झारखंड मुख्य मंत्री श्री रघुबर दास, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री दिनेश शर्मा, बिहार के उपमुख्यमंत्री श्री सुशील मोदी, केन्द्रीय मंत्री जेनरल वी. के. सिंह, पद्मभूषण श्रीमती राजश्री बिड़ला, प्रेसिडेंसी विश्वविद्याल की उपकुलपति डॉ. अनुराधा लोहिया आदि ने पधारकर हमे अपने आशीर्वचनों, सुझावों एवं विचारों के माध्यम से हमारा मार्गदर्शन किया है।

इस दौरान राष्ट्रीय एवं प्रांतीय नेतृत्व आपसी समन्वय रखते हुए, सम्मेलन की गतिविधियों में उल्लेखनीय विविधता एवं गतिशीलता लाने में सफल हुए हैं। आगामी २५ दिसम्बर को सम्मेलन के ८४वें स्थापना दिवस के अवसर पर कोलकाता स्थित कलामंदिर प्रेक्षागृह में आयोजित समारोह में महामहिम श्री केशरीनाथ त्रिपाठी, देश एवं समाज के लब्धप्रतिष्ठित उद्योगपति-समाजसेवी वेदान्ता समूह के चेयरमैन श्री अनिल अग्रवाल ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को सुशोभित करने की स्वीकृति प्रदान की है। निश्चय ही सम्मेलन एवं समाज के लिये यह एक गौरव की बात है।

आसन्न स्थापना दिवस के अवसर पर मैं सभी राष्ट्रीय, प्रांतीय पदाधिकारियों, कार्यकर्त्ताओं, सदस्यों एवं सभी समाजबंधुओ को हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ। इस अवसर पर मैं हमारे संस्थापको का सश्रद्ध स्मरण करता हूँ एवं उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। सम्मेलन सदैव हमारे भूतपूर्व राष्ट्रीय नेतृत्व एवं असंख्य कार्यकर्त्ताओं का आभारी रहेगा जिन्होंने अपने तन मन धन से इसे सींचा है। फलस्वरूप एक बीज आज वटवृक्ष का रूप लेता जा रहा है। पिछले ८३ वर्ष में सम्मेलन ने एक लम्बी यात्रा पूर्ण की है और मैं मानता हूँ कि अभी बहुत कुछ करना बाकी है। मुझे आशा नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि आप सबके सहयोग से सम्मेलन नये नये कीर्तिमान स्थापित करेगा।

जय समाज! जय राष्ट्र!!

MARWARI SAMMELAN FOUNDATION

(A Trust of All India Marwari Federation)

उच्च शिक्षा कोष

समाज के बच्चों को शिक्षित कर परिवार को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल

विगत ८ वर्षों में देश के विभिन्न भागों के ८९ छात्र-छात्राओं को करीब १ करोड़ ७२ लाख रुपयों का दिया जा चुका है अनुदान

वर्तमान वित्तीय वर्ष (२०१८-१९) में अब तक करीब २७ लाख रुपयों का आवंटन

"Education is a fundamental human right and essential for excercise of all other rights."

पूर्व की भांति समाज के दाताओं का मिल रहा है तहेदिल से साथ, वर्तमान सत्र में श्री संदीप फोगला ने २५ लाख एवं श्री आनन्द कुमार अग्रवाल ने दिया ५ लाख का सहर्ष अनुदान

आप भी बढ़ाएं सहयोग का हाथ **समाज के सर्वांगीण विकास में बनें भागीदार**

छात्र/छात्राएँ नि:शुल्क छात्रवृत्ति के लिये सम्पर्क करें

इंजीनियरिंग, टेक्निकल, सिविल सर्विसेज, चिकित्सा, मैनेजमेंट आदि क्षेत्रों में स्नातकोत्तर/उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति हेतु समाज के मेधावी एवं जरूरतमंद छात्र-छात्राओं से आवेदन आमंत्रित हैं।

पात्रता : (क) १७ और २५ वर्षों के बीच के उम्र के मेधावी छात्र-छात्राएँ जिनका शैक्षिक परीक्षाओं में प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा हो और जिन्हें केवल अपनी योग्यता के बल पर किसी मान्यताप्राप्त शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश मिल रहा हो।

(ख) जिन आवेदकों के माता-पिता की वार्षिक आय तीन लाख रुपयों से कम होगी, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी।

प्रक्रिया : (क) पूर्व शैक्षिक प्रमाणपत्रों, प्रवेश के प्रमाण, माता-पिता के आय प्रमाणपत्र एवं पासपोर्ट साइज चित्रों के साथ, मारवाड़ी सम्मेलन की किसी शाखा/सम्बद्ध संस्था से अनुमोदित आवेदन प्रस्तुत करने हैं।

(ख) एक छात्र-छात्रा को वर्ष में अधिकतम दो लाख रुपयों की राशि अनुदानस्वरूप दी जा सकती है।

(ग) प्रतिवर्ष कुछ छात्रवृत्तियाँ छात्राओं के लिए सुरक्षित हैं।

आवेदन करें : *चेयरमैन, उच्च शिक्षा उपसमिति, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन*

४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपियर सरणी, कोलकाता-१७, फोन : (०३३) ४००४४०८९, ईमेल : aimf1935@gmail.com

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता-७०० ०१७
फोन : ०३३-४००४ ४०८९; ईमेल - aimf1935@gmail.com

८४वाँ स्थापना दिवस समारोह

(सम्मान समारोह व सांस्कृतिक कार्यक्रम)

दिनांकः मंगलवार, २५ दिसम्बर २०१८, प्रातः १०.३० बजे

स्थानः कलामंदिर सभागार, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता-१७

उद्घाटनकर्ता : **महामहिम श्री केशरीनाथ त्रिपाठी**
राज्यपाल, पश्चिम बंग

मुख्य अतिथि : **श्री अनिल अग्रवाल**
चेयरमैन, वेदांता ग्रुप, लंदन

विशिष्ट अतिथि : **श्री रघुनंदन मोदी**
चेयरमैन, रसोई ग्रुप

अतिथि : **श्री महेश भागचन्दका**
समाजसेवी-उद्योगपति

मुख्य वक्ता : **श्री सीताराम शर्मा**
पूर्व अध्यक्ष – अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन।

अध्यक्षता : **श्री संतोष सराफ**
राष्ट्रीय अध्यक्ष - अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन।

सम्मान : **'मारवाड़ी सम्मेलन राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान-२०१७'** उद्योग-व्यापार के क्षेत्र में अपनी अंतर्राष्ट्रीय पहचान स्थापित करने एवं समाजसेवा तथा दानवृत्ति में अप्रतिम उदाहरण स्थापित करने के लिए, वेदांता ग्रुप के चेयरमैन **श्री अनिल अग्रवाल** को।

इस अवसर पर पूरे देश में अपनी प्रस्तुतियों से सुख्यात कोलकाता के हार्मोनी ग्रुप द्वारा देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत **"म्हारो देस रंगीलो"** का मंचन किया जाएगा।

आपकी सपरिवार उपस्थिति सादर प्रार्थित है।

:: निवेदक ::

विवेक गुप्त	श्री गोपाल झुनझुनवाला	संजय हरलालका, दामोदर बिदावतका	गोपाल अग्रवाल	कैलाशपति तोदी
चेयरमैन, स्वागत समिति	*राष्ट्रीय महामंत्री*	*राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्रीद्वय*	*राष्ट्रीय संगठन मंत्री*	*राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष*

सम्मेलन का दीपावली प्रीति मिलन समारोह

कुरीतियाँ पर अंकुश एवं मातृभाषा को प्रश्रय नितांत आवश्यक : श्रीकुमार बाँगड़

समारोह में (बायें से दायें) सर्वश्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला, विवेक गुप्त, सीताराम शर्मा, श्रीकुमार बाँगड़, संतोष सराफ, बी.पी. गोपालिका, शशिकांत पुजारी, नन्दकिशोर अग्रवाल एवं आनन्द कुमार अग्रवाल।

'भाषा किसी भी संस्कृति का अभिन्न अंग है। भाषा से ही हमारी पहचान है। समाज में अपनी ही भाषा का चलन कम होता जा रहा है। इसके लिए सम्मेलन अपनी भूमिका का निर्वाह कर रहा है, तथापि समाज के हर सदस्य को इसमें अपनी भागीदारी निभानी होगी।' ये उद्‌गार हैं सुप्रसिद्ध उद्योगपति-समाजसेवी **श्री श्रीकुमार बाँगड़** के जो उन्होंने गत १० नवम्बर २०१८ को ४०, आयरन साईड रोड, बालीगंज, कोलकाता में **अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दीपावली प्रीति मिलन समारोह में मुख्य अतिथि** के रूप में वक्तव्य देते हुए प्रकट किए। श्री बाँगड़ ने कहा कि मारवाड़ी समाज की पूरे देश में अलग पहचान है। हमारे समाज के सामने काफी चुनौतियाँ हैं जिनका हमें मिलकर सामना करना है। उन्होंने कहा कि कुरीतियों पर काबू पाने में समय जरूर लगता है किन्तु अगर समाज का हर वर्ग साथ आकर इनका सामना करे तो इन पर अंकुश लगता है और अंततः सफलता भी मिलती है।

अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने कहा कि आज आर्थिक उन्नति को ही विकास का एकमात्र सूचकांक माना जा रहा है। **आर्थिक सम्पन्नता के साथ अगर मानसिक संकीर्णता रहे तो वह अवनति का कारण बन जाता है।** उन्होंने कहा कि सम्मेलन का सतत प्रयास रहा है कि समाज में शुचिता एवं सौहार्द बना रहे और इसके बुनियादी ढाँचे एवं संस्कृति के मूलभूत आधारों को क्षति न पहुँचे। दीपावली पर्व हमें संदेश देता है कि **सबल व्यक्ति निर्बल को सहयोग दे – 'बुझते हुए दीपों को जलाना होगा, मुरझाते फूलों को खिलाना होगा, चाहते हैं जीवन में सुख पाना, तो कुटियों को महलों से मिलाना होगा।'**

समारोह के मुख्य वक्ता सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने अपने उद्‌बोधन में सम्मेलन की पृष्ठभूमि

एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि **सम्मेलन ने सदैव राष्ट्रहित को आगे रखा है।** उन्होंने समाज के प्रत्येक वर्ग का समाज सुधार के कार्यक्रमों के साथ जुड़ने का आह्वान किया और कहा कि इनके बिना हमारी खूबियाँ कम होंगी।

समाजहित में चलाये जा रहे सम्मेलन के मुख्य प्रकल्पों की जानकारी देते हुए श्री सीताराम शर्मा ने कहा कि मेधावी और जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा दिलाने की दिशा में सम्मेलन की पहल को समाज के सभी तबकों ने न सिर्फ सराहा है बल्कि वे सहयोग का हाथ भी बढ़ा रहे हैं, जिसका लाभ समाज को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि

सम्मेलन समाज के लोगों को चिकित्सा में सहयोग देने पर भी विचार कर कर रहा है।

विशिष्ट अतिथि **श्री शशिकान्त पुजारी** (आई.पी.एस.) ने अपने वक्तव्य में आजादी की लड़ाई और स्वतंत्रता–प्राप्ति के बाद राष्ट्रनिर्माण में मारवाड़ी समाज के योगदान को अग्रणी बताया। श्री पुजारी ने पर्यावरण, **महिलाओं के सम्मान एवं अपनी भाषा के प्रयोग के प्रति सचेत रहने की जरूरत** पर बल दिया।

विशिष्ट अतिथि **श्री भगवती प्रसाद गोपालिका** (आई.ए.एस.) ने कहा कि पूरे भारत एवं विदेश में भी **मारवाड़ी समाज जहाँ कहीं भी रहता है, वहाँ के लोगों से समरस हो जाता है, मिल–जुलकर रहता है और उस स्थान की प्रगति हेतु तन-मन-धन से सहयोग करता है, यह इस समाज की सबसे बड़ी खूबी है।** श्री गोपालिका ने कहा कि प्रशासनिक सेवाओं में समाज के युवक–युवतियों की भागीदारी बढ़ी है जो अत्यंत हर्ष का विषय है।

समारोह के प्रारम्भ में, स्वागताध्यक्ष **श्री आनन्द अग्रवाल** ने सभी का स्वागत किया। पुष्पगुच्छ, दुपट्टा, पगड़ी तथा मोमेन्टो देकर अतिथियों एवं सम्मेलन के वरिष्ठ पदाधिकारियों का सम्मान किया सम्मेलन की वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन श्री आत्माराम सोन्थलिया, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री गोपाल अग्रवाल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री कैलाशपति तोदी, पश्चिम बंग सम्मेलन के महामंत्री श्री ओम प्रकाश अग्रवाल, सर्वश्री सुदेश अग्रवाल, रवि लोहिया, संदीप सेक्ससरिया तथा संजय शर्मा ने। श्रीमती सुनीता लोहिया एवं उनकी टीम ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

समारोह को सम्बोधित करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री **श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला** ने कहा कि दीपावली अंधकार से प्रकाश की और जाने की भावना का पर्व है – **तमसो मा ज्योतिर्गमय।** उन्होंने कुरीतियों पर अंकुश, संस्कारों के संरक्षण एवं देश के सर्वांगीण विकास में सभी की

समारोह में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षगण सर्वश्री रामअवतार पोद्दार, प्रह्लाद राय अगरवाला, डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया एवं समाज सुधार उपसमिति के चेयरमैन डॉ. जुगल किशोर सर्राफ।

हिस्सेदारी को आवश्यक बताते हुए कहा कि **हमें नव समाज का निर्माण करना है, जिसमें सभी में भाईचारा तथा मेल-मिलाप हो।** महात्मा गांधी के प्रिय गीत – वैष्णव जन तो तेने कहिए..., का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मारवाड़ी इसे व्यवहार में लाते हैं। उपस्थितों की करतल ध्वनि के बीच श्री झुनझुनवाला ने सुप्रसिद्ध उद्योगपति–समाजसेवी **श्री श्रीकुमार बाँगड़ द्वारा सम्मेलन के उच्च शिक्षा कोष को २५ लाख रुपये के अनुदान की घोषणा की।**

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री नन्दकिशोर अग्रवाल** ने कहा कि दीपावली पर हमें अपना वैमनस्य खत्म कर सकता तथा भाईचारे का संदेश देना चाहिए। उन्होंने पश्चिम बंग सम्मेलन के सांगठनिक ढांचे को मजबूती प्रदान करने की दिशा में किये जा रहे प्रयासों की जानकारी दी।

सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री विवेक गुप्त** ने अपने निराले अंदाज में धन्यवाद–ज्ञापन किया। सम्मेलन से जुड़े उपाख्यानों एवं अपनी सरस शैली के साथ समारोह का संचालन करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री **श्री संजय हरलालका** ने शमां बाँधे रखा। अंत में, राजस्थान के

मारवाड़ी सम्मेलन राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान-२०१७

श्री अनिल अग्रवाल

चेयरमैन, वेदांता ग्रुप

श्री अनिल अग्रवाल वेदान्ता रिसोर्सेज पब्लिक लिमिटेड कम्पनी के संस्थापक एवं चेयरमैन हैं। आपका जन्म २४ जनवरी १९५४ को पटना में हुआ था और यहीं आपने प्रारम्भिक शिक्षा पाई। आप अल्प आयु में ही अपने पिता के साथ व्यवसाय में शामिल हो गये, १९ वर्ष की आयु में पटना से मुम्बई चले गए।

सत्तर के दशक के मध्य से वर्तमान समय तक श्री अग्रवाल ने स्क्रेप मेटल, इनेमेल्ड कॉपर, कॉपर स्मेल्टर एण्ड रिफाइनरीज, अल्यूमीनियम, जिंक, खदानों सहित विभिन्न प्रकार के व्यवसाय किए और अपने परिश्रम एवं कुशाग्र व्यावसायिक समझ के बल एक के बाद एक सफलताएँ अर्जित की। २००३ में लंदन में स्थापित उनकी कम्पनी वेदांता रिसोर्सेज लंदन स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टेड होने वाली पहली भारतीय फर्म है जो आज विश्व के दर्जनों देशों में फैली हुई है।

अपनी समाजसेवी गतिविधियों के लिए श्री अग्रवाल ने १९९२ में वेदांता फाउंडेशन की स्थापना की जो तब से ही जनसेवा के विभिन्न कार्य कर रही है। वित्तीय वर्ष २०१३-१४ में वेदांता ग्रुप की कम्पनियों एवं वेदांता फाउंडेशन ने अस्पतालों, विद्यालयों सहित समाजसेवा के विभिन्न क्षेत्रों में ४९ मीलियन डालर का निवेश किया और ४१ लाख लोगों को राजगार दिया। हारून इंडिया फिलांथ्रोपी लिस्ट–२०१४ के अनुसार, भारत के दानदाताओं में श्री अग्रवाल दूसरे नम्बर पर हैं। वर्ष २०१५ में महिला एवं बाल-कल्याण मंत्रालय के साथ मिलकर, वेदांता ग्रुप ने पहला 'नंद घर' (माडर्न आंगनवाड़ी) स्थापित किया, कुल ४,००० ऐसे 'नंद घर' स्थापित करने की योजना है। श्री अग्रवाल ने अपनी पारिवारिक सम्पति का ७५ प्रतिशत दान देने का संकल्प लिया है। वे बिल गेट्स, एन्ड्यू कारनेगी एव डेविड रॉकफेलर से प्रेरित हैं।

श्री अग्रवाल द इकानॉमिक टाईम्स के 'बिज लीडर अवार्ड–२०१२', 'माइनिंग जरनल लाईफट ईम एचीवमेंट अवार्ड-२००९', 'द अर्नेस्ट एण्ड यंग आंतप्रेन्युर्स ऑफ द इयर-२००८', 'द एशियन अवार्ड - आंत्रप्रेन्युर ऑफ द इयर-२०१६', 'द वन ग्लोबल फोरम अवार्ड' जैसे ख्यातिप्राप्त सम्मानों से नवाजे जा चुके हैं।

सम्मेलन का दीपावली प्रीति मिलन समारोह......

पारम्पिरक घूमर नृत्य का आयोजन था जिसे दर्शकों ने बहुत पसन्द किया।

समारोह में सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया, श्री प्रह्लादराय अगरवाला एवं श्री रामअवतार पोद्दार, सर्वश्री रघुनन्दन मोदी, श्री महेन्द्र जालान, डॉ. जुगल किशोर सराफ, हरिप्रसाद बुधिया, घनश्याम शोभासरिया, कुंज बिहारी अग्रवाल, रतनलाल अग्रवाल, के. के. सिंहानिया, सम्पतमल बच्छावत, बी.पी. यादुका, भानीराम सुरेका, शिवकुमार लोहिया, श्यामलाल डोकानिया, नंदलाल सिंघानिया, बिजय कुमार डोकानियाँ, बिश्वनाथ केडिया, संजय भरतिया, सर्वश्रीमती/सुश्री वर्षा पुजारी, मंजूश्री गुप्ता, शारदा लखाटी, सुधा जोशी, किरण अग्रवाल, लिपिका अग्रवाल, मंजू अग्रवाल, रुक्मिणी खैतान, सरोज चीड़ीमार** सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। पूरा सभागार समाज के लोगों से खचाखच भरा था।

महामंत्री का प्रतिवेदन

– श्रीगोपाल झुनझुनवाला
राष्ट्रीय महामंत्री

आदरणीय अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल श्री केशरीनाथ जी त्रिपाठी, मुख्य अतिथि श्री अनिल जी अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि श्री रघुनंदन जी मोदी, श्री महेश जी भागचन्दका, समारोह के मुख्य वक्ता श्री सीताराम जी शर्मा, चेयरमैन-स्वागत समिति श्री विवेक जी गुप्त, सम्मानित अतिथिगण, सम्मेलन के पदाधिकारी/सदस्यगण, उपस्थित देवियों एवं सज्जनों,

गत ९-१० जून २०१८ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का २५वाँ अधिवेशन वाराणसी में आयोजित हुआ जिसमें निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने पदभार ग्रहण किया। वर्तमान सत्र के लिए राष्ट्रीय महामंत्री के रूप में मुझे मनोनीत कर श्री सराफ ने मुझ पर अपना विश्वास प्रकट किया, मैं उनका आभार व्यक्त करता हूँ।

सम्मेलन अपने ८३ वर्ष पूरे कर चुका है और आज हम ८४वें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं। इस लम्बी अवधि में सम्मेलन अनेक उतार-चढ़ावों से गुजरा है किन्तु एक बात सर्वमान्य है कि एक वैचारिक मंच के रूप में सम्मेलन ने समाज का न सिर्फ प्रतिनिधित्व किया है अपितु सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक क्षेत्रों सहित विपत्तिकाल में भी सफल नेतृत्व प्रदान किया है। इतने दीर्घकाल तक सम्मेलन का प्रासंगिक बना रहना इस बात का गवाह है कि हमारे पूर्वजों ने सम्मेलन रूपी जिस इमारत की नींव रखी, उसकी जड़ें बहुत गहरी हैं।

अब मैं वर्तमान सत्र की गतिविधियाँ आपके समक्ष संक्षेप में रखता हूँ।

१) राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने निम्नवत राष्ट्रीय पदाधिकारी मनोनीत किए हैं:

उपाध्यक्षगण - श्री विवेक गुप्त (कोलकाता), श्री गोवर्धन प्रसाद माड़ोदिया (राँची), श्री राज कुमार पुरोहित (मुम्बई), श्री विजय कुमार किशोरपुरिया (पटना), श्री अनिल कुमार जाजोदिया (वाराणसी) एवं श्री पवन कुमार गोयनका (दिल्ली)।

महामंत्री - के रूप में मुझे।

संयुक्त महामंत्री - श्री संजय कुमार हरलालका (कोलकाता) एवं श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका (कोलकाता)।

संगठन मंत्री - श्री गोपाल अग्रवाल (कोलकाता)

कोषाध्यक्ष - श्री कैलाशपति तोदी (हवड़ा, पश्चिम बंग)।

२) गत २३ जून २०१८ को सम्मेलन कार्यालय सभागार में, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ की अध्यक्षता में, एक शोक सभा का आयोजन कर सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष स्व. रामपाल अग्रवाल 'नूतन' को श्रद्धांजलि दी गई।

३) गत २० जुलाई २०१८ को राजा राममोहन राय सरणी (अम्हर्स्ट स्ट्रीट), कोलकाता में नये सम्मेलन भवन के निर्माण हेतु भूमि-पूजन किया गया। सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा ने सपत्नीक यजमान की भूमिका निभाई। पूजन कार्य सुप्रसिद्ध भागवताचार्य पं. मालीराम शास्त्री ने सम्पन्न कराया।

४) २० जुलाई २०१८ को ही हिन्दुस्तान क्लब, कोलकाता में सम्मेलन की अखिल भारतीय समिति की बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ के सभापतित्व में आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष को राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति के गठन का अधिकार दिया गया और सम्मेलन के बैंक खातों के संचालन हेतु राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय महामंत्री, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष एवं वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन को अधिकृत किया गया।

५) गत २४ जुलाई २०१८ को सम्मेलन कार्यालय सभागार में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन के शीर्ष नेतृत्व के बीच एक बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने की। बैठक में महिला सम्मेलन की राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती उषा किरण टिबड़ेवाल, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती मीना गुप्ता, आगामी राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती शारदा लाखोटिया सहित अन्य केन्द्रीय/स्थानीय पदाधिकारिणी एवं सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामअवतार पोद्दार सहित अन्य केन्द्रीय पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में समाज सुधार के विषयों, यथा वैवाहिक समारोहों में मद्यपान, बारात में सड़कों पर महिलाओं द्वारा नृत्य, प्री-वेडिंग शूट, दिखावा-आडम्बर आदि पर नियंत्रण के क्षेत्र में काम करने पर आपसी सहमति बनी। दोनों संस्थाओं द्वारा परस्पर एक दूसरे को शाखाएँ खोलने में मदद करने के विषय पर भी चर्चा हुई।

६) आन्ध्र प्रदेश राज्य के विभाजन एवं तेलांगना प्रांत के गठन के उपरांत हमारी तेलांगना शाखा की स्थापना की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। इसके आलोक में, सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने गत १-२ अगस्त २०१८ को हैदराबाद का दौरा किया और वहाँ के समाजबंधुओं के साथ समन्वय किया। फलस्वरूप, ०२ अगस्त २०१८ को तेलांगना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का गठन हुआ और सर्वसम्मति से श्री रमेश कुमार बंग इसके संस्थापक अध्यक्ष मनोनीत हुए।

७) अखिल भारतीय समिति से राष्ट्रीय अध्यक्ष को मिले अधिकार के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने वर्तमान सत्र के लिए राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति का गठन किया।

८) गत ६ अगस्त २०१८ को सम्मेलन कार्यालय सभागार में सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ के सभापतित्व में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के शीर्ष नेतृत्व की एक समन्वय बैठक हुई। बैठक में युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित कुमार अगरवाला, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रवि अग्रवाल, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बलराम सुल्तानिया सहित अन्य पदाधिकारियों तथा सम्मेलन के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नंदलाल रुँगटा, डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया, श्री रामअवतार पोद्दार सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में विभिन्न सामाजिक विषयों एवं दोनों संस्थाओं द्वारा साथ मिलकर कोई सटीक प्रकल्प हाथ में लेने के विषय पर विचार-विमर्श हुआ।

९) ६ अगस्त २०१८ को ही सम्मेलन कार्यालय सभागार में सम्मेलन की उच्च शिक्षा उपसमिति की बैठक उपसमिति के चेयरमैन डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया के सभापतित्व में आयोजित की गई।

१०) ६ अगस्त २०१८ को ही सम्मेलन कार्यालय सभागार में सम्मेलन की भवन निर्माण उपसमिति की बैठक उपसमिति के चेयरमैन डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया के सभापतित्व में आयोजित की गई।

११) गत ०८ अगस्त २०१८ को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने बोलपुर, पश्चिम बंग में मारवाड़ी समाज द्वारा आयोजित भव्य, तीन मंजिले मारवाड़ी भवन के लोकार्पण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उसी दिन बोलपुर में सम्मेलन की शाखा का भी गठन हुआ।

१२) गत १५ अगस्त २०१८ को स्वतंत्रता की ७१वीं वर्षगाँठ के अवसर पर सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने सम्मेलन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ सम्मेलन के प्रशासनिक कार्यालय भवन, डकबैक हाउस के समक्ष राष्ट्रीय ध्वजोत्तोलन किया। तत्पश्चात् सम्मेलन कार्यालय सभागार में एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें राष्ट्र के स्वतंत्रता संग्राम के बलिदानियों को श्रद्धांजलि दी गई और राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर विचार-विमर्श हुआ।

१३) गत १८ अगस्त २०१८ को सम्मेलन कार्यालय सभागार में सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ के सभापतित्व में आयोजित की गई।

१४) गत ०८ सितम्बर २०१८ को सम्मेलन के राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक सम्मेलन कार्यालय सभागार में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ के सभापतित्व में आयोजित की गई।

१५) गत २२ सितम्बर २०१८ को सम्मेलन की वार्षिक साधारण सभा सम्मेलन कार्यालय सभागार में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ के सभापतित्व में आयोजित की गई।

१६) गत ११-१२ अक्तूबर २०१८ को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने उत्तर प्रदेश का दो-दिवसीय दौरा किया। दौरे में उत्तर प्रदेश के प्रभारी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री अनिल के. जाजोदिया एवं उत्तर प्रदेश सम्मेलन के अध्यक्ष श्री उमाशंकर अग्रवाल उनके साथ थे। दौरे के क्रम में बहराइच, लखनउ एवं गोण्डा में सभाएँ/बैठकें हुई। लखनऊ में विधायक समाजबंधु डॉ. नीरज बोरा का सम्मान किया गया। डॉ. बोरा ने सम्मेलन की सदस्यता भी ग्रहण की।

१७) गत २२ अक्तूबर २०१८ को देहरादून स्थित मुख्यमंत्री निवास में एक सादा समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत को, सम्मेलन के उत्तराखंड पुनर्निर्माण में सहयोग के कार्यक्रम के अन्तर्गत, गोपेश्वर जिले स्थित चमोली में सरस्वती शिशु मंदिर के भवन निर्माण हेतु, ५५ लाख रुपये का चेक सौंपा। इस अवसर पर सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला, संगठन मंत्री श्री गोपाल अग्रवाल, उत्तराखंड सम्मेलन के अध्यक्ष श्री रंजीत कुमार जालान, महामंत्री श्री रंजीत कुमार टिबड़ेवाल, झारखंड सम्मेलन के पूर्व महामंत्री श्री बसंत मित्तल एवं विद्यालय से सम्बंधित पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

ज्ञातव्य है कि जून २०१३ में उत्तराखंड में आये विनाशकारी तूफान के बाद सहयोग हेतु सम्मेलन के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया एवं पूर्व अध्यक्षगण श्री सीताराम शर्मा एवं श्री नंदलाल रुँगटा के सक्रिय प्रयासों से एक कोष की स्थापना की गयी थी और धनराशि एकत्रित की गई थी। बाद में, सम्मेलन द्वारा यह निर्णय लिया गया था कि उक्त विद्यालय के भवन निर्माण हेतु एकत्रित राशि दान दी जाये।

१८) गत २७-२८ अक्तूबर २०१८ को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका एवं राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री गोपाल अग्रवाल के साथ सूरत, गुजरात का दौरा किया। दौरे के क्रम में गुजरात में सम्मेलन के संगठन-विस्तार हेतु महत्वपूर्ण बैठकें हुई और राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने गुजरात सम्मेलन द्वारा आयोजित 'मारवाड़ गौरव सम्मान - २०१८' समारोह में शिरकत की। सम्मेलन की सहयोगी संस्था सीकर नागरिक परिषद की सूरत शाखा के दीपावली मिलन समारोह में भी राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने भाग लिया।

१९) गत १० नवम्बर २०१८ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं पश्चिम बंग प्रादेशिक सम्मेलन के संयुक्त तत्वावधान में, ४०, आयरन साईड रोड, बालीगंज, कोलकाता में सम्मेलन का दीपावली प्रीति मिलन समारोह आयोजित किया गया। सुप्रसिद्ध उद्योगपति-समाजसेवी श्री श्रीकुमार बाँगड़ ने मुख्य अतिथि तथा श्री बी.पी. गोपालिका (आई.ए.एस) एवं श्री शशिकान्त पुजारी (आई.पी.एस.) ने विशिष्ट अतिथि का आसन सुशोभित किया। सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं समाजचिन्तक श्री सीताराम शर्मा समारोह के मुख्य वक्ता थे। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षगण डॉ.

हरिप्रसाद कानोड़िया, श्री रामअवतार पोद्दार, श्री प्रह्लाद राय अगरवाला, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री विवेक गुप्त, पश्चिम बंग सम्मेलन के अध्यक्ष श्री नंद किशोर अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में समाज की महिलाओ-पुरुषों ने समारोह में भाग लिया।

समारोह के दौरान उद्योगपति-समाजसेवी श्री श्रीकुमार बाँगड़ द्वारा सम्मेलन के उच्च शिक्षा कोष को २५ लाख रुपये के अनुदान की घोषणा हुई। हम श्री बागड़ का कृतज्ञ आभार व्यक्त करते हैं। उद्योगपति-समाजसेवी श्री आनन्द कुमार अग्रवाल ने इस समारोह का आतिथ्यभार सम्हाला, सम्मेलन की ओर से आनन्द जी का धन्यवाद एवं आभार ज्ञापित करता हू!

२०) गत १७ नवम्बर २०१८ को सम्मेलन की संविधान उपसमिति की बैठक सम्मेलन कार्यालय सभागार में उपसमिति के चेयरमैन श्री रामअवतार पोद्दार के सभापतित्व में आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ, उपसमिति के संयोजक श्री संजय हरलालका, बिहार सम्मेलन के अध्यक्ष श्री बिनोद तोदी, उत्कल सम्मेलन के अध्यक्ष श्री अशोक जालान, झारखण्ड सम्मेलन के अध्यक्ष श्री निर्मल काबरा आदि ने भाग लिया।

२१) गत २३ नवम्बर २०१८ को सम्मेलन की संस्कार-संस्कृति चेतना उपसमिति की बैठक सम्मेलन कार्यालय सभागार में उपसमिति के चेयरमैन श्री शिव कुमार लोहिया के सभापतित्व में आयोजित की गई।

२२) गत २८ नवम्बर २०१८ को सम्मेलन की पुरस्कार चयन उपसमिति की बैठक सम्मेलन कार्यालय सभागार में उपसमिति के चेयरमैन श्री रतनलाल शाह के सभापतित्व में आयोजित की गई। बैठक में बीकानेर, राजस्थान निवासी श्री रवि पुरोहित को 'सीताराम रुँगटा राजस्थानी भाषा-साहित्य सम्मान', जयपुर, राजस्थान निवासी श्री भानसिंह शेखावत 'मरूधर' को 'केदारनाथ भागीरथीदेवी कानोड़िया राजस्थानी भाषा बाल-साहित्य सम्मान' एवं मनोविकास केन्द्र, कोलकाता की चेयरपर्सन, एमेरिटस डॉ. (श्रीमती) शारदा फतेहपुरिया को 'भंवरमल सिंघी समाजसेवा सम्मान' देने का निर्णय लिया गया।

२३) २८ नवम्बर २०१८ को ही, सम्मेलन की सेमिनार उपसमिति की बैठक सम्मेलन कार्यालय सभागार में उपसमिति के चेयरमैन श्री शिव कुमार लोहिया में सभापतित्व में आयोजित की गई।

२४) गत ०१ दिसम्बर २०१८ को सम्मेलन कार्यालय सभागार में 'उद्यमशीलता' विषयक एक संगोष्ठी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ के सभापतित्व में आयोजित की गई। संगोष्ठी को श्री बनवारीलाल मित्तल (सस्ता सुंदर) एवं श्री दीपक जालान (लिंक पेन) ने सम्बोधित किया।

२५) गत ९ से ११ दिसम्बर २०१८ को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने झारखंड का तीन-दिनसीय दौरा किया। दौरे में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया एवं राष्ट्रीय सदस्यता-विस्तार उपसमिति के संयोजक श्री बसंत मित्तल राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ थे। दौरे के क्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने राँची की अति प्राचीन सामाजिक संस्था मारवाड़ी सहायता समिति द्वारा आयोजित दिखांयों को कृत्रिम अंग प्रदान करने हेतु लगाए गए शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने झारखंड सम्मेलन के प्रांतीय कार्यालय का भी अवलोकन भी किया। दौरे में राँची, रामगढ़, हजारीबाग में बैठकें हुई जिनमें संगठन-विस्तार तथा सामाजिक महत्व के अन्य विषयों पर व्यापक विचार-विमर्श हुआ। झारखंड से राज्य सभा सांसद श्री महेश पोद्दार एवं झारखंड उच्च न्यायालय के सेवानिवृत न्यायाधीश श्री रमेश मेरठिया ने भी राष्ट्रीय अध्यक्ष से शिष्टाचार भेंट की।

२६) **अखिल भारतीय समिति का गठन** : वर्तमान सत्र हेतु अखिल भारतीय समिति के गठन की प्रक्रिया अगस्त २०१८ के प्रथम सप्ताह से संयुक्त राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका की देख-रेख में प्रारम्भ की गई और प्रक्रिया पूरी कर ली गई है।

२७) **उपसमितियों का गठन** : वर्तमान सत्र हेतु वित्तीय उपसमिति, उच्च शिक्षा उपसमिति, पुरस्कार चयन उपसमिति, संस्कार-संस्कृति चेतना उपसमिति, सेमिनार उपसमिति, सदस्यता-विस्तार उपसमिति, सीताराम रुँगटा मारवाड़ी सम्मेलन भवन-निर्माण उपसमिति एवं संविधान उपसमिति का गठन कर लिया गया है। विधिक एवं राजनैतिक चेतना उपसमिति हेतु भी चेयरमैनों का मनोनयन कर दिया गया है किन्तु इनका गठन अभी होना है।

२८) **उच्च शिक्षा कोष** : सम्मेलन के उच्च शिक्षा कोष से देश के विभिन्न भागों के छात्र-छात्राओं को अब तक कुल **एक करोड़, तिरासी लाख, छिब्बीस हजार** रुपयों की राशि अनुदान के रूप दी गयी है, जिसमें से वर्तमान वित्तीय वर्ष में अब तक **पैंतीस लाख, छिहत्तर हजार** रुपये दिए गए हैं।

२९) राजस्थानी भाषा के प्रचार-प्रसार हेतु **एस.आर. रुँगटा ग्रुप** के आर्थिक सहयोग से पं. केसरीकान्त शर्मा 'केसरी' रचित **'सीखो राजस्थानी - सहज राजस्थानी व्याकरण'** नामक पुस्तक का वितरण राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री संजय जी हरलालका के निर्देशन में हो रहा है। गत दिनों मारवाड़ी युवा मंच के साथ समन्वय बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार, व्याकरण पुस्तक की १,५००/- युवा मंच की शाखाओं को वितरण के उद्देश्य से प्रेषित की गई हैं। पुस्तक की करीब बीस हजार प्रतियाँ अभी तक प्रकाशित कर वितरित की जा चुकी हैं। एस.आर रुँगटा ग्रुप के सहयोग से हाल में ही पाँच हजार पुस्तकें और प्रकाशित की गई हैं।

भावी कार्यक्रम : १९ जनवरी २०१९ को 'सम्मान समारोह' का आयोजन; १० मार्च २०१९ को होली प्रीति मिलन का आयोजन; सक्रियता के साथ संगठन-विस्तार एवं इसके लिये प्रांतीय शाखाओं और सभी सदस्यों को साथ लेना, उत्प्रेरित करना तथा उनसे लगातार समन्वय रखना; भंग की गई प्रादेशिक शाखा कर्नाटक के पुनर्गठन हेतु प्रयास; आन्ध्र प्रदेश में प्रादेशिक शाखा की स्थापना; महिला सम्मेलन एवं युवा मंच के साथ समन्वय रखना, अपने कार्यक्रमों में उन्हें शामिल करना एवं उनके कार्यक्रमों में पूर्ण सहयोग करना; समाज की अन्य संस्थाओं को साथ लेने का प्रयास जारी रखना, अपने कार्यक्रमों में उन्हें शामिल करना।

ESTD. 1935 Telephone : +91-33-40044089 Website: www.marwarisammelan.com E-mail: aimf1935@gmail.com

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
ALL INDIA MARWARI FEDERATION

(Regd. under W.B. Societies Act XXVI of 1961)
४बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला), ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०० ०१७
4B, Duckback House (4th Floor), 41, Shakespeare Sarani, Kolkata - 700 017

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

- 1935 में अखिल भारतीय स्तर पर स्थापित प्रवासी मारवाड़ियों की एकमात्र प्रतिनिधि संस्था।
- सदस्यता - राजस्थान, हरियाणा, मालवा एवं उनके निकटवर्ती भू-भागों के रहन-सहन, भाषा एवं संस्कृति वाले सभी व्यक्ति जो स्वयं अथवा उनके पूर्वज देश या विदेश के किसी भाग में बसे हों - सम्मेलन के सदस्य हो सकते हैं।
- ब्रिटिश शासन द्वारा प्रवासी मारवाड़ियों को मतदान के अधिकार से वंचित किये जाने पर हुई थी संस्था की स्थापना।
- इसके खिलाफ हुए आन्दोलन से प्रवासी मारवाड़ियों को मिला था मतदान का अधिकार।
- बाद में सम्मेलन ने सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ शुरू किया आन्दोलन।
- दहेज प्रथा, घूँघट प्रथा का किया विरोध, विधवा विवाह, लड़कियों की उच्च शिक्षा के पक्ष में सामाजिक चेतना जगाई।
- खत्म हुई घूँघट प्रथा, होने लगे विधवा विवाह, लड़कियों को दी जाने लगी उच्च शिक्षा तथा दहेज प्रथा पर लगा अंकुश।
- समय परिवर्तन के साथ समाज में पनपी नई बुराईयों एवं कुरीतियों के खिलाफ शुरू की वैचारिक लड़ाई।
- समाज की सामाजिक सुरक्षा के तहत पूर्वोत्तर, ओडिशा सहित अन्य जगहों पर संगठित होकर किया आंदोलन, पाई सफलता।

वर्तमान कार्य एवं उद्देश्य

- समाज का सर्वांगीण विकास करना।
- बिना धार्मिक या जातिगत भेदभाव के अभावग्रस्त एवं पिछड़े वर्ग के लोगों के आर्थिक, शैक्षणिक, बौद्धिक, सांस्कृतिक व सामाजिक विकास हेतु प्रयत्न।
- उच्च शिक्षा के लिये समाज के बच्चों को आर्थिक अनुदान (संचित धन के ब्याज से)।
- सामाजिक रूढ़ियों एवं कुरीतियों के उन्मूलन के तहत विवाह-समारोह में मद्यपान, बारात में परिवार की महिलाओं द्वारा सड़कों पर नृत्य, बढ़ते तलाक, घटता बुजुर्गों का सम्मान, टूटते परिवार, दिखावा व आडम्बर, महँगे शादी कार्ड, फिजूलखर्ची जैसी अनेक सामाजिक बुराईयों एवं ज्वलन्त समस्याओं पर विचार-गोष्ठियों के माध्यम से समाज में जागृति लाने का प्रयास।
- समाज में राजनैतिक चेतना जागृत करने हेतु कार्यकर्ता सम्मेलन, गोष्ठियों का आयोजन।
- आपसी विवादों के निपटारे के लिये पंचायतें बनाना।
- कोलकाता में मारवाड़ी सम्मेलन भवन का निर्माण प्रस्तावित।
- सामाजिक एकजुटता के तहत समाज की सभी संस्थाओं को एक मंच पर लाने का प्रयास।
- समाज के शिक्षित बच्चों को नौकरी दिलाने के लिए इम्प्लायमेन्ट डाटा बैंक।
- समाज के बच्चों के विवाह सुनिश्चित करवाने के लिए वैवाहिक डाटा बैंक।
- मारवाड़ी भाषा, साहित्य व संस्कृति के विकास, प्रचार-प्रसार हेतु बहुविध प्रयास।
- होली-दिवाली, सम्मेलन स्थापना दिवस पर समागेह आयोजित कर आपसी मेल-मिलाप को बढ़ाना।
- पूरे देश में १४ राज्यों (पश्चिम बंग, बिहार, ओडिशा, पूर्वोत्तर, दिल्ली, महाराष्ट्र, झारखण्ड, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, आन्ध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु, कर्नाटक एवं इन राज्यों की करीब 300 शाखाओं के माध्यम से समाज-सुधार एवं सेवाकार्य।
- सम्मेलन के मासिक मुखपत्र समाज विकास का प्रकाशन (सभी सदस्यों को नि:शुल्क वितरित)।
- बच्चों में संस्कार-संस्कृति-चेतना जागृति हेतु गोष्ठियाँ।
- प्रान्तों द्वारा शिक्षा कोष के माध्यम से समाज के बच्चों की आर्थिक सहायता।
- समाजसेवा, मारवाड़ी भाषा के विकास व प्रचार-प्रसार में योगदान देने वाले साहित्यकारों तथा मारवाड़ी व्यक्तित्व का सम्मान।
- संगठित समाज, सशक्त आवाज के तहत प्रत्येक मारवाड़ी घर से कम से कम एक सदस्य बनाने की दिशा में प्रयास।
- समाज के लोगों को मतदान करने तथा राजनीति में सक्रिय बनाने के लिए जागरूकता एवं प्रोत्साहन।
- प्रान्तों व शाखाओं द्वारा समाज के मेधावी बच्चों का सम्मान।
- प्राकृतिक आपदा में बचाव एवं राहत।
- सामाजिक सुरक्षा के तहत समाज की आवाज को केन्द्र एवं राज्य सरकारों के साथ-साथ प्रशासनिक हलकों तक पहुँचाना।
- अन्य ऐसे कार्य, जो समाज व देश की उन्नति तथा प्रगति में सहायक हो।

पंजीकृत कार्यालय : १५२ बी (दूसरा तल्ला), महात्मा गांधी रोड, कोलकाता - ७०० ००७

उद्‌गार

सम्मेलन के प्राण-पुरुष स्व. ईश्वरदास जालान

धन और सम्पत्ति को गरीबों के उत्थान में लगा सकें, और देश की आर्थिक समस्याओं को सुलझाने में सहायक बन सकें, तो यह समाज न केवल जनता का आदर और सम्मान ही प्राप्त कर सकता है, बल्कि देश का नेतृत्व ग्रहण कर सकता है। भामाशाह ने यदि राणाप्रताप को उनकी विपत्तियों में सहायता नहीं पहुँचाई होती, तो भामाशाह का नाम आज कौन याद करता। हजारों ही अमीर आये और चले गये, किन्तु भामाशाह को हम आज भी याद करते हैं।... मारवाड़ी समाज आज भारत के जिस अंचल में है, उसका अपना बनकर उसे अपना बनाये, यही उसका परम पुरुषार्थ है।

सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष

स्व. रायबहादुर
रामदेव चोखानी
१९३५-१९३८

अभी तक समाज की विभिन्न शाखाओं का जो संगठन हुआ है, श्रृंखलित न होने के कारण उसके द्वारा हम देश के सार्वजनिक जीवन पर प्रभाव डालने में तथा उसके सभी क्षेत्रों में अन्यान्य समाजों के साथ अपनी सत्ता स्थापित करने में समर्थ नहीं हुए हैं। इस प्रकार के संगठन की आवश्यकता जो हम इस समय विशेष रूप से अनुभव कर रहे हैं इसका कारण है देश की स्थिति में परिवर्तन। आज समाज के वृद्ध एवं युवक दल में, सनातनी और सुधारक में जो इतना पार्थक्य दीख रहा है और दोनों एक दूसरे को कोसों दूर समझते हैं, उसका कारण भ्रम ही है। यह भ्रम दोनों का ही एक समान शत्रु है।

स्व. पद्‌मपत
सिंघानिया
१९३८-१९४०

समाज के सुधार की समस्या वर्षों से हमारे सामने है और हम उस पर विचार कर रहे हैं। किन्तु यह विषय इतना विवादास्पद है कि हमने आपस में कहीं तर्क-वितर्क किया भी है, पर खास ध्यान आकर्षित करना उचित नहीं प्रतीत होता। मैं उसे भविष्य के लिए छोड़ देता हूँ किन्तु यह चेतावनी दे देना भी जरूरी समझता हूँ कि हम चाहें अथवा नहीं, सामाजिक समस्या का निकट भविष्य में सामना करना ही पड़ेगा। आज नहीं तो कल हमको एकत्र होकर अपने समाज के सम्पूर्ण संगठन की योजना और सामाजिक पहेलियों का निदान करना ही पड़ेगा।

सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष

स्व. बद्रीदास
गोयनका
१९४०-१९४१

मारवाड़ी समाज के लिए व्यापारिक शिक्षा का प्रश्न सबसे अधिक महत्व का है। समाज के नवयुवक आधुनिक व्यापार की जरूरतों के माफिक शिक्षा प्राप्त कर सकें, उसके लिए व्यावहारिक और किताबी दोनों प्रकार की व्यापारिक शिक्षा की अत्यंत आवश्यकता है जिसको प्राप्त कर हमारे नवयुवक अपने जीवन में योग्य साबित हो सकें। खेद है कि अब तक इस विषय में कोई उल्लेखनीय कार्य नहीं किया गया है और अभी तक इस विषय का अभाव उसी तरह बना हुआ है जितना दस वर्ष पहले था।

स्व. रामदेव
पोद्दार
१९४१-१९४३

हमारे समाज में गमी, ब्याह और छोटे-छोटे प्रसंगों में धन का अपव्यय करने की कुप्रथा है। इससे सभी भाइयों को कष्ट तथा धन-ह्रास और समय नष्ट होता है। अब युग-परिवर्तन हो गया है। इससे हमारी आर्थिक स्थिति पर गहरा असर पड़ता है, इसलिए इन अवसरों पर फिजूलखर्च नहीं करना चाहिए। जनता का ध्यान इधर जा रहा है और आशा है कि यह कुप्रथा भी शीघ्र ही दूर हो जाएगी।

स्व. रामगोपाल
जी मोहता
१९४३-१९४७

आज पूँजीपतियों के द्वारा जो शोषण का सिलसिला जारी है उसके विरुद्ध मानो भगवान ने जो गीता में कहा है उसी प्रतिज्ञा की पूर्ति के लिए समाजवाद और साम्यवाद प्रकट हो रहे हैं। हमको अपना रवैया बदलना होगा, अपनी योग्यता को कर्त्तव्य कर्मो के द्वारा लोक सेवा में लगाना होगा। सबके सहयोग से प्राप्त किये हुए धन को विश्व की सम्पत्ति समझना होगा, तभी सब सुख-शान्तिपूर्वक जीवित रह सकेंगे।

सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष

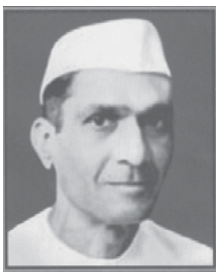

स्व. बृजलाल बियाणी
१९४७-१९५४

मारवाड़ी सम्मेलन आज तक सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में कुछ अंश तक अलिप्त रहता आया है, पर अब समय आ गया है कि हमारा यह सम्मेलन अपनी इस अलिप्तता या अपेक्षा को त्याग कर सामाजिक सुधार के काम में तत्परता से लग जाए। इस सम्मेलन का सम्भवत: यह एक प्रधान कार्य भी हो। यदि हम समाज के सामाजिक रूप को समय के अनुरूप बना दें तो काफी सहूलियतें हो सकती हैं।

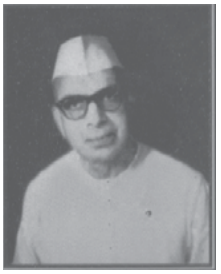

स्व. सेठ गोविन्द-दास मालपानी
१९५४-१९६२

ऐसा लगता है कि आज प्रत्येक व्यक्ति धन के पीछे दीवाना हो गया है और इस प्रयास में है कि कैसे जल्दी धनी बना जाय। कुछ लोगों ने इसका तरीका निकाला है -- विवाह में मोटा दहेज लेना। प्रत्येक व्यक्ति अपनी पुत्री का विवाह धनसम्पन्न परिवार में करना चाहता है। मैं समझता हूँ कि "टका धर्म" के कारण ही दहेज-प्रथा आज उग्र रूप धारण कर रही है। यदि हम इसे हटाना चाहते हैं तो हमें "टका धर्म" को अलविदा कर देना है।

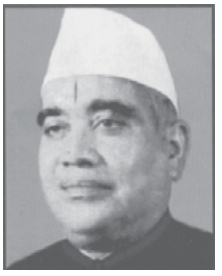

स्व. गजाधर सोमानी
१९६२-१९६६

विवाहों में आज भी हम अपने वैभव का इतना प्रदर्शन करते हैं कि दूसरों की दृष्टि में हम खटकने लगते हैं। ..... पर्दाप्रथा से महिला समाज को छुटकारा दिलाने में सम्मेलन ने बहुत बड़ा काम किया है और अब सामाजिक चेतना का इसमें संचार करना समाज के लिए आवश्यक हो गया है। .... दहेज की बढ़ती हुई बीमारी क्षय रोग की तरह हमारे गृहस्थ जीवन का विनाश कर रही है और महिलाओं की प्रतिष्ठा के तो यह सर्वथा प्रतिकूल है।

सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष

स्व. रामेश्वरलाल टांटिया
१९६६-१९७४

हमारे समाज में अपव्यय और धन के प्रदर्शन की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है, जो न तो स्वस्थ है और न ही वांछनीय। मितव्ययिता और सादगी हमारे पूर्वजों का मुख्य गुण रहा है और इसी के बल पर हम विभिन्न अंचलों में प्रगति कर सके। इन अनर्गल प्रदर्शनों के कारण स्थानीय लोगों में हमारे प्रति रोष और द्वेष की भावना बढ़ती जा रही है। यदि समय रहते हम नहीं चेते तो इसकी भयंकर प्रतिक्रिया होगी।

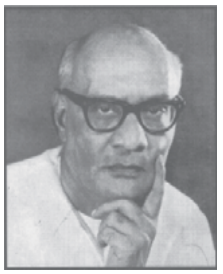

स्व. भंवरमल सिंघी
१९७४-१९७६
एवं १९७६-७९

वास्तव में मारवाड़ी समाज ने व्यवसाय एवं संपत्ति संग्रह को ही सम्पूर्ण लक्ष्य बनाकर अपने जीवन को जिस तरह ढ़ाल लिया, उससे वह अपने मूल राजस्थानी स्वरूप से विलग हो गया। अब तो राजस्थान में रहनेवाले लोग भी और बाहर जाकर शिक्षा, विज्ञान और संस्कृति आदि क्षेत्रों में काम करने वाले राजस्थानी विद्वान और विचारक भी अपने को मारवाड़ियों में शामिल करने या इस रूप में ही परिचय कराये जाने में संकोच का अनुभव करते हैं। इसलिये आज अधिकांश लोगों की नजरों में मारवाड़ी जाति राजस्थानी नहीं व्यावसायी जाति के रूप में ही परिचित होती है।

स्व. मेजर रामप्रसाद पोद्दार
१९७९-१९८२

भारतीय परम्परा त्याग, बलिदान, सेवा एवं प्रेम पर आधारित रही है। हमने इतिहास में उन लोगों की पूजा की है जिन्होंने अपने स्वार्थ को परहित के सामने गौण समझा है। हमारे पूर्वजों की इस धरोहर को अक्षुण्ण रखते हुए सर्वांगीण विकास करना है। कोई चीज पुरानी होने से ही त्याज्य नहीं हो जाती बल्कि उसका सही मूल्यांकन कर हमें एक स्वस्थ समाज की रचना करती है। लेकिन जिन मूल्यों एवं मानदण्ड के आधार पर आज हमने प्रगति की और अपनी एक विशिष्ट पहचान पायी है उनमें इधर कुछ कमी आयी है। इसका असर पूरे समाज पर पड़ा है।

सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष

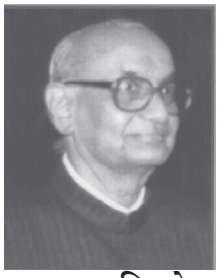

स्व. नन्दकिशोर जालान
१९८२-१९८६, ९३-९७ एवं ९७-२००१

उच्च शिक्षित, विवाहित युवकों द्वारा किसी भी बहाने पत्नी को छोड़ने की समस्या, तलाकशुदा स्त्रियों एवं विधवाओं से विवाह के प्रति युवक-मानस की कुंठा, विगत धंधों से निष्कासित हजारों परिवारों के लिए नये व्यवसाय की खोज, धार्मिक अंधविश्वास में आज भी लाखों रूपयों को स्वाहा होने से रोकना एवं देश की विभिन्न नीतियों में आ रहे परिवर्तन के प्रति आवश्यक सजगता व संवेदना की कमी, सुरसा के मुंह की तरह बढ़ रहे दहेज व प्रदर्शन की क्षुधा जिसमें युवक समुदाय की शै कम होने के बदले बढ़ती लगती है, आदि अनेक ऐसे प्रश्न हैं जिससे समाज को जुझना है। और इस कार्य के लिए सम्मेलन जैसी संस्था की उपयोगिता और आवश्यकता स्वयं उद्घोषित है।

श्री हरिशंकर सिंघानिया
१९८६-१९८९

सम्मेलन के मंच से बराबर सामाजिक कुरीतियों एवं रूढ़ियों के विरुद्ध प्रस्ताव पास किये जाते रहे हैं, लेकिन समस्याएँ कहीं कम हुई हैं तो कहीं और बढ़ गई हैं। फिजूलखर्ची और दहेज की समस्या विवाह-संस्कार आदि के कार्यक्रमों में दानवी रूप लेती जा रही है। हमें स्वयं आत्म-चिन्तन करके इन सामाजिक कुरीतियों को दूर करना चाहिए एवं अन्य समाजों के समक्ष उदाहरण रखना चाहिए, तभी निम्न और मध्यवर्ग का मारवाड़ी भाई अपनी प्रतिष्ठा बचा सकेगा।

स्व. रामकृष्ण सरावगी
१९८९-१९८९

जो सामाजिक संस्थाएँ सुधार आन्दोलनों की आवश्यकता नहीं समझतीं, वे संस्थायें कभी भी जीवित नहीं रह सकतीं और जो कार्यकर्त्ता सामाजिक सुधारों को अपने जीवन में नहीं उतार सकते, वे न तो समाज को नेतृत्व दे सकते हैं और न उनके प्रति श्रद्धा और आदर हो सकता है। कथनी और करनी का अन्तर मिटाने का कार्य कार्यकर्त्ता को स्वयं से शुरु करना पड़ता है और तब समाज उसके उदाहरण से सीख लेता है। यह सही है कि सामाजिक कार्यकर्त्ता बनना निस्संदेह बड़ा कठिन है।

सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष

स्व. हनुमान
प्रसाद सरावगी
१९८९-१९९३

किसी भी समाज की मातृभाषा का प्रश्न उसकी अस्मिता से जुड़ा होता है। राजस्थानी भाषा के अस्तित्व की रक्षा के लिए यह आवश्यक है कि हम प्रत्येक स्तर से उसे प्रोत्साहन दें। मेरा तात्पर्य मात्र धन की मदद से नहीं, बल्कि अपने घरों में, हमभाषी लोगों के साथ अपनी भाषा के प्रयोग से भी है।... सम्मेलन वर्तमान में विषम परिस्थितियों से जूझ रहा है। इसे पुर्नप्रतिष्ठित करने के लिए सबसे आवश्यक है संगठन की सुदृढ़ता। प्रत्येक प्रांत, प्रमंडल, जिला और गाँव-गाँव को सम्मेलन से जोड़ना हमारी पहली प्राथमिकता है।

श्री मोहनलाल
तुलस्यान
२००१-०४ एवं
२००४-०६

देश में ही नहीं, विदेशों में भी हमारे समाज की विशिष्ट पहचान पीछे है हमारे पूर्वजों की अथक परिश्रम एवं दूरगामी सोच। समय के साथ समाज ने बाल-विवाह, पर्दा-प्रथा, महिलाओं की अशिक्षा, दहेज प्रथा आदि कई कुरीतियों को पीछे छोड़ दिया है। कल तक चहारदीवारी में कैद औरत आज व्यापार, कला, संस्कृति, साहित्य, समाजसेवा, खेलकूद, राष्ट्रविकास तथा अन्य कई क्षेत्रों में अपना उल्लेखनीय योगदान और हमारी भावी पीढ़ी को सुसंस्कृत करने का भी काम कर रही है।

श्री सीताराम
शर्मा
२००६-२००८

भारत का गणतंत्र एक बड़ी उपलब्धि है। हमने गणतंत्र को बचाकर रखा यह संतोष का विषय है किन्तु हम इसे गर्व का विषय नहीं बना पाये हैं। आज देश निराशा के दौर से गुजर रहा है। जनता की राजनीति और राजनेताओं में आस्था घटी है। यह चिंतनीय विषय है क्योंकि हमारे पास गणतंत्र का कोई विकल्प नहीं है और राजनीतिक दल एवं राजनेता गणतंत्र के महत्वपूर्ण अंग हैं।... राजनैतिक चेतना समय की माँग एवं हमारा कर्त्तव्य दोनों है। यह अनिवार्य है कि हम गणतांत्रिक प्रणाली का स्वयं भी हिस्सा बनें एवं अपने साथवालों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष

श्री नंदलाल रूँगटा
२००८-२०१०

आर्थिक वैश्वीकरण एवं प्रतिस्पर्द्धा के वर्त्तमान युग में समाज को नयी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। विश्व एक छोटे से गाँव का रूप ले रहा है। ज्ञान एवं विज्ञान का महत्व आज प्रत्येक क्षेत्र में सर्वोपरि है। मारवाड़ी समाज को उच्चतम तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर अपनी सर्वश्रेष्ठता को कायम रखना है। समाज ने व्यापार-उद्योग के अलावा शिक्षा, साहित्य, संस्कृति, कला, खेल, ज्ञान-विज्ञान सभी क्षेत्रों में नयी उपलब्धियाँ हासिल कर समाज की नयी तस्वीर को उजागर किया है। ...उच्च शिक्षा, देशी अथवा विदेशी महंगी होती जा रही है। मारवाड़ी सम्मेलन ने इस क्षेत्र में पहल की है जिससे कोई भी मेधावी एवं जरूरतमंद छात्र-छात्रा अर्थाभाव में उच्च शिक्षा से वंचित नहीं रह सके।

डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया
२०१०-२०१३

पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव से युवा वर्ग की सोच कि 'मुझे क्या लेना-देना?' या 'मुझे इससे क्या लाभ?' में बदलाव आवश्यक है। मारवाड़ी समाज के नवसृजन एवं विकासोन्मुखी कार्यक्रमों में युवाशक्ति को और अधिक दायित्व लेना जरूरी है। अवांछित एवं अस्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा के कारण न केवल फिजूलखर्ची को बढ़ावा मिल रहा है अपितु आडम्बर एवं मिथ्या-प्रदर्शन से हमारा समाज इतर समाजों की आलोचना का हास्यास्पद पात्र बन गया है। देश की प्रगति के लिये हमें राजनीति में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए। अपने अधिकारों का उचित प्रयोग करते हुए सही नेता का चयन करना चाहिए।

श्री रामअवतार पोद्दार
२०१३-२०१६

सम्मेलन प्रांतों में बसता है। सम्मेलन के संगठन को अपेक्षित विस्तार देने के लिए आवश्यक है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पदाधिकारी प्रांतीय मुख्यालयों के साथ-साथ, नगर-ग्राम, शाखाओं तक का यथासम्भव दौरा करें, हर स्तर पर विचारों का परस्पर आदान-प्रदान हो, स्थानीय स्तर पर समाज की समस्याओं के विषय में जानकारी हो, और समाज के जन-जन को सम्मेलन के साथ जोड़ने का हर प्रयत्न हो। यह सम्मेलन के संगठन-विस्तार, सिद्धांतों एवं विचारों के प्रसार तथा हमारी उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए रामबाण सिद्ध होगा। हमारे कार्यक्रमों की सफलता के लिए महिला एवं युवा अनिवार्य कड़ियाँ हैं। इनकी सहभागिता से ही हमें अपने कार्यक्रमों को गति दे पायेंगे और इच्छित परिणाम प्राप्त कर सकेंगे। सम्मेलन के कार्यक्रमों में इनकी सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है और इसके लिए प्रयत्न करना हमारा कर्त्तव्य।

सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष

श्री प्रह्लाद राय अगरवाला
२०१६-२०१८

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि हमारी युवा पीढ़ी अत्यंत मेधावी एवं परिश्रमी हैं और अपने पारम्परिक उद्योग-व्यापार से आगे बढ़कर शिक्षा, प्रतियोगिता परीक्षाओं, खेल, मनोरंजन सहित हरेक क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों से समाज का मान बढ़ा रही है। तथापि, संस्कारों का ह्रास, बुजुर्गों का घटता सम्मान, फिजूलखर्ची-आडम्बर, दाम्पत्य संबंधों में असहिष्णुता, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति, राजनैतिक सक्रियता एवं चेतना की कमी जैसे विषयों पर हमारे युवक-युवतियों, तरुण-तरुणियों को सचेत रहने की आवश्यकता है। सामाजिक संगठन की अनिवार्यता को भी समझना है क्योंकि संगठित समाज की आवाज ही सशक्त हो सकती है।

With Best Compliments From :

Mamta Binani & Associates
Company Secretaries
Kolkata | Pune | Chennai

Website: http://mamtabinaniandassociates.com; **Mail id:** mamtabinaniandassociates@gmail.com

Contact us at: 9831099551 [*Dr.(h.c) CS Mamta Binani*]; 9830666536 (CS Rohit Sharma); 9674518556 (Madhuri Pandey)

Office hours:
Monday to Friday - 9:30 AM to 7:00 PM
Saturday - 9:30 AM to 4:00 PM

Our Core Areas

- Corporate Laws services
- Insolvency & Bankruptcy Law related Services
- Corporate Restructuring (M & A)
- NBFC Advisory & FEMA Compliances
- Legal Drafting & Vetting
- SEBI & Listing Compliances

Partners: Dr. (h.c) CS Mamta Binani (Senior Partner), CS Sriram Gururajan, CS Shikha Rai, CS Arundhuthi Bose, CS Rohit Sharma, CS Madhuri Pandey

Declaration: *I, Mamta Binani, Senior Partner at Mamta Binani & Associates, declare that the contents of the advertisement are true to the best of my knowledge and belief and are in conformity with the Guidelines.*

Disclaimer: *The contents or claims in the Advertisement issued by the advertiser are the sole and exclusive responsibility of the Advertiser. The Institute of Company Secretaries of India does not own any responsibility whatsoever for such contents or claims by the Advertiser.*

पुरस्कार चयन उपसमिति

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की पुरस्कार चयन उपसमिति की बैठक समिति के चेयरमैन श्री रतन लाल शाह की अध्यक्षता में सम्मेलन के केन्द्रीय सभागार में हुई। बैठक में उपसमिति के संयोजक श्री संजय हरलालका, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा, श्री आत्माराम सोन्थलिया, श्री शिव कुमार लोहिया एवं श्री अरूण प्रकाश मल्लावत उपस्थित थे। इस बैठक में सीताराम रुँगटा राजस्थानी भाषा-साहित्य सम्मान, केदारनाथ भागीरथीदेवी कानोड़िया राजस्थानी भाषा बाल-साहित्य सम्मान तथा भंवरमल सिंघी समाजसेवी सम्मान के लिए प्राप्त अनुशंसाओं पर गहन विचार-विमर्श हुआ। श्री रतन शाह ने कहा कि जितनी संख्या में नाम आने चाहिए थे, उतने नहीं आ रहे हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि इसके लिए हमें पुरस्कार प्रदान करने के ६ माह पहले ही राजस्थान के अखबारों में प्रकाशनार्थ विज्ञप्ति भेजनी होगी ताकि अधिक से अधिक नाम आयें और उनमें से सटीक नाम का चयन किया जा सके।

श्री सीताराम शर्मा ने सुझाव दिया कि ये पुरस्कार सम्मेलन के स्थापना दिवस की बजाय अलग से कार्यक्रम कर दिये जाएँ ताकि साहित्यकारों को यथोचित तरीके से सम्मान मिले।

आये हुए सुझावों को मान लिया गया। इसके साथ ही सीताराम रुँगटा राजस्थानी भाषा-साहित्य सम्मान के लिए बीकानेर (राजस्थान) निवासी श्री रवि पुरोहित, केदारनाथ भागीरथीदेवी कानोड़िया राजस्थानी भाषा बाल-साहित्य सम्मान के लिए जयपुर (राजस्थान) के श्री मानसिंह शेखावत 'मरूधर' तथा भंवरमल सिंघी समाजसेवा सम्मान के लिए कोलकाता निवासी डॉ. (श्रीमती) शारदादेवी फतेहपुरिया के नाम का चयन हुआ। श्री नन्दलाल रुँगटा ने, अनुपस्थिति के बावजूद, बैठक के पूर्व ही, आये हुए नामों में श्रीमती फतेहपुरिया को भंवरमल सिंघी समाजसेवा सम्मान प्रदान करने पर अपनी सहमति प्रदान कर दी थी।

इसके साथ ही बैठक में यह भी निश्चित हुआ कि जनवरी २०१९ में कार्यक्रम की तारीख निश्चित कर इन पुरस्कारों को प्रदान किया जायेगा।

अंत में संयोजक श्री संजय हरलालका ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

संस्कार-संस्कृति चेतना उपसमिति

शुक्रवार, २३ नवम्बर २०१८ को संस्कार संस्कृति चेतना उपसमिति की बैठक उपसमिति के चैयरमैन श्री शिव कुमार लोहिया की अध्यक्षता में सम्पन्न हुइ। बैठक में संयोजक श्री नंदलाल सिंहानिया, श्री ओमप्रकाश अग्रवाल, श्री रवि लोहिया, श्री अमित मूँधड़ा एवं श्री संदीप सेक्सरिया ने भाग लिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्री गोपाल झुनझुनवाला की विशेष रूप से बैठक में उपस्थित थे।

अध्यक्ष श्री लोहिया ने विषय पर जानकारी देते हुए सदस्यों के सामने कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। विस्तारित चर्चा के पश्चात निर्णय लिया गया कि प्रत्येक माह कम से कम एक कार्यक्रम विद्यालयों मे आयोजित किया जाये। इस संबंध में विद्यालयों से सम्पर्क करने का भार श्री नंदलाल सिंहानिया, श्री रवि लोहिया एवं श्री ओमप्रकाश अग्रवाला को दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत संभवतः दिसम्बर महिने से करने के आवश्यक प्रयास किये जायेंगे। सभी प्रांतों में भी इस कार्यक्रम के प्रारम्भ करने के लिए प्रांतीय अध्यक्षों को कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देने का भार चैयरमैन श्री शिव कुमार लोहिया को सौंपा गया।

वर्ष में एक बार सभी विद्यालयों का सम्मिलित कार्यक्रम किसी प्रेक्षागृह में बड़े रूप में आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया।

सेमिनार उपसमिति

बुधवार, २८ नवम्बर २०१८ को सेमिनार उपसमिति की बैठक सम्मेलन हाल में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता चैयरमैन श्री शिव कुमार लोहिया ने की। बैठक में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री विवेक गुप्त, संयोजक श्री दिनेश जैन, कोषाध्यक्ष श्री कैलाशपति तोदी, श्री अरुण प्रकाश मल्लावत, श्री चन्द्रशेखर सारडा, श्री विष्णु तुलस्यान, श्री नन्दलाल सिंहानिया एवं डॉ. सुरेश कुमार अग्रवाल ने भाग लिया।

श्री लोहिया ने सदस्यों को सूचित किया कि १ दिसम्बर १८ का एक सेमिनार आयोजित किया गया है। विषय है 'उद्यमशीलता' एवं श्री बनवारी लाल मित्तल एवं श्री दीपक जालान ने संगोष्ठी में अपना वक्तव्य रखने की स्वीकृति प्रदान की है। सदस्यों ने इस सूचना पर हर्ष प्रकट किया। सदस्यों मे आम सहमति बनी कि प्रत्येक माह कम से कम एक संगोष्ठी आयोजित किये जाय। श्री विवेक गुप्त ने सुझाव दिया कि युवाओं को ध्यान में रखकर कुछ कार्यक्रम किये जायें। संगोष्ठी के लिए १) स्वास्थ, २) खेलकूद मे कैरियर, ३) उच्चस्तरीय प्रतियोगिता परीक्षाओं से प्रश्नोत्तर, ४) बालव्यासजी द्वारा ज्वलंत मुद्दों पर वक्तव्य, ५) संस्कार एवं संस्कृति की आवश्यकता, आदि विषयों का सुझाव मिला।

श्री विवेक गुप्त ने सुझाव दिया कि युवाओं के लिये कार्यक्रम विभिन्न जिलों में भी आयोजित किये जाने चाहिए। इस संबंध में विभिन्न जिलों में सम्पर्क स्थापित करने का भार श्री दिनेश जैन को सौंपा गया।

विचार-विमर्श के उपरांत शनिवार ५ जनवरी २०१८ को 'पारिवारिक व्यवसाय' पर एक संगोष्ठी आयोजित करने का निर्णय लिया गया। श्री राजेश जैन एवं श्री कुंजबिहारी अग्रवाल को वक्ता के रूप आमन्त्रित करने का भी निर्णय लिया गया।

Comprehensive and Exclusive

Business Economics

... Truly reflecting global aspirations!

Subscribe

100% Bargain

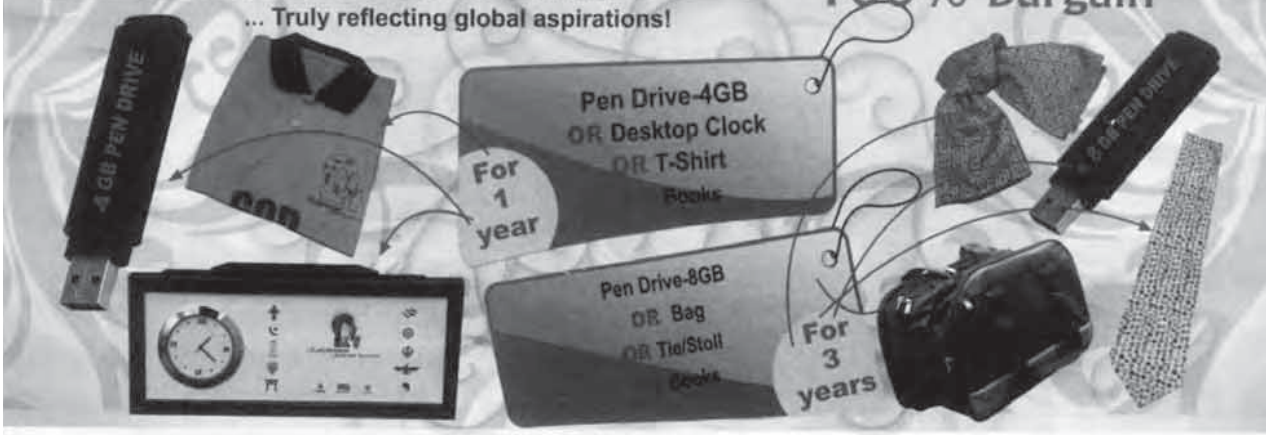

Subscribe Business Economics :

Subscribers may send choice of books valued equal to subscription

Tick	Term	No. of Issues	Price you pay	Gift Value	Saving	US $	UK £	Gift Option
☐	3 Years	72	1440/-	1440/-	1440/-	216	144	☐8GB Pen Drive OR ☐ Bag OR ☐ Tie/Stoll OR ☐ Books
☐	1 Year	24	480/-	480/-	480/-	72	48	☐ 4GB Pen Drive OR ☐ Desktop Clock OR ☐ T-Shirt OR ☐ Books
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ Exclusively for Students/Institutions
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ EXCLUSIVELY FOR SENIOR CITIZENS

For 1 year Book of choice upto ₹ 480 | **For 3 years Books of choice upto ₹ 1440**

Business Economics — Subscription Form

Name : Mr./Ms. _____

Address : _____

_____ City/District : _____

State : _____ Country : _____ Pin Code : _____

E-mail : _____ Mobile : _____ Landline : _____ (STD CODE)

REMITTANCE DETAILS :

Enclosed Cheque / DD No. _____ dated: _____ for Rs. _____ drawn on: _____

In favour of **CONTEMPORARY NEWS PRIVATE LIMITED**

Signature: _____ date: _____

Mail this subscription form along with your Cheque / DD to : Pramod Kr. Singh, General Manager, **Business Economics**, 3, Middle Road, Hastings, Kolkata - 700 022, India
Ph : 033 - 2223 0335/0368, Mobile : 93395 19642, E-mail : subscriptions@businesseconomics.in

For Subscription enquiries contact : Kolkata : Shaonli Majumder : 033 2223-0368 • **Mumbai :** Rajendra Singh : 90290 84951
New Delhi : Lala P. Yadav : 98102 10095 • **Kohima :** Povotso Lohe : 94360 05889

Lucky DRAW

QUARTERLY LUCKY DRAW FOR THE SUBSCRIBERS :
1st Prize : INR 2000/- ● 2nd Prize : INR 1000/- ● 3rd Prize : INR 500/-

सम्मेलन के पुरस्कारों की घोषणा

● डॉ. शारदा फतेहपुरिया को समाज सेवा सम्मान

संक्षिप्त परिचय :

कोलकाता निवासी डॉ. (श्रीमती) शारदा फतेहपुरिया एक अन्तर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त मनोवैज्ञानिक हैं। अपने कोलकाता विश्वविद्यालय से मनोविज्ञान में एम.ए., पी.एच.डी. की उपाधि प्राप्त की है।

आपने १९७४ में मानसिक एवं अन्य रूप से दिव्यांग बच्चों के लिए 'मनोविज्ञान केन्द्र' नामक विद्यालय की स्थापना की जो इनके अथक परिश्रम एवं अध्यवसाय से आज एक उन्नत संस्थान का रूप ले चुका है।

डॉ. फतेहपुरिया बाल-मनोविज्ञान से सम्बंधित दर्जनों वैश्विक मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। आपको लेडीज स्टडी ग्रुप से 'प्रोफेशनल एण्ड कैरियर' सम्मान; कोलकाता रोटरी क्लब से 'महादेवलाल सरावगी मेमोरियल अवार्ड'; सामाजिक सेवा हेतु 'भारत निर्माण अवार्ड'; मामाशाह सेवा सम्मान–२००५; जी टीवी से 'जी अस्तित्व अवार्ड'; राजस्थान फाउंडेशन से 'पन्नाधाय सम्मान'; भारत के राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम से २००६ में राष्ट्रीय सम्मान; भारत की राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल से २००९ में राष्ट्रीय सेवा रत्न सम्मान; फिक्की लेडीज आर्गेनाइजेशन से अपराजिता अवार्ड सहित अनेक लब्धप्रतिष्ठ सम्मानों से नवाजा जा चुका है।

● रवि पुरोहित को राजस्थानी भाषा-साहित्य

संक्षिप्त परिचय :

श्री रवि पुरोहित का जन्म ०५ जून १९६८ को हुआ बीकानेर, राजस्थान निवासी था। आपने वाणिज्य स्नातक एवं हिन्दी तथा राजस्थानी साहित्य में स्नातकोत्तर डिग्रियाँ हासिल की हैं। आपने विभिन्न विषयों पर शोध भी किया है।

कहानी, कविता, व्यंग्य, निबंध, आलोचना, लघुकथा, फीचर आलेख आदि साहित्य की विभिन्न विद्याओं की श्री रवि पुरोहित ने श्रीवृद्धि की है। आकाशवाणी के कई केन्द्रों, दूरदर्शन तथा अन्य टी.वी. चैनलों से आपकी रचनाएँ प्रसारित हुई हैं। कई सम्पादित संकलनों में भी आपकी रचनाएँ संकलित हुई हैं।

पद्य-साहित्य में हासियो तोड़ता सबढ (कविता संग्रह), चमगूंजो (कविता संग्रह), तिरंगो (बाल कविता संग्रह), सेना के सूबेदार (कविता संग्रह), उतरूं ऊंडै काळजै (कविता संग्रह), आगे अभी शेष है (कविता संग्रह) आदि एवं गद्य-साहित्य में एक और घोंसला (कहानी संग्रह), सपने का सुख (व्यंग्य निबंध संग्रह), धुले-धुले चेहरे (कहानी संग्रह) आदि श्री रवि पुरोहित की प्रतिनिधि रचनाएँ हैं। आपने सम्पादन, प्रबंध सम्पादन एवं अनुवाद के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट योगदान किया है।

श्री रवि पुरोहित साहित्य अकादमी, दिल्ली से अनुवाद पुरस्कार, राजस्थान सरकार से उत्कृष्ट साहित्य-लेखन हेतु राज्यस्तरीय पुरस्कार, राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर से भगवान अटलानी युवा लेखन पुरस्कार सहित अनेक लब्धप्रतिष्ठ सम्मानों से नवाजे जा चुके हैं।

● मानसिंह शेखावत 'मरूधर' को राजस्थानी भाषा बाल-साहित्य सम्मान

संक्षिप्त परिचय :

श्री भानसिंह शेखावत 'मरूधर' का जन्म ५ मई १९४९ को रोरू बड़ी (लक्ष्मणगढ़), जिला - सीकर (राजस्थान) में हुआ था। आपने एम.ए., एल.एल.बी. की शिक्षा ग्रहण की है।

श्री 'मरूधर' ने विभिन्न विधाओं में लम्बे समय से सतत साहित्य-रचना की है। पद्य-साहित्य में हळदीघाटी रो गौरव (खंडकाव्य), सोनचिड़ी (कविता संग्रह), सूखो समदर (कविता संग्रह), भायल रा सोरठा (सोरठा संग्रह), कुण गावैलो गीत (काव्य संग्रह) आदि एवं गद्य–साहित्य में परख (लघुकथा संग्रह), अेक थाली आरतो (उपन्यास), बाण-कुबाण (लघुकथा संग्रह) आदि उनकी प्रतिनिधि कृतियाँ हैं। आपने गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर की नाट्यकृति 'पोस्ट-ऑफिस', का डाकखानो के नाम से राजस्थानी अनुवाद भी किया है। बाल-साहित्य में आप सिद्धहस्त हैं और इस विधा में उनकी कृतियाँ चर्चित एवं प्रभावशाली रही हैं।

वर्तमान में जयपुर, राजस्थान के निवासी श्री भानसिंह शेखावत 'मरूधर' विवेकानन्द पुरस्कार, केसरीसिंह बारहढ़ पुरस्कार सहित अनेक प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजे जा चुके हैं।

जिसको प्यारी है नहीं निज भाषा, निज देश
वह कुक्कर सा डोलता, धरे मनुज का वेश!

NO MATCH TO SANMARG IN WEST BENGAL

With Best Wishes from :

सन्मार्ग

The Oldest & Largest Hindi Daily with
ABC Membership in West Bengal

Circulation : 1,06,931 as per ABC (Jan-June-2018)

94% of Hindi Readers read Sanmarg

Sanmarg HINDI DAILY

JHARKHAND I BIHAR I ORISSA I BENGAL

KHABRE ANEK SACHAI EK

गुजरात सम्मेलन का मारवाड़ गौरव सम्मान समारोह

गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आमंत्रण पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने राष्ट्रीय पदाधिकारियों निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री दामोदर बिदावतका एवं राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री गोपाल अग्रवाल के साथ २७-२८ अक्तूबर २०१८ को गुजरात का दौरा किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोषजी सराफ की धर्मपत्नी आदरणीया प्रभाजी भी राष्ट्रीय पदाधिकारियों के इस गुजरात दौरे में साथ थीं।

सूरत हवाई अड्डे पर गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री जयप्रकाश अग्रवाल, महामंत्री श्री संदीप सिंघल, कोषाध्यक्ष श्री ताराचंद अग्रवाल एवं वरिष्ठ सदस्यों ने हार्दिक स्वागत किया। दोपहर चार बजे होटल कक्ष में केंद्रीय एवं प्रांतीय नेतृत्व में गुजरात प्रान्त में सम्मेलन को अधिक सक्रिय बनाने के लिए व्यापक विचार-विमर्श हुआ। सायंकाल ६.३० बजे से अग्रसेन भवन के सभागार में विचार-विमर्श सह भव्य सम्मान समारोह संपन्न हुआ जिसमे सम्मेलन के उद्देश्यों, उनकी सार्थकता एवं गुजरात प्रदेश को अधिक सक्रिय करने पर विचार-विमर्श हुआ एवं राष्ट्रीय पदाधिकारियों का सम्मान किया गया। राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ-साथ गुजरात सम्मेलन अध्यक्ष श्री जयप्रकाश अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्री गोकुल बजाज, श्री रामकिशोर जाजू, श्री घनश्याम शर्मा, महामंत्री श्री संदीप सिंघल, कोषाध्यक्ष श्री ताराचंद अग्रवाल, संयुक्त मंत्री नेमीचंद जांगिड़, श्री प्रदीप सिंघी, श्री बजरंगलाल अग्रवाल, श्री विनोद अग्रवाल, श्री नरेश अग्रवाल, श्री महावीर प्रसाद गाड़ोदिया सहित कई गणमान्य व्यक्ति एवं सदस्य उपस्थित थे। करवा चौथ के व्रत के बावजूद महिलाओं की संख्या अच्छी थी। प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन ने राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान हेतु समाज की विभूतियों को **"मारवाड़ गौरव सम्मान २०१८"** से राष्ट्रीय पदाधिकारियों के द्वारा सम्मानित करवाया। श्री प्रह्लादराय अग्रवाल (चिकित्सा सेवा), श्री बालकृष्ण राठी (गौ सेवा), श्री निर्मलेश आर्य (नेत्रदान), श्री रमेश मालपाणी (अंगदान), श्री गणपत भंसाली (पत्रकारिता एवं समाजसेवा), श्री मातादीन कावरा (रक्तदान), श्रीमती मिना मोदी (स्केटिंग डांस), डॉ. अनामिका तलेसरा (शिक्षा एवं मोटिवेशन), श्रीमती आस्था कनोडिया (गरीब बच्चों को शिक्षा), श्री विकास जैन (नशा मुक्ति) एवं श्री नीलेश सिंघवी (गरीब बच्चों को स्कूल ड्रेसें) को इस सम्मान से नवाजा गया। श्री निर्मलेश आर्य एवं श्री गणपत भंसाली ने बड़ी कुशलता से मंच संचालन किया। राष्ट्रीयगान के पश्चात् पहले दिन का कार्यक्रम संपन्न हुआ।

दूसरे दिन निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लादराय अगरवाला के आवास पर सम्पर्क-मिलन के पश्चात् होटल कक्ष में प्रांतीय पदाधिकारियों के साथ संगठन-विस्तार हेतु व्यापक चर्चा हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सूरत के उपस्थित बंधुओं द्वारा उठाये गए विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की एवं गुजरात में सम्मेलन को अधिक सक्रिय बनाने हेतु प्रयास करने की आवश्यकता पर बल दिया। दोपहर का भोजन प्रादेशिक अध्यक्ष श्री जयप्रकाश अग्रवाल के आवास पर हुआ और वहाँ पर भी गुजरात के बंधुओं के साथ व्यापक चर्चा हुई। सायंकाल ७ बजे सीकर नागरिक परिषद के आमंत्रण पर दीपावली मिलन समारोह में शिरकत की गयी। वहाँ समाज के बंधुओं से मिलने एवं विचार-विमर्श का अवसर मिला। चर्चा के क्रम में पता लगा कि सूरत में समाजबंधुओं के एक लाख से ज्यादा परिवार हैं एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के माध्यम से समाज एवं मानवता की सेवा पूरे लगन के साथ कर रहे हैं। अब आवश्यकता है सभी बंधुओं को सम्मेलन से जोड़ने की। गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पदाधिकारियों ने इसी वर्ष में सदस्यता संख्या में २०० प्रतिशत की वृद्धि एवं सूरत के अलावा अन्य जिलों में शाखाओं के विस्तार का आश्वासन दिया। इस दौरे के बाद यह आशा है कि गुजरात में सम्मेलन का विस्तार काफी तीव्र गति से होगा।

२९ अक्टूबर २०१८ को प्रातः ११.५० बजे सूरत से कोलकाता वापिस आने के क्रम में पुनः हवाई अड्डे पर प्रादेशिक अध्यक्ष श्री जयप्रकाशजी अग्रवाल एवं उनके साथियों ने राष्ट्रीय पदाधिकारियों को ससम्मान विदा किया।

Devotion is a dimension
that will allow you to sail
across even if you do not
know the way.

Sadhguru

isha
FOUNDATION

DINODIYA WELFARE TRUST

4A New Road, 1st Floor, Alipore
Kolkata : 700 027.

सम्मेलन के आयामों का वह एक बिन्दु था, लेकिन अन्तहीन महत्व का बिन्दु

महाकाल के अनंत प्रवाह में एक बिन्दु २५ दिसम्बर सन् १९३५ काल को ब्रह्म कहा गया है। ब्रह्म की भांति ही वह अनादि अनंत है। इस अनादि-अनंत के महाप्रवाह में एक बिन्दु की क्या हैसियत।

लेकिन हमारा जीवन भी तो इसी भांति है। हमारा ही क्या इस पृथ्वी के चर-अचर सभी का। फिर हमारे जीवन में कोई ऐसा क्षण-पल आता है, जो अपना दूरगामी प्रभाव छोड़ जाता है। इसीलिए उस क्षण-पल, उस बिन्दु की महत्ता है। २५ दिसम्बर १९३५ भी इसी कोटि में हैं। इसने व्यक्ति मात्र नहीं, मनुष्यों के बृहद् समाज पर अपनी अमिट छाया छोड़ी है, एक अहम् भूमिका निभाई है और भविष्य के लिए भी अपनी अनंत संभावनाएँ संजोये हुए है।

२५ दिसम्बर १९३५ ईस्वी समग्र मारवाड़ी समाज के लिए एक जीवनदायी प्रेरणास्रोत है, जब मारवाड़ी समाज के पुरोधा, चिन्तकों, मनीषियों और शुभचिन्तकों ने इस समाज को एक सूत्र में आबद्ध करने का संकल्प लिया। वह संकल्प था समग्र मारवाड़ी समाज का उसके जन्मसिद्ध अधिकारों की सुरक्षा के लिए एक राजनैतिक अभियान। तब इस देश की धरती पर स्वतंत्रता सूर्य का उदय नहीं हुआ था, न इसके आकाश में महाकाल का प्रतीक अशोक चक्रधारी तिरंगा फहराया था। यह धरती और आकाश सब ब्रिटिश साम्राज्य का एक अंग था। ब्रिटिश शासन तब विश्व के प्रायः तमाम भागों में अपना अस्तित्व कायम किये था, सूर्य उसके राज्य में अस्त नहीं होता था। भारत अंग्रेजों के उस विशाल साम्राज्य का एक सामान्य अंग था। यह शासन भारत और भारतवासियों के कल्याण के लिए नहीं, अंग्रेजी साम्राज्य के पोषण के लिए था, जिसमें उनका यूनियन जैक भारत के आकाश में फहराता रहे। वे भारत का दोहन कर ब्रिटिश साम्राज्य को पुष्ट कर रहे थे। विदेशी शासन के लिए यह जरूरी है कि वह भेद नीति को अपनाए। अंग्रेज इस नीति में कुशल थे। उन्होंने एक कानून पारित करना चाहा कि देशी रजवाड़ों की प्रजा को भारत की नागरिकता से वंचित कर दिया जाय। इसका दुष्परिणाम होता कि व्यापार-वाणिज्य के लिए देश के कोने-कोने में बसा मारवाड़ी समाज भारत की नागरिकता से वंचित हो जाता। अपने ही देश में वह परदेशी बन जाता। कारण यह था कि मारवाड़ी समाज राजस्थान की विभिन्न रियासतों का मूल निवासी था।

समाज के चिन्तकों, मनीषियों एवं भविष्य-दृष्टि-सम्पन्न समाज-सेवकों ने अंग्रेजों के इस षड़यंत्र को भांप लिया। इसका सामूहिक रूप से प्रतिवाद करने के लिए देश के कोने-कोने में बसे मारवाड़ी समाज को एक संगठन, एक मंच के तहत लाकर अपने हितों की रक्षा के हेतु संघर्ष करने के लिए एक सामाजिक संस्था का गठन किया। इसका नाम रखा गया - "अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन"। इस संस्था के प्रयासों से मारवाड़ी समाज अपनी मातृभूमि भारत देश का नागरिक बना रह गया। यह कोई मामूली उपलब्धि नहीं थी, लेकिन थी सीमित दायरे में अर्थात राजनैतिक सफलता।

स्व. ईश्वर दासजी जालान की जीवनी का महत्वपूर्ण अंश :-

"जब ब्रिटिश सरकार द्वारा नया विधान भारतवर्ष के लिए बनाया जा रहा था, उस समय ब्रिटिश सरकार ने एक 'ह्वाईट पेपर' प्रकाशित किया था, जिसमें नवीन विधान की रूप-रेखा दी गयी थी। उसमें ऐसा संकेत दिया गया था कि जो देशी राज्यों की प्रजा है, उन्हें ब्रिटिश राज्य की प्रजा के नागरिक अधिकार नहीं दिये जाएँगे। जब मैंने उसे पढ़ा तो मुझे यह आशंका हुई कि मारवाड़ी समाज के व्यक्ति, जो विभिन्न प्रदेशों में बसे हुए हैं, उन्हें देशी राज्यों की प्रजा मानकर यदि नागरिक अधिकार नहीं प्राप्त हुए तो वे देश भर में विदेशियों की तरह समझे जायेंगे। ऐसा होने से न तो उनको वोट का अधिकार होगा और न अन्य कोई नागरिक अधिकार। ऐसी अवस्था में मारवाड़ी समाज की अपार क्षति होगी। इस सम्बन्ध में मैंने स्व. कालीप्रसाद जी खेतान, स्व. बद्रीदासजी गोयनका और स्व. देवी प्रसादजी खेतान से भी बातें की। श्री घनश्यामदासजी बिड़ला ने इसके संबंध में लार्ड रीडिंग, जो भारत के वायसराय रह चुके थे, को पत्र लिखा और सर चार्ल्स टेगर्ट, जो किसी समय कलकत्ता के पुलिस कमिश्नर भी रह चुके थे और उस समय इंगलैंड में 'सेक्रेटरी आफ स्टेट फार इण्डिया इन कौंसिल' के सदस्य थे, को भी पत्र दिया। इसी बीच ब्रिटिश पार्लियामेन्ट ने एक कमेटी बनायी जिसमें नये संविधान के सम्बन्ध में लोगों से विचार-विमर्श किया जा रहा था। हम लोगों ने ऐसा विचार किया कि इस कमेटी के समक्ष अपनी ओर से भी किसी व्यक्ति को भेजना चाहिए। मारवाड़ी एसोसियेशन इस बात के लिए राजी नहीं हुआ क्योंकि वे लोग विलायत यात्रा के विरोधी थे। अंत में मैं और रामदेवजी चोखानी बम्बई गये और सर मन्नु भाई मेहता से, जो बीकानेर के दीवान थे, मिले और उनका ध्यान इस ओर आकृष्ट किया और कहा कि वे इस काम को अपने हाथों में लें। हम लोग पं. मदन मोहन मालवीय से भी मिले। कलकत्ता वापस आकर हमलोग सर एन. एम. सरकार जो उस समय के प्रसिद्ध बैरिस्टर थे और जो इस काम के लिए विलायत जाने वाले थे, से भी मिले और उनसे अनुरोध किया कि वे इस विषय को अपने हाथों में ले। सौभाग्यवश वे राजी हो गये।...उन्होंने विलायत जाकर भारत के सेक्रेटरी आफ स्टेट से बातें की और सेक्रेटरी महोदय इस आवश्यक सुधार के लिए राजी हो गये और आवश्यक संशोधन कराने का प्रस्ताव करते समय बोले और लिखा कि 'मारवाड़ी समाज की कठिनाइयों को दूर करने के लिए यह संशोधन किया जा रहा है'। ...केवल एक-दो राज्यों में कुछ असुविधाएँ हुई थी। उसे सुधारने के लिए सेठ जमनालाल बजाज के मारफत सम्मेलन ने कांग्रेस द्वारा प्रयत्न किया। कांग्रेस की वर्किंग कमेटी ने इसे स्वीकार किया और अन्त में सभी प्रदेशों में समान अधिकार प्राप्त हो गया।"

(समाज विकास जनवरी-फरवरी १९९५ अंक से)

Scaling New Heights of Perfection

BANK SURPASSES ₹3550 CRORE BUSINESS

OUR PROPOSED NEW CORPORATE OFFICE AT BANJARA HILLS, HYDERABAD

SALIENT FEATURES

- Bharat Bill Pay Service for online payment of Utility Bills.
- Internet Banking facility.
- IMPS – Merchant Payment Service – for online payment of Electricity, Telephone bills and booking flight, bus and hotel bookings.
- Direct RTGS / NEFT Facility.
- RuPay Debit Card facility – Access to more than two lakh ATMs of NFS Member Banks and merchant establishments in the Country.
- Point of Sale Services (PoS).
- Inward remittance facility from abroad through Western Union Money Transfer.
- e-Tax payment - Income Tax, Professional Tax & Excise.
- Bancassurance for Life Insurance and General Insurance solutions.
- Mutual Fund Business in tie-up with Reliance Nippon Life Asset Management Ltd.
- Acceptance of NR(E) Deposits.
- Foreign Exchange transactions under AD Category-II.
- Basic Savings Bank Deposit Accounts (under "Financial Inclusion").
- Tax Savings Deposit under Section 80C of Income Tax Act.
- Missed Call Service & Statement of Account through e-mail facility.
- CCC - "Customer Contact Centre" - One Stop Hub help-line desk.
- Loans & Advances to Traders, Businessmen, SSIs, Personal Loans, Consumer Loans, Professional Loans, Educational Loans, Housing Loans, Gold Loans & Loans against
- NSCs, KVPs etc.
- Toll Free Banking Facility for Account Balance, Account Statement, Cheque Book Request and Loan Enquiry.

* Conditions apply

FUTURE PLANS
- **While every effort is made to achieve the mission of the Bank, introducing e-KYC, Tablet/Agent Banking & Aadhaar Enabled Payment System(AEPS).**
- **Expansion of Branch Network.**

BOARD OF DIRECTORS

महेश बैंक MAHESH BANK మహేశ్ బ్యాంక్

A.P. MAHESH CO-OP. URBAN BANK LTD.

ESTD. 1978

(Multi-State Scheduled Bank)

H.O. : 5-3-989, 3rd Floor, Sherza Estate, N.S. Road, Osmangunj, Hyderabad - 500 095 (T.S.) INDIA

Tel.: +91 40 2461 5296, 2461 5299, 2343 7100 – 103 / 2343 7105, Fax : +91 40 2461 6427

45 BRANCH Network | NET Banking | RTGS / NEFT Facility | Point of Sale Services | Mutual Fund Services | Easy Credit for Trade & Industry | FOREIGN EXCHANGE FACILITY | Life Insurance Services | 100% CBS BRANCHES Anywhere Banking

E-mail: info@apmaheshbank.com

Website: www.apmaheshbank.com

With Best Compliments From:

ROAD CARGO MOVERS PVT. LTD.

Head Office : 3, Gibson Lane, 2nd Floor
Suite-211, Kolkata-700 069

Phone : 2210-3480, 2210-3485

Fax : 2231-9221

E-mail: roadcargo@vsnl.net

Branches & Associates:

GUWAHATI, SILIGURI, DURGAPUR, HALDIA, KHARAGPUR,
BALASORE, BHUBNESWAR, CUTTUCK, ICCAPURAM, VISHAKAPATNAM,
VIJAYWADA, HYDERABAD, CHENNAI, BANGALORE, COCHIN, GAZIABAD (U.P. BORDER), INDORE

Over ₹1,50,000 crores
worth of disbursements made.

Over ₹40,000 crores
worth of assets under management.

Over 72,000
entrepreneurs empowered.

Only 1 name
partnering with India's dream
towards a better future.

Kanoria Foundation
WORK WITH DEVOTION

SREI
Together We Make Tomorrow Happen
www.srei.com

Srei Infrastructure Finance Limited
Srei Equipment Finance Limited

INFRASTRUCTURE PROJECT FINANCE, ADVISORY AND DEVELOPMENT | INFRASTRUCTURE EQUIPMENT FINANCE
ALTERNATIVE INVESTMENT FUND | CAPITAL MARKET | INSURANCE BROKING

CENTURYPLY®

CENTURYPLY®

CENTURYLAMINATES®

CENTURYVENEERS®

CENTURYPRELAM®

CENTURYMDF®

CENTURYDOORS™

zykron
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS

STARKE
NEW AGE PANELS

SAINIK
PLYWOOD
HAMESHA TAIYYAR

For any queries, **SMS 'PLY'** to **54646** or call us on **1800-2000-440** or give a missed call on **080-1000-5555**

E-mail: **kolkata@centuryply.com** | CenturyPlyOfficial | CenturyPlyIndia | Centuryply1986 | Visit us: **www.centuryply.com**

Translating dreams into reality

for a perpetual smile on every face

S. R. RUNGTA GROUP

Cares for the land and its people

MINING. STEEL & POWER

Rungta House, Chaibasa, Jharkhand - 833201

सम्मेलन के बढ़ते कदम

– गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

"मारवाड़ी" शब्द वैदिक संस्कृत शब्द "मारूवाट" का ही अपभ्रंश है। राजस्थान के जोधपुर प्रमंडल के एक हिस्से को "मारवाड़" कहा जाता है परन्तु व्यावहारिकता में राजस्थान, हरियाणा एवं मालवा के प्रवासी जो पूरे देश में बसे हुए हैं, मारवाड़ी कहलाने लगे। हमारे संस्कार में कठिन परिश्रम की जो जुझारू प्रवृति है वह हमारे पैतृक स्थान मारवाड़ प्रक्षेत्र की ही देन है। विषम भौगोलिक स्थिति – विकट जलवाय, ग्रीष्मकाल में भीषण गर्मी, शीतकाल में कड़ाके की ठंढ, न्यूनतम वर्षा, कुओं का खारा जल, रोजगार के अल्प साधन, गर्मी में तपती बालू की आंधी – ऐसी कठिन परिस्थितियों में पैदा हुए लोगों में एक जज्बा होता है एक जीजिविषा होती है जो हमारे खून में है। **इन विपरीत परिस्थितियों से जुझने की हमारी प्रवृति प्रवास में हमारी सफलता का मूलमंत्र बन गई**। मारवाड़ी जहाँ भी गए, वहाँ के स्थानीय लोगों के साथ घुल-मिल गए, उनको अपना बनाया, अपने श्रम से उपार्जित धन से स्थानीय लोगों की भी शिक्षा, स्वास्थ्य में हर संभव सहयोग किया। परोपकार हमारे संस्कार में है। उद्यमिता, मितव्ययिता, धर्मपरायणता, सादगी, परोपकार हमारी पहचान रही है। अपनी इन विशेषताओं को हमने हमेशा बनाये रखा, चाहे कहीं भी गए, कहीं भी बसे। मारवाड़ियों की पूरे देश में उपस्थिति का इतिहास करीब २५० वर्ष पुराना है। प्रवासी मारवाड़ियों ने उत्तर में केशर के देश कश्मीर से लेकर दक्षिण में सेतुबंध रामेश्वरम एवं कन्याकुमारी तथा पूर्व में माँ कामाख्या के प्रदेश से लेकर पश्चिम में भगवान सोमनाथ की पावन भूमि गुजरात तक अपनी उपस्थित दर्ज की। प्रारंभिक काल में मारवाड़ियों का झुकाव बंगाल एवं आसाम, विशेषकर कोलकाता, पर ज्यादा रहा।

हमारे आदरणीय बुजुर्गो ने १९३५ में सामाजिक समरसता बढ़ाने, सांस्कृतिक पहचान बनाये रखने, कालांतर में आई सामाजिक बुराइयों के उन्मूलन एवं समाज सुधार के उद्देश्यों से प्रेरित होकर कोलकाता में 'अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन' की स्थापना की। स्वनामधन्य रायबहादुर रामदेव चोखानी (१९३५-१९३८) सम्मेलन के संस्थापक अध्यक्ष बने एवं स्वर्गीय भूरामल अग्रवाल ने महामंत्री का दायित्व का निर्वाह किया। सम्मेलिन का ध्येय वाक्य रखा "**म्हारो लक्ष्य राष्ट्र री प्रगति**"।

सम्मेलन पूरे देश में फैले मारवाड़ी बंधुओं की एकमात्र प्रतिनिधि संसथा है। राजस्थान, हरियाणा एवं मालवा के सभी प्रवासी अग्रवाल, माहेश्वरी, खंडेलवाल, ओसवाल, दिगंबर, श्वेतांबर, बिजयवर्गीय, ब्राह्मण, क्षत्रीय आदि इस शीर्ष संस्था से जुड़े हुए है। ऐसा कोई समाज नहीं है जिसकी कोई समस्या न हो एवं ऐसी कोई समस्या नहीं जिसका कोई समाधान न हो। प्रत्येक समाज को अपना अस्तित्व बनाये रखने एवं उन्नति के लिए यह नितान्त वांछनीय है कि समय के रुख को पहचान कर आचरण करे। सम्मेलन ने अपने प्रारंभिक काल में विधवा-विवाह, पर्दाप्रथा उन्मूलन एवं लड़कियों को उच्च शिक्षा के पक्ष में सामाजिक चेतना जगाई। प्रारंभिक काल की इन बुराइयों पर हमने काफी हद तक विजय प्राप्त की लेकिन आज समाज के सामने नई चुनौतियाँ हैं, नई समस्याएँ हैं, जिनका हम सबको मिलकर निराकरण करना है। **आज वैवाहिक एवं अन्य समारोहों में धन का भौंड़ा प्रदर्शन, क्षमता से अधिक व्यय का दिखावा, विवाह से पहले फोटो शूटिंग, मद्यपान, अपनी भाषा एवं संस्कृति से विमुख होना जैसी समस्याएँ गंभीर रूप से हम सबके सामने है एवं सम्मेलन इन सबके निराकरण के लिए प्रयत्नशील है।**

परिवार समाज की छोटी परन्तु आधारभूत इकाई है। हम संयुक्त परिवार में रहते थे, यही हमारी मजबूती एवं सम्पन्नता का आधार होता था। आज परिवार टूट रहे है - नव विवाहित जोड़ों में भी अपनी-अपनी व्यक्तिगत महत्वकांक्षा और अहम् की वजह से खटपट हो रही है एवं तलाक के मामले बढ़ रहे हैं। स्त्री प्रताड़ना एवं दहेज के लिए होने वाली घटनायें समाज के लिए शर्मिंदगी का कारण बनती हैं। हमें इनका निराकरण करना है। खुशहाल परिवार हमारा मजबूत पक्ष रहा है। इसे कमजोर होने और टूटने से बचाना हमारी सामाजिक जिम्मेदारी है।

समाज को एक सूत्र में पिरोने, सामाजिक समरसता बढ़ाने, समाज के सर्वांगीण विकास, राजनैतिक चेतना जागृत करने, मारवाड़ी भाषा, साहित्य, संस्कृति के प्रचार एवं सामाजिक सुरक्षा आदि समाजहित के उद्देश्यों के लिए अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन पूरे देश में प्रादेशिक सम्मेलनों एवं शाखाओं के माध्यम से कार्य कर रहा है। बिहार, झारखण्ड, पश्चिम बंग, उत्कल, पूर्वोत्तर प्रदेशों, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, मध्यप्रदेश एवं गुजरात सम्मेलन की प्रादेशिक इकाइयाँ पहले से काम कर रही हैं। इसी वर्ष अगस्त में तेलंगाना एवं दिसंबर में तमिलनाडु प्रादेशिक इकाइयों का गठन किया गया है। जिन प्रांतों में सम्मेलन की शाखाएँ अभी नहीं हैं, वहाँ प्रयास जारी है। आशा है शीघ्र ही देश के सभी प्रदेशों में सम्मेलन की उपस्थिति दर्ज हो जाएगी।

हमारे वर्तमान अध्यक्ष श्री संतोष कुमारजी सराफ पूरी निष्ठा के साथ दायित्व निभाने में लगे हुए हैं। हमारे पूर्व अध्यक्षों सर्वश्री सीतारामजी शर्मा, श्री नन्दलालजी रुँगटा, डॉ हरिप्रसादजी कानोड़िया, श्री रामवतारजी पोद्दार एवं श्री प्रह्लादरायजी अग्रवाल का बहुमूल्य मार्गदर्शन निरंतर मिलता रहता है। सभी सम्मानित सदस्यों के सहयोग एवं कर्मठ कार्यकर्ताओं के परिश्रम से आने वाले समय में आपका यह **अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन** समाजहित में नए कीर्तिमान स्थापित करेगा, इसका पूरा विश्वास है।

NABL Accredited

The™ Apollo Clinic
Family Health Centre
South City

P-72, PRINCE ANWAR SHAH ROAD
Opp. South City Mall, Kolkata - 700 045
Tel. : 4021-2525-55, E-mail : pashahroad@theapolloclinic.com

SERVICES AT A GLANCE

★ Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments
★ Radiology :
- Digital X-Ray
- Ultrasonography
- Colour Doppler Study

★ Cardiology :
- ECG
- Echo-Cardiography
- Echo-Colour Doppler
- Holter Monitoring
- Treadmill Test (TMT)

★ Neurology :
- EMG
- NCV
- EEG

★ Gastro Enterology :
- UGI Endoscopy
- Colonoscopy

★ Pulmonary Function Test (PFT)
★ Sleep Study (PSG)
★ Advanced Dental Care
★ Eye Care Clinic
★ ENT Care Clinic
★ Diabetes Care Clinic
★ Gynae and Obstetric Care Clinic
★ Consultation with leading Specialists
★ Physiotherapy
★ Personalized Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep
★ Comprehensive Health Check-up Programmes

Home Blood Collection : 98300-19073, 97481-22475

Consultation ★ Diagnostics ★ Dentistry ★ Health Checks

एक कदम मंजिल की ओर

- दिनेश कुमार जैन

मारवाड़ी समाज की लोकप्रियता एवं उद्यमशीलता पूरे विश्व में फैली हुई है। आज से सैकड़ों साल पहले जब यातायात की व्यवस्था नहीं के बराबर थी तब भी हमारे बुजुर्गों ने देश-विदेश के कठिन से कठिन व दुर्गम कोने में जाकर अपनी मेहनत व कर्मठता से अपने आप को स्थापित किया। इसी वजह से ये कहावत प्रचलित है – जहाँ न पहुँचे रेलगाड़ी, वहाँ पहुँचे मारवाड़ी।

आज के परिपेक्ष में उनकी कर्मठता, उद्यमशीलता एवं संस्कारों को कैसे अक्षुण्ण बनायें रखें? इस बात पर हमें गंभीरता से विचार करने की जरूरत है।

तो आइये, आज से ही सब इस महान कार्य को प्रतिपादित करने के लिए अपना पहला कदम आगे बढ़ाने का संकल्प लें।

हम सब गोष्ठियों में किसी भी कार्य के लिए चर्चा तो बहुत करते हैं कि हमें यह करना चाहिए, हमें वह करना चाहिए, ऐसे करना चाहिये, वैसे करना चाहिये– लेकिन कभी यह नहीं चर्चा करते कि कैसे करना है, किसको करना है, कब करना है!! यह सबसे ज्वलंत प्रश्न है। इसी सवाल के हल में मैं यह श्रृंखला शुरू करना चाहता हूँ कि आज से ही, अभी से ही, कैसे इस महान कार्य की ओर अपना पहला कदम बढ़ाया जाए जो हमें मंजिल के पास पहुँचा सके।

सबसे पहले लेख में मुझे लगता है- कैसे बच्चों के साथ अपने परिवार को एक सूत्र में पिरोकर जोड़ा जाये, पहले यह सार्थक करते हैं।

हम सभी के घर-परिवार में बुजुर्ग, माता-पिता, बेटे, बेटियाँ, उनके जीवन साथी और उनके बच्चे हैं। आज परिवार के सदस्यों के बीच दूरियाँ बढ़ रही है। इन्हीं दूरियों को समाप्त करने के लिये सबसे पहले हम सभी को यह प्रण करना है कि हम अपने परिवारजनों के साथ प्रतिदिन १५-३० मिनट व्यतीत करेंगे। यह ३० मिनट आपके और आपके परिवार के सबसे महत्वपूर्ण ३० मिनट होंगे। यह ३० मिनट का समय आप आपसी सहमति और सुविधानुसार तय कर सकते हैं। आप सब कितने भी व्यस्त रहें लेकिन यह ३० मिनट हम सबको निकालना ही होगा।

प्रतिदिन ३० मिनट निकलना शुरू-शुरू में शायद मुश्किल लगेगा लेकिन हमें यह करना ही है। थोड़ा सा टीवी से, थोड़ा क्लब से, थोड़ा ऑफिस से, थोड़ा सोशल समारोहों से समय बाहर कीजिये तो ३० मिनट आराम से निकल जायेंगे। अगर हमारे पूर्वज असंभव को संभव कर सकते हैं तो यह समय निकलना भी हमारे लिए असंभव नहीं है।

इन ३० मिनटों में आप बच्चों के साथ उनके जीवन एवं भविष्य संबंधित विषयों पर बात करें। उनके विचार सुनें एवं अपने विचार बताएँ। शुरू-शुरू में हो सकता है कि आप आपसी विचारों से सहमत न हों, या हो सकता है वे आपको उल्टा जवाब दें या बहसबाजी करें। उन्हें धैर्य के साथ सुनें और बाद में उचित समय पर उन्हें प्यार से समझाएँ। अपने उसूलों या सिद्धान्तों को उन पर ना थोपें। उन्हें स्पेश दें, आपकी बात को दिल और दिमाग पर असर होने का वक्त दें। फिर देखिये कैसे दिल-से-दिल के तार जुड़ते हैं।

आपके द्वारा अर्जित एवं मारवाड़ी समाज के यथोचित संस्कार अपने बच्चों को हस्तांतरित करें। यह काम हमें बहुत ही सरलता से बातों-बातों में करना है। भाषण की तरह कदापि नहीं, एक स्वस्थ परिचर्चा की तरह। जिससे बच्चे आपके पास बैठना पसंद करें और दिन के उस ३० मिनट को प्रधानता दें।

बच्चे निश्चय ही आपकी बात सुनेंगें, वे अपने दोस्तों की, इंटरनेट पर की हुई रिसर्च की, अपने शिक्षकों की बात सुनते हैं तो आपकी बात भी अवश्य ही सुनेंगे। क्योंकि बाहरी स्रोत में कही हर बात सच्ची या अच्छी नहीं होती। पर आप जब उनके लिए वक्त निकाल कर उनसे बात करेंगें तो आप उस बाहरी इंफोर्मशन को फिल्टर कर सकेंगें, उसमें अच्छा या बुरा का ज्ञान करा सकेंगे।

हमारे समाज विकास मैगजीन के अधिकतर पाठक वयस्क श्रेणी के लोग हैं, यह हमारी मौलिक जिम्मेदारी है कि हम अपनी आने वाली पीढ़ी को मारवाड़ी यशगाथा, कर्मशीलता एवं कर्मठता से परिचित कराएँ, उन्हें उच्च संस्कार दें, बड़ों का सम्मान करना सिखाएँ।

ये प्रयत्न आपके परिवार की कड़ी को जोड़े रखेगा। बच्चे आपके हर सुख-दुःख में आपके साझी होंगे।

यह करना आपके ही हाथ में है, जो आपके और आपके परिवारजनों के जीवन को पूरी तरह बदल और सुधार सकता है।

मेरा आप सभी से यह आह्वान है कि इस अभियान में अपने परिवार की खातिर, अपने बच्चों के भविष्य की खातिर, अपने भविष्य की खातिर, अपने समाज के खातिर, यह कदम आज से ही बढ़ाईये।

हम सब मिलकर एक-एक कदम मंजिल की तरफ बढ़ाते रहें, इसी उद्देश्य को तहे दिल में रखकर मैं यह श्रृंखला शुरू कर रहा हूँ। आशा है आप इसे सिर्फ पढ़कर नहीं, अपने जीवन में उतार कर अपना कर समाज को कृतार्थ करेंगे।

अपने सुझाव, विचार एवं प्रतिक्रिया मुझे ई-मेल करें। धन्यवाद!

(लेखक सम्मेलन की रोजगार सहायता उपसमिति के चेयरमैन हैं।)

With Best Compliments From :

LAKHOTIA TRANSPORT CO. PVT. LTD.

H.O. : 26, Tarachand Dutta Street, Kolkata - 700073
Near Md. Ali Park between Moon Light & Krishna Cinema Hall
Ph. : 2235 4802 / 4493 / 7254 / 4979, 2221 8406 / 8413
Fax : 033 2235 4978, E-mail : itc55@vsnl.net

Mumbai
307, Arihant Building
64-D, Ahmedabad Street
Mumbai-400 009
Ph.: 022 5631 4761-4766/3253 8806
Fax : 56314767

Delhi
Apsara Complex
P.O. Chikamberpur
U.P. Border
Ph.: 09350021890 / 09310772192
0120-412 4355

Chennai
48, Verrappan Road
2nd Floor, Soucarpet, Chennai
Ph. : 044 25357858/59,
09383589555

Cuttack:06712442395/09337266975•**Kanpur**:05122606131,5636/09336338155/09839201792 • **Sambalpur** : 0663 2545038, 2545267/09337300955 • **Haldia** : 9332345561/ 9332854631 • **Varanasi** : 9793943758 • **Vapi** : 0260 2428363, 2439597, 3296445/9377029355 • **Bangalore** : 080-41512546, 32952814 / 09341940355 • **Nagpur** : 07104 645209, 323155 / 9371459681 • **Hubli** : 09886637252 • **Pondicherry** : 0413 2271093/1645, 09366659055 • **Goa** : 0832 2311570, 3259514/09370275674 **Khalilabad** : 09335495946/09936927421 • **Rajpura** : 01762 311655/09316440055 **Guwahati** : 09864336355/09435116086 • **Katni (MP)** : 09300933494 • **Chindwra** : 0716 2320250, 09329297440 • **Ranchi** : 09386864020 • **Patna** : 09386665691 • **Mysore** : 09343623055

ISO 9001 Certified
ORR TECHNOLOGY
SKIPPER
PIPES
"FIXED FOR LIFE"
COMPLETE RANGE OF PIPES & FITTINGS
CPVC | UPVC | SWR | UGD | HDPE | BOREWELL | AGRICULTURE
www.skipperlimited.com | Toll Free : 1800 120 6842

Gain traction towards the future
PUNCTURE GUARD
MAXI GRIP
For further details regarding Puncture Guard and Maxi Grip contact our neartest branch
HARTEX
XTRA
POWER
Product featured: HARTEX XTRA Power.
A journey that started fifty four years ago is today a legacy called HARTEX. Setting standards in the domestic market, HARTEX has established itself internationally for its superior quality and reliability. In fact, the many milestones HARTEX has achieved, including products, are customer focused.
So, come join the journey of success.
HARTEX
Hartex Rubber Private Limited, 8-2-472, Road No. 1, Banjara Hills, GVC Square, 4th floor, Hyderabad 500034, India. Ph +91 40 32900866, 32930866
www.hartex.in
SUREKA

Krishi Rasayan Group

29, Lala Lajpat Rai Sarani (Elgin Road),
Kolkata - 700020, West-Bengal, India
www.krishirasayan.com
E-mail: atul@krishirasayan.com
Telephone: +91-33-71081010/11

With more than 50 years of experience in the agro-chemical business and being one of the oldest and leading agrochemical companies of India, **Krishi Rasayan** is touching new heights with each passing day.

The continuous process of upgradation, development and inherent changes according to the market requirements have helped **Krishi Rasayan** become a leader in the domestic circuit. **Krishi Rasayan** is expanding word-wide with exports and overseas registrations focusing on South-East Asia, Africa, Middle-East, CIS and Latin America.

Krishi Rasayan has 8 multi-location manufacturing plants in different parts of India and has 5 overseas subsidiaries.

It also boasts of having contract technical manufacturing units in India manufacturing Pretilachlor, Ethephon, Cypermethrin, Profenofos, Imidacloprid, Thiamethoxam, Metalaxyl, Metribuzin, Acetamiprid, Glyphosate, Tricyclazole, Butachlor, Emamectin benzoate, Difenconazole and Chlorpyriphos.

Additional technical products to be added are under process. The company has technical tie-ups and contract manufacturing with various companies in China and also has an office in Shanghai, China.

The company has many products including formulations such as EC, SC, WDG, SP, GR, EW and CS

Krishi Rasayan specializes in many combination products & bio-products. GLP data are available for most of the products; both 5-batch and 6-pack study.

Insecticides:
Deltamethrin 1% + Triazofos 35% EC, Profenofos 40% + Cypermethrin 4% EC, Ethion 40% + Cypermethrin 4% EC, Chlorpyriphos 50% + Cypermethrin 5% EC, Acephate 25% + Fenvalerate 3% EC, Buprofezin 15% + Acephate 35% WP, Profenofos 20% + Cypermethrin 2% EC, Deltamethrin 2.5% + Permethrin 2.5% EC, and many other forumlations available.

Fungicides:
Metalaxyl 8% + Mancozeb 64% WP, Carboxin 37.5% + Thiram 37.5% DS, Carbendazim 12% + Mancozeb 63% WP, Streptomycin sulphate + Tetracycline hydrochloride (90:10), Iprodione 25% + Carbendazim 25% WP, Cymoxanil 8% + Mancozeb 64% WP, etc

Weedicides:
Metsulfuron methyl 10% + Chlorimuron ethyl 10% WP & other formulations available.

PGR's:
6BA, Amino Acids, Ethephon, Gibberallic Acid, Hydrogen Cynamide, Tricontanol

Bio-Products:
Bacillus thuringiensis var kurstaki 7.5% WP, Trichoderma harzianum 2% WP, Trichoderma viride 1% WP, Pseudomonas fluorescens 0.5% WP, Neem Oil, Azadirachtin, Beauveria bassiana 1.15% WP, Verticillium lecani 1.15% WP and other formulations available.

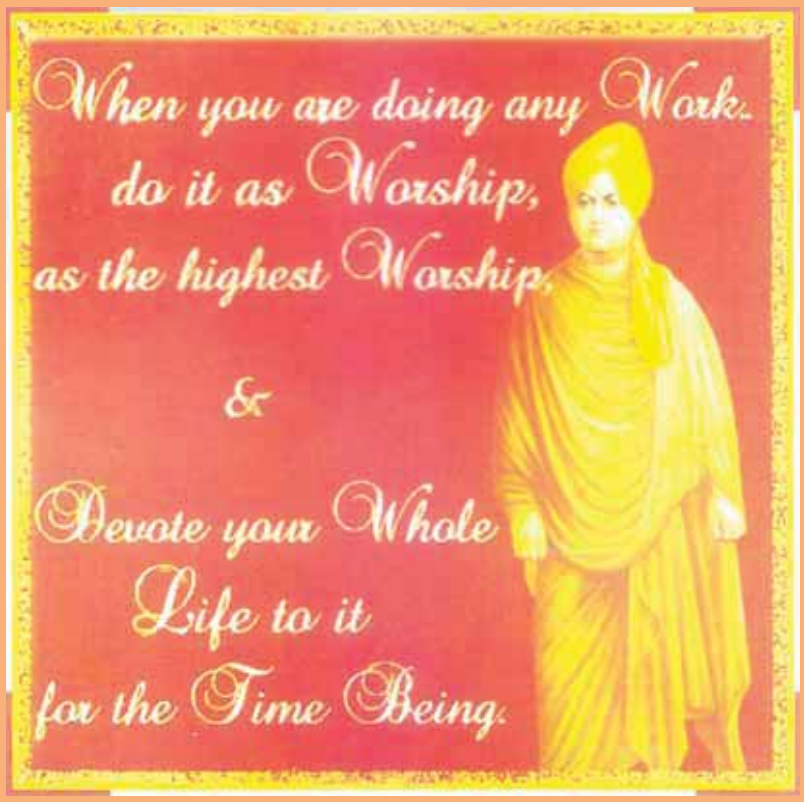

Religion is not a theoretical need but a practical necessity.
Ranunciation does not mean simply dispassion for the world.
It means dispassion for the world and also longing for God.

With best compliments from:

Sri Srigopal Jhunjhunwala

GITA SEVA TRUST

Anandlok, BlockA, 3rd Floor, 227, A.J.C. Bose Road, Kolkata-700 020

मन की बात

– ई. अशोक कुमार जालान
अध्यक्ष, उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

मेरे गौरवशाली समाज के भाईयों, बहनों तथा युवा साथियों,

आओ मिलकर दीप जलाएँ सबके आँगन में खुशियाँ लाएँ,
राष्ट्रहित परिवर्तन लाकर, अपने समाज को और उठाएँ।

मेरी सोच को इन उपरोक्त दो पंक्तियों में समाहित करते हुए सबको शुभ दीपावली की हार्दिक अभिनन्दन, अभिवादन एवं शुभेच्छाएँ।

समाज की चुनौतियों एवं अपेक्षाओं को नजर में रखते हुए मजबूत संगठन को ही इसका हल समझा एवं पूरे भारतवर्ष में १६०० सदस्यों के साथ पाँचवें स्थान पर रहने वाला हमारा उत्कल प्रांत आज सदस्यता वृद्धि के साथ ५१०० सदस्यों वाले एक नम्बर स्थान पर आप सबके सहयोग से पहुँच पाया है। दूर दराज क्षेत्रों के अथक दौरों एवं मंडलीय चिंतन, मंथन गोष्ठियों के फलस्वरूप दस नयी शाखाएँ भी बनायी गई हैं।

समाज सुधार तथा सामाजिक संस्कार पर विभिन्न चिंतन मंथन, सभाओं में आए आदेशात्मक सुझावों के अनुरूप अंगुल की द्वितीय प्रांतीय कार्यकारिणी में विस्तृत चर्चा के बाद कई प्रस्ताव पारित कर पूरे समाज को एक दिशा निर्देश का प्रयास किया गया है।

सेवा एवं परोपकार के क्षेत्र में हमारे पूर्वजों के दिए हुए संस्कारों एवं परम्पराओं को आगे बढ़ाते हुए सम्मेलन, महिला सम्मेलन तथा युवा मंच को साथ लेकर १००० डस्टबिन सम्बलपुर कॉर्पोरेशन को दिए गए तथा जरूरतमंदो को १०००० कम्बल बाँटने का बृहत सेवा प्रकल्प लिया गया है। इसी प्रकार बलांगीर में मरीजों के परिजनों के ठहरने हेतु मारवाड़ी सेवा सदन के साथ जेनेरिक मेडिसिन, ऑक्सीजन, शव फ्रिजर एवं अशोक जालान फाउंडेशन, सम्बलपुर के सहयोग से एक अत्याधुनिक बड़ी एम्बुलेंस तथा शव वाहिनी का संयुक्त प्रकल्प शीघ्र उद्घाटित होने जा रहा है। अन्यान्य सेवा कार्य भी किए जा रहे हैं।

सम्बलपुर में मारवाड़ी छात्रावास का निर्माण एवं कई शाखाओं में शाखा सदन निर्माण कार्य की पहल आदि के साथ शिक्षा कोष से जरूरतमंदो को आर्थिक सहायता तथा झलक द्विमासिक पत्रिका का नियमित प्रकाशन एवं वितरण अच्छी तरह सम्पादित हो रहे हैं। शिक्षा कोष में पिछले ६ सालों में सालाना औसत ३ लाख की सहयोग राशि मिलती रही थी किन्तु इस वर्ष में अभी तक ही १० लाख की सहयोग राशि मिल चुकी है तथा छात्रावास के लिए प्रारम्भ होने के पहले ही ५० लाख की सहयोग राशि की घोषणा हो चुकी है जो कि निश्चय ही आप सबके मन में कहीं न कहीं मेरे प्रति मजबूत विश्वास को दर्शाता है और मुझे और ऊर्जावान बनाता है। इस झलक पत्रिका में प्राप्त हुए करीब १० लाख से ज्यादा की सहयोग विज्ञापन राशि भी इस बात को दोहराती है।

केन्द्र में भी उत्कल प्रांत की छवि ऐसी बढ़ी है कि केन्द्र के संविधान संशोधन समिति तथा मारवाड़ी सम्मेलन फाउंडेशन में मुझे एक पूरे महत्व के साथ सदस्य एवं ट्रस्टी के रूप में लिया गया है।

हृदय के कोने-कोने से आप सभी का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त करता हूँ।

जय समाज, जय उत्कल, जय राष्ट्र।

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : वर्तमान गतिविधियाँ

– बिजय कुमार केड़िया
महासचिव, उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

हमारा सौभाग्य रहा कि दिनांक ८ अप्रैल २०१८ को हमें अखिल भारतीय समिति की बैठक का आतिथ्य करने का भुवनेश्वर में मौका मिला। हमारे भुवनेश्वर शाखा एवं उनके सदस्यों की इस गरिमामय आयोजन के लिये जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है। आदरणीय प्रांतीय अध्यक्ष श्री अशोक जी जालान की पैनी निगाहें व्यवस्था के हर स्तर पर तो थी ही।

बनारस में आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन में भी हमारी उपस्थिति को सभी ने सराहा।

सांगठनिक :

प्रांतीय सम्मेलन की कार्यकारिणी के गठन होने के पश्चात् राउरकेला में १० मार्च को प्रथम कार्यकारिणी का आयोजन किया गया। कार्यकारिणी में उपस्थिति एवं वहाँ पर बेबाकी से हुए विचार विमर्श ने हर प्रतिनिधि के मन में एक नये उत्साह का संचार किया। अध्यक्ष अशोकजी जालान का वक्तव्य सम्मेलन की

प्रगति के लिये मानो रोड मैप ही था।

उन्हीं के निर्देशानुसार प्रांत की प्राय सभी प्रमुख शाखाओं में नये कार्यकर्ताओं ने कार्यभार संभाला। संबलपुर में श्री ज्ञान प्रकाशजीने, बलांगीर में श्री रिशी कुमारजी ने, भुवनेश्वर में श्री उमेशजी खंडेलवाल ने, कटक में श्री सुरेशजी कमानी ने झारसुगुड़ा में श्री संजयजी लोधा ने, कांटाबांजी में श्री मुरारीलालजी अग्रवाल ने सम्मेलन की दिशा और दशा में परिवर्तन लाने के लिए कमर कस ली है। केवल इतना ही नहीं कुचिण्डा में श्री बृजमोहनजी अग्रवाल, केऊँझर में श्री अनिलजी गोयनका, करंजिया में श्री संजीवजी सुलतानिया, बरगड़ में श्री किशोरजी अग्रवाल, पदमपुर में श्री परमेश्वर जी अग्रवाल ने नई टीम के साथ कार्यभार संभाला। अन्यान्य स्थानों पर भी यही प्रक्रिया तीव्र गति से चल रही है। हमें विश्वास है कि इस नव कलेवर के साथ हमारे प्रांत की शाखाएँ सम्मेलन के उद्देश्यों की पूर्ति में कमर कस कर जुट जाएँगी।

आदरणीय अशोक जी के निर्देशानुसार हमारे प्रांत को पूर्णरूप से आजीवन सदस्योंवाला प्रदेश बनाने की दिशा में भी हमारा प्रयास जारी है। हम विश्वास के साथ कह सकते हैं कि पूर्णरूप से आजीवन सदस्यों वाले प्रदेश में उत्कल प्रदेश अव्वल रहेगा। लक्ष्य तो एक वर्ष में १००० नये आजीवन सदस्यों का था किन्तु हमारे प्रांतीय अध्यक्ष के मार्गदर्शन, प्रांतीय टीम के अथक परिश्रम एवं प्रत्येक शाखाओं के अध्यक्ष एवं उनकी टीम ने तो मानो कमाल ही कर दिया। सदस्यता अभियान में सुनामी आ गई। ३००० से भी ज्यादा सदस्य बन गये हैं।

सदस्य संख्या के अनुरूप शाखाओं की संख्या में भी अभिवृद्धि किसी सुनामी से मन नहीं है। कालाहांडी जिले में म. रामपुर, बरगढ़ जिले में आताबिरा, सम्बलपुर जिले में बामड़ा, गरपोस, बलांगीर जिले में डुंगरीपाली, केऊँझर जिले में जोड़ा शाखाओं का गठन हुआ है।

समाज के सामने चुनौती बन कर खड़े विभिन्न समस्याओं पर चिन्तन-मंथन गोष्ठियों का भी आयोजन जोन स्तर पर किया गया - कालाहांडी जोन का भवानीपाटणा में और कटक जोन का भद्रक में। गोष्ठियों में सहभागियों की संख्या एवं वहाँ व्यक्त विचारों का स्तर हर जोन में गोष्ठियों के आयोजन को प्रेरित कर रहा है।

गतिविधियाँ

हमारी कटक शाखा के द्वारा दिनांक ७ अप्रैल को राजस्थान दिवस का आयोजन किया गया था। प्रांतीय उपाध्यक्ष एवं भुवनेश्वर शाखा के अध्यक्ष श्री उमेशजी खण्डेलवाल, प्रांतीय अध्यक्ष श्री अशोकजी जालान, प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री सूर्यकांतजी सांगानेरिया, प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश जी अग्रवाल, संबलपुर शाखाध्यक्ष श्री ज्ञान प्रकाशजी अग्रवाल अन्यान्य महानुभावों के साथ मंच को सुशोभित कर रहे थे। हर वर्ष की तरह कटक शाखा ने इस वर्ष

भी रथयात्रा पर पुरी में भण्डारा का आयोजन किया था जिसमें २५००० से भी ज्यादा भक्तों के लिये भोजन की व्यवस्था की गई थी। शहर में आई बाढ़ के समय हमारी शाखा द्वारा सेवा कार्य की प्रशंसा वहाँ के प्रशासन, विशेषकर जिलाधीश, ने भी की। गर्मी में लू से कैसे बचा जाए, पशुओं के लिये जल की व्यवस्था कैसे हो, इसके लिये जन जागरण अभियान चलाया। कटक शाखा ने इस वर्ष बालिकाओं के लिये विशेष फुटबाल प्रशिक्षण शिविर का भी आयोजन किया।

उसी तरह सम्बलपुर शाखा ने भी अशोक जालान फाउण्डेशन के सहयोग से १००० डस्टबिन सम्बलपुर म्युनिसिपल कमिश्नर को दी। इस अवसर पर स्थानीय विधायिका डॉ. राशेश्वरी पाणीग्राही के अलावा सम्बलपुर के जिलापाल श्री समर्थ वर्मा भी उपस्थित थे। राष्ट्रीय राज मार्ग के किनारे १००० पेड़ शाखा ने लगाये। हमारी कांटाबांजी शाखा एवं बरगढ शाखा ने भी वृक्षारोपण कार्यक्रम में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।

१५ अगस्त को हमारे प्रांतीय कार्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। बरगढ एवं अन्य शाखाओं के द्वारा भी स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

हमारे लोकप्रिय पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी के दुखद निधन पर सम्बलपुर समेत अनेक शाखाओं के द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

सामाजिक संस्कार :

हमारी कालाहांडी जिला शाखा ने विवाहपूर्व लड़के-लड़की का बाहर जाकर फोटो सेशन पूर्ण रूप से निषेध कर दिया है। प्रांत में इस तरह की पहल के लिये श्री सुभाषजी अग्रवाल, हमारे प्रांतीय उपाध्यक्ष धन्यवाद के पात्र हैं। जिला शाखा ने यह आश्वासन भी दिया है कि सामाजिक संस्कार के जो भी नियम सम्मेलन तय करेगा उसे पालन कराने की पूरी कोशिश करेंगे।

आदर्श विवाह के क्षेत्र में हमारी कांटाबांजी शाखा ने जो पहल की है वह वास्तव में अनुकरणीय है। बहुत ही कम बजट में संपूर्ण नेग चार के साथ जिसमें १०० लोगों के लिये सुबह का नास्ता, ३०० लोगों के लिये मध्याह्न में पार्टी, मंडप की सजावट, रहने का एसी कमरों के साथ स्थान, लाईट, माईक, रिश्तेदारों के लिये मिठाई का चोलिया प्राय; २०-२५ केजी एवं इसके उपरान्त लड़की को कन्यादान में ११,००० की व्यवस्था की गई है। संपूर्ण संतुष्टि के साथ अनेक विवाह संपन्न कराये जा चुके हैं। मुझे विश्वास है कि इस प्रकार के आदर्श विवाह केवल प्रांत ही नहीं अपितु देश के विभिन्न स्थानों पर भी आयोजित होंगे।

सेवा के कार्य :

श्री अशोकजी जालान जबसे प्रांतीय अध्यक्ष बने हैं तब से सम्मेलन की सेवाकार्य योजना को तो मानो पंख ही लग गये हैं। कटक शाखा, भुवनेश्वर शाखा एवं सम्बलपुर शाखा के द्वारा पशु जल वितरण की व्यवस्था अत्यन्त सराहनीय है। कटक शाखा द्वारा प्रायः २० चल पेयजल मशीन भी समाज सेवा के लिये उपलब्ध कराई गई। समाज की जरूरतों को देखते हुए कांटाबाजी शाखा द्वारा स्वर्गद्वार वाहन की व्यवस्था अशोक जालान फाउण्डेशन के सहयोग से की गई। स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत सम्बलपुर शाखा द्वारा सम्बलपुर महानगर निगम को १००० डस्टबीन प्रदान किया गया। डस्टबीन सम्बलपुर शाखा को अशोक जालान फाउण्डेशन ने मुहैया कराया था।

प्रकल्प :

सम्बलपुर में एक छात्रावास के लिये कार्य तीव्रगति से चल रहा है। आवश्यक जमीन अशोक जालान फाउण्डेशन ने महानगर परिसर के मध्य ही उपलब्ध करा दी है। भवन निर्माण के लिये प्रायः ५० लाख का आश्वासन राउरकेला राज्य कार्यकारिणी में ही विभिन्न दान दाताओं के द्वारा भी मिल चुका है। हमें विश्वास है कि इस महत् योजना के लिए धन की कोई कमी नहीं रहेगी।

अशोक जालान फाउण्डेशन के सहयोग से सम्बलपुर में प्रांतीय कार्यालय का नवीनीकरण किया गया। उद्घाटन के शुभ अवसर पर प्रांत के पूर्व अध्यक्षगण श्री बिनोदजी टिबड़ेवाल, श्री सुरेन्द्रजी लाठ, श्री विश्वनाथजी मारोठिया, श्री नकुलजी अग्रवाल, एवं प्रांतीय अध्यक्ष श्री अशोक जी जालान उपस्थित थे। सभी अतिथियों ने कार्यालय की भूरी-भूरी प्रशंसा की। आप सभी बंधुओं से मेरा अनुरोध रहेगा कि अपने सम्बलपुर प्रवास पर कुछ समय के लिये प्रांतीय कार्यालय अवश्य पधारें।

पिछले ९ वर्षों से चली आ रही पत्रिका झलक सम्मेलन की हर खबरों को जन जन तक पहुँचाती आ रही थी। किन्हीं कारणों से इसका प्रकाशन नियमित नहीं हो पा रहा था। किंतु हमारे अध्यक्षजी के प्रत्यक्ष दिग्दर्शन में इस पत्रिका को प्रत्येक २ माह के अंतराल में प्रकाशित करने की कार्य योजना कारगार सिद्ध हुई है। अभी तक ४ प्रतियों का प्रकाशन हो चुका है। आगे भी नियमित रूप से प्रकाशित होती रहेगी।

सम्मेलन का स्थायी प्रकल्प मारवाड़ी शिक्षा कोष भी सुचारू रूप से चल रहा है। दान दाताओं के सहयोग से जरूरतमंद विद्यार्थियों को सहायता पहुँचाने में हम सफल रहे हैं। विभिन्न गोष्ठियों एवं कार्यक्रमों में शिक्षा कोष के लिये आह्वान का भी सकारात्मक प्रभाव रहा है।

With Best Compliments From :

JAI BHARAT COMMERCIAL CORPORATION

-: Suppliers of :-

M.S. / E.R.W. / G.I. / P.V.C. / A.C. Pressure Pipes, C.I. Pipes, Specials, Joints and Pot Water Filter and also laying of all Pipes.

-: Turnkeys :-

Electro Chlorinator, Water Flow Meter, Iron Elimination Plant etc.

23/24, Radha Bazar Street, 3rd Floor,
Kolkata – 700 001
Phones : 033-2242-5889/7995
Email : 1) jbccsonthalia@gmail.com
2) jbccsonthalia@yahoo.com

With Best Compliments From :

ANZEN EXPORTS
&
SHUBHAM PHARMACHEM PVT. LTD.

DEALER, IMPORTER, EXPORTER, INDENTING AGENT FOR ALL KINDS OF ACTIVE PHARMACEUTICAL INGREDIENTS, PHYTOCHEMICALS, HERBAL EXTRACTS & ESSENTIAL OILS

KOLKATA

Regd Office : 55/3D, Ballygunge Circular Road, Ground Floor, Kolkata-700019, INDIA
Admn. & Corres. Office : 157, Sarat Bose Road, 2nd Floor, , Kolkata-700026, INDIA
Tel : 91-33-24659650 / 51 Fax : 91-33-24658159 E-mail : info@anzen.co.in Web : www.anzen.co.in

MUMBAI

SHUBHAM PHARMACHEM PVT LTD.
205-206 Laxmi Plaza, Laxmi Industrial Estate,
New Link Road, Andheri (W),
Mumbai - 400 053, India
P: + 91 (22) 2635 4800 / 2635 4900
F: + 91 (22) 6692 3929 / 2631 8808
Email : shubham@shubham.co.in

AUM CAPITAL
YOUR TRUST IS OUR WEALTH

23 YEARS OF SERVICE

ISO 9001 : 2015 Company

Products and Services

ADVISORY SERVICES

Wealth Management

- Mutual Fund
- AAA Rated Fixed Deposit
- Alternative investment funds
- Portfolio Management Services
- Structured Products

Bonds

- Taxable and Tax free Bonds
- Government of India Securities
- Commercial Paper

Investment Banking

- Private Equity
- M&A
- Corporate Advisory
- Debt, IPO & Rights Issue

DEBT SYNDICATION SERVICES

Trade Finance

- Suppliers Credit
- SBLC Funding
- Export Bill Factoring

Structured Finance

- Loan against Property
- Loan against Shares & Bonds
- Lease Rental Discounting
- Structured Buy-outs

Equipment Finance

- Construction Equipment
- Medical Equipment

Project Finance

Working Capital Finance

BROKING

Equity Broking – NSE, BSE
Commodity Derivative – MCX, ICEX
Currency Derivatives – NSE, BSE, MSEI
Interest Rate Futures
Depository - NSDL, CDSL

Insurance Broking

- Life Insurance
- General Insurance

Real Estate Broking

- Rental Income
- Corporate Leasing
- Real Estate Advisory to end users, investors and developers for residential and commercial property

Trinity Building, 226/1, A.J.C. Bose Road, 6th Floor, Kolkata-700020 | +91 33 4057 2121
E : aumcapital@aumcap.com W : www.aumcap.com

हार्दिक अभिनंदन के साथ . . . .

अशोक जालान फाउंडेशन (एजेएफ)

अशोक जालान ग्रुप की इन कंपनीज के द्वारा एक सामाजिक उत्तरदायित्व की पहल

ओडैसी मोटर्स प्रा.लि.
जालान आटोमोबाइल्स प्रा.लि.
ओरिएंट कन्सट्रक्सन्स प्रा.लि.

ओडैसी कम्प्लेक्स, ऐंठापाली
सम्बलपुर-768004, ओडिशा
मो. 9437579833
email : ajaocodc@gmail.com

निस्वार्थ लोक सेवा की ओर कुछ कदम

एम्बुलेंसेज, डस्टविन्स, मोबाइल रक्त संग्रह वैन, रोगी वाहन, शौचालय, यात्री विश्राम स्थल, आर.ओ. ठंडे पानी की इकाइयां, वृक्षारोपण, आंख ओर दांत हास्पिटल के उपकरण, स्टेनलेस स्टील बेंचेंस, व्हील चेयर्स, बच्चों के खेलने के उपकरण, कचरा टिपर वैन, नेपाल ओर केरला आपदा के लिए रिलीफ, जरूरतमंदो के लिए हजारों कम्बल प्रदान, शव वाहिनी एवं फ्रीजर और सम्बलपुर में छात्रावास के लिए जमीन दान आदि

चेयरमेन
ई.अशोक कुमार जालान
पूर्व लायंस गर्वनर तथा
प्रांतीय अध्यक्ष
उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

To your taste buds, with love...

Refreshingly, yours.

Indulgently, yours.

Addictively, yours.

Spicily, yours.

Healthily, yours.

Nourishingly, yours.

Delightfully, yours.

Obsessively, yours.

Temptingly, yours.

Passionately, yours.

Snackingly, yours.

Yours Tastefully™

Anmol

BISCUITS

www.anmolindustries.com | Follow us on:

GOYAL
Secondary Steel Sector Award 2016-17
GOLD CERTIFICATE
BDG METAL AND POWER LTD.
जो दे उत्पादन की
सर्वोत्तम क्वाँलिटी
वो दे TMT की भी
सर्वोत्तम
क्वाँलिटी
इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से
उत्पादन प्रक्रियाओं में उत्कृष्टता के लिए
गोल्ड ट्रॉफी प्राप्त करने के लिए हम गर्वित है।
निम्नलिखित के लिए मान्यता प्राप्त एवं सम्मानित :
100% प्रत्यक्ष रोलिंग प्रक्रिया जिसके परिणामस्वरूप ऊर्जा की कम खपत
अधिक साफ पर्यावरण और अवशिष्ट उपयोग प्रबंधन
लोगों की प्रतिभा और योगदान को मूल्यांकित कर, प्रोत्साहित करना
कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारियां (सी एस आर)
कर्मचारियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य
श्री चौधरी बीरेन्द्र सिंह, माननीय इस्पात मंत्री, भारत सरकार
श्री आलोक गोयल, कार्यकारी निदेशक, बि डी जी मेटल एण्ड पॉवर लि० को पुरस्कार देते हुए।
BDG6
Hi-tech TMT Bar & Wire Rod
TORCON
THE POWER OF BENGAL
BDG Metal & Power Ltd.
4 Fairlie Place, 5th floor, Kolkata-700001 +91 33 4005 9000 | +9198363 88887
info@goyalgroup.in | www.goyalgroup.in

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : २०१८ की गतिविधियाँ

- महेश जालान
महामंत्री, बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

माह जनवरी २०१८ में बिहार के बेगूसराय में **"मंथन २०१८"** नाम से आयोजित ३०वें प्रादेशिक अधिवेशन में नवनिर्वाचित प्रादेशिक अध्यक्ष श्री बिनोद तोदी ने पदभार ग्रहण किया और तदुपरांत इस सत्र की कार्यकारिणी समिति का गठन किया। बड़ी संख्या में सदस्यों की उपस्थिति, रंगा-रंग सांस्कृतिक कार्यक्रम, भव्य उद्घाटन समारोह, बिहार विकास एवं एकता पदयात्रा, जिसमें हजारों बच्चों, महिलाओं एवं समाजबंन्धुओं ने कड़ाके की ठंड में भी शिरकत की, ने अधिवेशन को एक यादगार आयोजन बना दिया।

नई कार्यकारिणी में अनुभवी सदस्यों के साथ-साथ बड़ी संख्या में युवाओं को भी शामिल किया गया।

२६ जनवरी २०१८ को झंडोत्तोलन के साथ-साथ प्रदेश की शाखाओं के दौरों का शुभारंभ हुआ जिसके अर्न्तगत अब तक प्रादेशिक अध्यक्ष, महामंत्री, उपाध्यक्षों एवं अन्य पदाधिकारियों के द्वारा ९३ शाखाओं का दौरा सम्पन्न किया जा चुका है। इन दौरों से शाखाओं की सक्रियता एवं गतिविधियाँ बढ़ी हैं और प्रांत का सम्पर्क शाखाओं के साथ सुदृढ़ हुआ है। हालाँकि मात्र ५७ शाखाओं में नई कार्यकारिणी समिति का गठन होना और ६२ शाखाओं से मान्यता शुल्क प्राप्त होना यह बताता है कि प्रशासिनक कार्यो का सम्पादन कराने के लिए और अधिक प्रयास किये जाने की आवश्यकता है।

स्थाई समिति की बैठक, संरक्षक मंडल की बैठक, संवाद नाम से प्रादेशिक पदाधिकारियों के साथ बैठक कर भविष्य के कार्यक्रमों का मार्गदर्शन लिया गया। कार्यकारिणी समिति की एक पाकेट बुक छापने के साथ-साथ शाखाओं के लिए किये जाने वाले कार्यकमों की सूची, पुरस्कार नियमावली बनाकर सभी शाखाओं को दी गई।

इस सत्र में आरंभ से ही सम्मेलन को मजबूत बनाने के लिए सदस्यता-विस्तार पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसके लिए अलग से प्रांतीय संयोजक की नियुक्ति की गई है और सदस्यता-विस्तार पर विशेष पुरस्कार नियमावली बनाई गयी है, जिसके परिणामस्वरूप लगभग १८०० नये आजीवन एवं संरक्षक सदस्य अब तक बनाये गये हैं। दो वर्ष के कार्यकाल में तीन हजार नये सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

यह पाया गया कि सम्मेलन का महत्व और इसकी उपयोगिता सही प्रकार से समाज में सिद्ध न हो पाने के कारण लोगों में सम्मेलन से जुड़ने के प्रति अधिक दिलचस्पी नहीं है। इसको देखते हुए प्रदेश के द्वारा अनेक नई योजनाएँ एवं कार्यक्रम किये गये, जिनके बहुत अच्छे परिणाम सामने आये। समाज ने इन्हें न सिर्फ सहर्ष स्वीकार किया वरन् इन सभी में बढ़-चढ़कर सहभागिता भी की। जिसमें से कुछ विशिष्ट कार्यक्रम निम्नवत हैं।

अंगदान/देहदान : बिहार के उप-मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी के आह्वान पर अंगदान/देहदान को प्रादेशिक कार्यक्रम घोषित किया गया है। इसकी शुरुआत प्रादेशिक अध्यक्ष ने सपत्नीक देहदान के संकल्प से की। तब से लगातार शाखाओं और समाजबन्धुओं में इस कार्यक्रम के प्रति फैली हुई मिथ्या धारणाओं का निराकरण करते हुए जन-जागरण अभियान चलाया जा रहा है। उम्मीद है कि इसके बहुत अच्छे परिणाम शीघ्र ही सामने आयेंगे।

स्थाई पेयजल : इस कार्यक्रम के तहत सुल्तानगंज, पूर्णियाँ, सहरसा, गणपतगंज एवं पटना शाखाओं के द्वारा स्थायी पेयजल सुविधा संचालित की जा रही है।

विकलांगता मुक्त बिहार : प्रदेश सम्मेलन द्वारा किसी भी जाति, धर्म या वर्ग के व्यक्ति को कृत्रिम हाथ और पैर लगाने, पोलियो या आँखों का ऑपरेशन कराने की निःशुल्क सुविधा प्रदान की जाती है। इसके अन्तर्गत अब तक दरभंगा, त्रिवेणीगंज, सालमारी, मुजफ्फरपुर, रकसौल द्वारा भेजे गये ११ जरूरतमंदो को यह सुविधा प्रदान की जा चुकी है।

प्रतिभा सम्मान समारोह : बोर्ड की परीक्षा और विशिष्ट प्रतियोगिता परीक्षाओं में उत्कृष्ट सफलता प्राप्त करने वाले छात्रों को शिक्षा गौरव सम्मान प्रदान करने के लिए इस वर्ष लगातार नवीं बार प्रतिभा सम्मान समारोह 'उड़ान २०१८' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के तहत क्षेत्रीय स्तर पर प्रदेश के पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, सहरसा और भागलपुर में कुल २५४ मेधावी छात्र-छात्राओं को शिक्षा गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया।

ये देश है मेरा : स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभक्ति गीतों पर आधारित प्रांतस्तरीय समूह नृत्य प्रतियोगिता का ग्रैण्ड फिनाले १९ अगस्त २०१८ को पटना में आयोजित किया गया। प्रांत के समस्त १५ प्रमंडलों से चयनित २४ टीमें इसमें शामिल हुई।

कार्यक्रम ने अपने आरम्भ से ही एक से बढ़कर एक धुआँ-धार प्रस्तुतियों के माध्यम से जबरदस्त समाँ बाँध दिया था। शाखाओं का उत्साह और प्रतिभागियों की तैयारियाँ देखते ही बन रही थी। हर टीम ने अपने अभिनय, ड्रेस और अभिव्यक्ति पर

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

सम्बद्ध : अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
सम्मेलन भवन, न्यू डाक बंगला रोड
पटना - ८००००१, मो. -९३३४४९१००९

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा वर्त्तमान सत्र में समाज के आर्थिक रूप कमजोर एवं सम्पन्न सभी लोगों के लिए चलाई जा रही योजनाएँ –

1 **मरूधरा** : स्थाई प्याऊ योजना।

2 **समर्थ** : विकलागता मुक्त बिहार योजना।

3 **दधीचि** : अंगदान योजना।

4 **महाराजा अग्रसेन कन्या विवाह** योजना।

5 **गणगौर** : विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए वेबसाईट

6 **भामाशाह** स्कूल, कालेज एवं उच्च शिक्षा हेतु छात्रवृति योजना।

7 **चिरंजीवी** : पटना आने वाले मरीजो के लिए आवश्यकतानुसार चिकित्सा उपलब्ध एम्बुलेन्स एवं रक्त की व्यवस्था कराना।

8 **आरोग्य** : मेदांता अस्पताल–गुड़गाँव एवं पारस अस्पताल–पटना में ईलाज कराने समाज के लोगों को प्राथमिकता एवं बिल में रियायत की सुविधा।

9 **हम साथ साथ है** : सदस्यता विस्तार – इसके तहत वर्त्तमान सत्र में १८०० नये सदस्य बनाये जा चुके हैं।

उपरोक्त योजनाओं के माध्यम से समाज के लोगों को काफी लाभ हो रहा है।

महेश जालान
महामंत्री

बिनोद तोदी
प्रादेशिक अध्यक्ष

भरपूर मेहनत की थी, जिसके परिणामस्वरूप राजधानीवासियों से खचा-खच भरे प्रेक्षागृह में राष्ट्रस्तरीय प्रस्तुतियाँ देखने को मिलीं। कार्यक्रम के अन्त में सभी प्रतिभागियों को उपहार और प्रमाणपत्र के अतिरिक्त बेगूसराय, मुजफ्फरपुर, सहरसा और पटना की विजेता टीमों को शील्ड प्रदान किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री गोपाल अग्रवाल उपस्थित थे।

'आदर' समाज रत्न सम्मान समारोह : बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इन्डस्ट्रीज के सभागार में आयोजित इस समारोह में सात सदस्यीय समिति के द्वारा अनुशंसित राज्य के विभिन्न शहरों के २१ समाजबन्धुओं को सम्मानित किया गया। जनसेवा, समाज सुधार, कला एवं साहित्य, पर्यावरण-संरक्षण, पत्रकारिता, चिकित्सा, राजनीति एवं उद्योग के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता के लिए ये सम्मान बिहार के महामहिम राज्यपाल श्री लालजी टंडन द्वारा प्रदान किये गये।

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर : प्रादेशिक कार्यालय परिसर में एक विशाल हृदय रोग, दंत एवं नेत्ररोग परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। मेदांता हॉस्पीटल दिल्ली के हृदय विशेषज्ञ डॉ. दिनेश चन्द्रा एवं उनकी टीम के द्वारा लगभग २०० लोगों की ई.सी. जी., टी.एम.टी. आदि की जाँच कर उन्हें उचित सलाह प्रदान की गई। दंत चिकित्सक डॉ. रवि बिदासरिया एवं नेत्र चिकित्सा डॉ. सुधान्शु बंका ने भी अपनी सेवाएँ प्रदान की।

उपरोक्त विशिष्ट कार्यक्रमों के अतिरिक्त समाज के लाभार्थ निम्नलिकित सेवाएँ/योजनाएँ भी संचालित की जा रही है।

मैट्रीमोनियल वेबसाइट : समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों के संबंध में होने वाली परेशानियों को कम करने के उद्देश्य से www.marwarisammelashadi.com के नाम से एक बेवसाईट बनायी गयी है, जिसका बिहार के राज्यपाल महामहिम लालजी टेडन के कर-कमलों द्वारा लोकार्पण किया गया। इस वेबसाईट का इस्तेमाल समाज के अभिभावक अपनी संतानो के वैवाहिक संबंधो की तलाश के लिए कर रहे है।

महाराजा अग्रसेन कन्या विवाह योजना : महाराजा अग्रसेन जयन्ती के अवसर पर प्रादेशिक अध्यक्ष श्री बिनोद तोदी द्वारा समाज के आर्थिक रूप से कमजोर परिवार की कन्याओं के विवाह में सहयोग हेतु महाराजा अग्रसेन कन्या विवाह योजना का आरम्भ किया गया। जिसके अन्तर्गत पटनासिटी शाखा की अनुशंसा पर एक कन्या के विवाह हेतु सहयोग भी प्रदान किया जा चुका है। इस योजना में दी जाने वाली राशि श्री पवन झुनझुनवाला (डेहरी ऑन सोन) द्वारा प्रदान की जा रही है।

भामाशाह आरोग्य योजना : प्रादेशिक कार्यालय द्वारा समाज के लोगों को बीमारियों एवं घटना दुर्घटना में होने वाली परेशानियों को कम करने के उद्देश्य से पटना आने वाले मरीजों को एम्बुलेन्स, रक्त एवं चिकित्सक उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गयी है। जिसका समाज के अनेकों लोगों ने आवश्यकतानुसार लाभ उठाया है। सम्मेलन के द्वारा पटना के पारस होस्पीटल एवं गुड़गाँव के मेदांता होस्पीटल के साथ यह करार किया गया है कि सम्मेलन के सदस्य एवं उनके परिवार को आवश्यकता पड़ने पर इलाज में प्राथमिकता एवं बिल में रियायत की सुविधा प्रदान की जाएगी। अब तक प्रान्त के आठ से अधिक समाजबन्धुओं ने इसका लाभ उठाया है।

सामाजिक सुरक्षा एवं सम्मान : विगत दिनों इंडिया टी. वी. पर वार्ता के दौरान वरिष्ठ पत्रकार अशोक वानखेड़े द्वारा मारवाड़ी समाज के बारे में की गई प्रतिकूल टिप्पणी पर त्वरित संज्ञान लेते हुए सर्वप्रथम बिहार प्रदेश की ओर से विरोधात्मक कार्यवाई करते हुऐ इंडिया टी.वी. को फोन कर आपत्ति दर्ज करायी गई। उल्लेखनीय है कि प्रादेशिक अध्यक्ष श्री बिनोद तोदी की अगुवाई में दर्जनों शाखाओं एवं प्रादेशिक पदाधिकारियों ने इस राष्ट्रीय चैनल को फोन कर दबाव बनाया। जिसके परिणामस्वरूप दूसरे ही दिन उसी चैनल पर चल रहे कार्यक्रम को रोक कर अशोक वानखेड़े ने मारवाड़ी समाज पर प्रतिकूल टिप्पणी के लिए खेद प्रकट किया। इसी प्रकार समाज के किसी व्यक्ति या परिवार के साथ दुर्घटना या अपराधिक वारदात हुई तो सम्मेलन ने उसका प्रबल विरोध किया। जिसके सुखद परिणाम सामने आये हैं।

शाखा गतिविधियाँ : प्रदेश की अनेक शाखाओं के द्वारा अग्रसेन जयन्ती, श्रीश्याम महोत्सव, भादो बदी अमावस्या एवं मंगसीर बदी नवमी महोत्सव, स्वास्थ्य जाँच एवं रक्तदान शिविर, चित्रकला प्रतियोगिता, पेयजल व्यवस्था किये जाने की सूचना मिली है। इसके अतिरक्त बड़ी संख्या में शाखाओं के द्वारा अग्रसेन जयन्ती के अवसर पर हवन, पूजन, प्रभात फेरी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। मुजफ्फरपुर के मशहूर वस्त्र बाजार सूतापट्टी का नाम महाराजा अग्रसेन पथ समारोहपूर्वक रखा गया जिसके लिए वार्ड पार्षद श्री संजय केजड़ीवाल का विशेष प्रयास सराहनीय रहा। विजयादशमी के महान पर्व पर कई शाखाओं के द्वारा सूचना केन्द्र एवं सेवा शिविर संचालित किये जाने की भी जानकारी मिली है।

कार्यकारिणी समिति की बैठक : वर्त्तमान सत्र में अब तक कार्यकारिणी समिति की तीन बैठकें हो चुकी हैं तथा आगामी बैठक २२ दिसम्बर २०१८ को राजगीर में होने जा रही है।

सम्मेलन संवाद : सम्मेलन संवाद का त्रैमासिक प्रकाशन नियमित किया जा रहा है। इसका चौथा अंक प्रकाशित हो रहा है।

सम्पर्क एवं संवाद : मोबाइल एवं व्हाट्सअप ग्रुप के माध्यम से सम्मेलन की शाखाओं एवं पदाधिकारियों से निरंतर सम्पर्क कायम है और यह तरीका काफी त्वरित एवं कारगर है। कार्यालय से भेजे जाने वाले पत्रों, प्रपत्रो और पत्रिकाओं के नहीं मिलने की शिकायत बहुत ही कम हो गई है। हालाकि अभी भी कार्यालय में प्राप्त किये जाने वाले पत्रों एवं प्रतिवेदनों की संख्या काफी कम है। इस ओर ध्यान देने की आवश्यकता है।

With Best Compliments From :

ALWAYS USE

KAMDHENU

BRAND

STURCTURAL STEEL

Angel, Channel, Flat, Patti, Round Etc.

Manufacturing by

M/S. RITESH TRADEFIN LTD.

Kanji Lal Avenue, Durgapur – 713210 (W.B.)

Phone : (0343) 255 3518,

Mobile : 9434003562 / 9831690556

With Best Compliments From :

SINGHAL ENTERPRISES (P) LTD.

Sponge, Power Steel

Regd. Office :

303, Century Towers,
45, Shakespeare Sarani
Kolkata-700 017
Phone: 033-2283 9316/17/18
Fax: 033-22900508

Administrative office:

Singhal House No.-10
Sector-1, Shankar Nagar
Raipur-492001 (C.G.)
Phone: 91-771-2443228, 2443238
Fax: 91-771-2443566
Email: singhalraipur@yahoo.com

सामाजिक एकता हेतु सामाजिक समरसता अति आवश्यक

– मधुसूदन सीकरिया
अध्यक्ष, पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

पिछले दिनों सम्मेलन की पूर्वोत्तर प्रांतीय इकाई द्वारा सामाजिक समरसता महासभा का आयोजन किया गया था। समरसता के इस विषय पर समाजबंधुओं के विचारों में अनेक मतांतर है। कुछ का मानना है कि विभिन्न घटक दलों की वजह से हम मारवाड़ी के रूप में अपनी पहचान को खोते जा रहे हैं। कुछ का मानना है कि विभिन्न सामाजिक संस्थाओं में उचित स्थान नहीं मिल पाने की वजह से अनेक लोगों ने गली मुहल्ले के नाम पर संगठन खड़ा कर अपनी दुकान खोल ली है। कुछ इसे सही कदम मानते हैं। उनका कहना है कि इससे सामाजिक संस्थाओं में काम करने का अनुभव हासिल होता है। कहने का तात्पर्य यहाँ यह है कि जिस प्रकार सिक्के के दो पहलू होते है, उसी अनुसार हर कार्य में गुण व अवगुण दोनों देखने को मिलते हैं। यह एक चर्चा का विषय हो सकता है, लेकिन आज हम सकारात्मक सोच के साथ अवगुण नहीं बल्कि केवल गुण की बात करते हैं। पिछले दो दशक में न केवल पूर्वोत्तर बल्कि सम्पूर्ण राष्ट्र में अनेक संस्थाओं ने जन्म लिया है जो धर्म व जाति के साथ-साथ नगर व प्रांत के नाम पर गठित की गई हैं। इसका सही लाभ समाज को उसके घटक दलों से जरूर मिला है। ये संगठन रातो-रात गठित हुए हों ऐसा भी नही है। इनमें से कइयों का इतिहास सदियों पुराना है। ऐसे ही संगठनों को साथ लेकर उक्त सामाजिक समरसता महासभा का आयोजन गुवाहाटी में किया गया था। चर्चा के दौरान जो बातें सामने आयी उनमें महत्वपूर्ण थी आपसी समन्वय व संवाद के माध्यम से समाज को और समृद्ध व शक्तिशाली बनाना। जिस प्रकार न्यायपालिका व कार्यपालिका में टकराव हानिकारक होता है, उसी प्रकार सामाजिक संस्थाओं व धार्मिक संस्थाओं में सामंजस्य स्थापित कर इस तरह की स्थिति से बचा जा सकता है। इसके लिए जरूरी है कार्यो का सही विभाजन। यही वजह है कि सामाजिक संस्थाओं में भी वर्तमान में यह चर्चा का विषय है कि क्या सम्मेलन जैसे सामाजिक संगठनों को धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन करना चाहिये? हाल ही में बरपेटा रोड में आयोजित प्रांतीय कार्यकारिणी समिति की सभा में यह मुद्दा प्रस्तुत किया गया। विषय की गंभीरता व नीतिनिर्धारण के लिए इस विषय पर परिचर्चा कर निर्णय लेने का प्रस्ताव पारित किया गया। कहने का अभिप्राय यह है कि इस प्रकार के और भी अनेक विषय है जिन पर निर्णय लेना अत्यंत जरूरी है। वर्तमान में समाज के विभिन्न वर्गो/घटक दलों की महत्ता को नकारा नहीं जा सकता। इसी को ध्यान में रख कर गत दिनों उक्त समरसता महासभा का आयोजन किया गया था, जिसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिले। बंधुओं, इन दिनों आडंबर व दिखावे की रोकथाम पर सोशल मीडिया में चल रही बहस की ओर अवश्य आपका ध्यान गया होगा, जिसमें अधिकांश लोग इसके निवारण हेतु सामाजिक संस्थाओ को पहल करने का आग्रह व सुझाव देते नजर आयेंगे। सामाजिक संस्थाएँ इस दिशा में कमोवेश काम करती आयी हैं। यही वजह थी कि पूर्वोत्तर सम्मेलन के गत प्रांतीय अधिवेशन की थीम भी इसी विषय पर आधारित *"आडंबरमुक्त जागरूक समाज"* रखी गई थी। समरसता के विषय पर चर्चा के दौरान आडंबर व दिखावे की बात करने का अभिप्राय यह है कि आडंबर व दिखावा अधिकतर धार्मिक, वैवाहिक या अन्य मांगलिक कार्यों मे देखा गया है, जिसका सीधा संबंध उक्त धर्म विशेष से होता है। अतः इसकी रोकथाम में धार्मिक संगठन जितने कारगर साबित हो सकते हैं उतना सामाजिक संस्थाओं से अपेक्षा करना सही नहीं जान पड़ता, क्योंकि प्रत्येक धार्मिक संस्थाओं के नियम कानून अलग-अलग हैं। उसका उदाहरण पिछले कुछ वर्षों में देखने को भी मिला है। दिगंबर जैन समाज द्वारा निमंत्रण पत्र का इस्तेमाल न करने का फैसला हमारे सम्मुख है, जिसका पालन उक्त समाज के लगभग सभी लोग कर रहे हैं। माहेश्वरी समाज ने मृत्युभोज की परंपरा से किनारा करने का कुछ शहरों में निर्णय लिया है, जिसका पालन उक्त शहरों में देखने को मिला है। कुछ घटक दलों ने वैवाहिक कार्यक्रमों में चली आ रही आडंबर व दिखावे की परंपरा पर प्रतिबंध लगाया है, जिसके सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिले हैं। विभिन्न घटक दलों का इस दिशा में सदुपयोग किया जा सकता है। जरूरत है उन्हें उनके कार्यक्षेत्र के विषय में सही दिशा निर्देश देने की। समाज में व्याप्त कुरीतियों व आडंबर के निवारण में समाज के घटक दल महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकने में कारगर साबित होंगे, ऐसी अपेक्षा की जा सकती है। यही एक अति महत्वपूर्ण सकारात्मक पहलू है समाज के घटक दलों का।

सम्मेलन की पूर्वोत्तर प्रांतीय इकाई ने प्रांत में स्थित अपनी सभी शाखाओं को निर्देश दिया है कि वे भी शाखा स्तर पर सामाजिक समरसता उपसमिति का गठन करे, जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों की मान्यताप्राप्त संस्थाओं के अध्यक्ष एवं मंत्री को पदेन सदस्य रखा जाए। साथ ही इस समिति की प्रत्येक दो महीने के अंतराल में बैठक हो, जिसमें इस विषय पर चर्चा की जा सके तथा सामाजिक एकता को भी मजबूत किया जा सके। सम्मेलन की वर्तमान प्रांतीय कार्यकारिणी समिति को विश्वास है कि सामाजिक एकता बनाये रखने एवं आडंबरमुक्त समाज के गठन में सकारात्मक परिणाम इस पहल से देखने को मिलेंगे।

गतिविधियाँ : पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन

– राज कुमार तिवाड़ी
महामंत्री, पूर्वोत्तर सम्मेलन

सम्मेलन के इतिहास में पहली बार 'सामाजिक समरसता महासभा' का आयोजन गुवाहाटी स्थित होटल रितुराज में किया गया, जिसमें समाज की करीब १८ संस्थाओं के पदाधिकारियों ने भाग लिया। इसमें यह निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया कि जनसेवा कार्यक्रम में सभी संस्थाएँ अपने-अपने बैनर में यह उल्लेख करें कि वह मारवाड़ी समाज की एक संस्था है।

एन.आर.सी. मुद्दे पर गठित नार्थ ईस्ट हिन्दीभाषी समन्वय समिति के तत्वावधान में दिल्ली गये प्रतिनिधि दल में सम्मेलन की तरफ से प्रांतीय अध्यक्ष एवं प्रांतीय महामंत्री ने भाग लिया।

इस संदर्भ में प्रतिनिधि दल ने केन्द्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह सहित अनेक केन्द्रीय नेताओं से मुलाकात की एवं एन.आर.सी. सम्बन्धी ज्ञापन सौपा गया।

अखिल असम छात्र संघ (आसू) द्वारा २८ जनगोष्ठियों के सहयोग से आहूत गण समावेश कार्यक्रम किया गया, जिसमें सम्मेलन के भी कई पदाधिकारियों एवं शाखाओं के सदस्यों ने भी भाग लिया।

सम्मेलन के प्रांतीय पदाधिकारियों की एक आवश्यक सभा होटल सात्विक में बुलाई गई, जिसमें हिन्दी भाषी युवा कार्यकर्ता परशुराम दुबे को श्रद्धांजलि दी गई। इसमें सम्मेलन द्वारा किये जा रहे कई वर्तमान कार्यक्रमों पर चर्चा की गई।

इतिहास लेखन समिति की एक सभा समिति के संयोजक श्री उमेश खंडेलिया के नेतृत्व में पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. एस. एस. हरलालका के कार्यालय में संपन्न हुई। उक्त सभा में गुवाहाटी स्थित लगभग सभी प्रांतीय पदाधिकारियों ने शिरकत की।

एन.आर.सी. मुद्दे पर पूर्वोत्तर हिन्दुस्तानी सम्मेलन द्वारा एक विशेष बैठक का आयोजन हिन्दुस्तानी केन्द्रीय विद्यालय में किया गया। उक्त सभा में पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री मधुसूदन सीकरिया के अलावा राजकुमार तिवाड़ी, अशोक अग्रवाल, कृष्ण कुमार जालान, संजय मोर सहित अनेक सदस्यों ने भाग लिया।

कामरूप शाखा द्वारा आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रांतीय उपाध्यक्ष मुख्यालय श्री अशोक अग्रवाल ने भाग लिया। इस अवसर पर प्रांत की ओर से श्री संजय मोर, कृष्ण कुमार जालान एवं श्रीमती मंजू पाटनी भी उपस्थित थे।

नार्थ ईस्ट हिन्दी भाषी समन्वय समिति के तत्वावधान में मारवाड़ी सम्मेलन के पदाधिकारियों ने असम के महामहिम राज्यपाल श्री जगदीश मुखी से मुलाकात की तथा उन्हें एन.आर.सी. विषय पर उत्पन्न समस्याओं से अवगत करवाया। राज्यपाल महोदय ने इस दिशा में अपनी तरफ से कार्यवाही करने का आश्वासन दिया।

प्रांतीय अध्यक्ष द्वारा एन.आर.सी. विषयों पर विचार-विमर्श हेतु प्रांत के मुख्य पदाधिकारियों की एक सभा प्रांतीय कार्यालय में बुलाई गई। इस सभा में श्री अशोक अग्रवाल, श्री कृष्ण कुमार जालान, श्री अरुण चौधरी एवं श्री संजय मोर भी उपस्थित थे।

आसू द्वारा आयोजित असम की उड़नपरी सीमा दास के अभिनंदन समारोह में भाग लेते हुए सम्मेलन की तरफ से हीमा दास का राजस्थानी साफा से अभिनंदन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रांतीय अध्यक्ष के अलावा श्री विवेक सांगानेरिया एवं श्री किशोर जैन भी उपस्थित थे।

प्रांतीय कार्यकारिणी की वर्तमान सत्र की द्वितीय बैठक बरपेटा रोड शाखा एवं बरपेटा रोड महिला शाखा के आतिथ्य में सम्पन्न हुई।

बंगाईगांव शाखा का दौरा किया गया, जिसमें प्रांतीय अध्यक्ष के अलावा प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री अशोक अग्रवाल एवं प्रांतीय सलाहकार श्री नागरमल शर्मा भी साथ में थे। इसी दिन बंगाईगांव की नई कार्यकारिणी के लिये चुनाव भी कराये गये जहाँ सर्वसम्मति से श्री प्रेम हरलालका को पुनः अध्यक्ष, श्री अक्षयचंद बैद को कार्यकारी अध्यक्ष एवं श्री मनोज सरावगी को मंत्री चुना गया। इसी दिन बरपेटा रोड में भी श्री नागरमल जी शर्मा के आवास पर बरपेटा शाखा के वरिष्ठ सदस्यों के साथ एक बैठक भी की गई।

गुवाहाटी शाखा द्वारा आयोजित दीपावली मिलन समारोह मे प्रांतीय पदाधिकारियों ने भाग लिया।

बात चुभेगी, पर कहूँगाः समाज का बड़ा वर्ग अनैतिक है

– प्रकाश चण्डालिया

मनुष्य के जीवन पर आसपास की घटनाओं का असर पड़ना लाजिमी है। एक ऐसे दौर में जबकि सोशल मीडिया एवं संचार माध्यमों ने पूरी दुनिया मुट्ठी में रख दी है, आम जीवन का सहज ही दुनिया की मायावी हलचल से प्रभावित होना बेशक स्वाभाविक है। मीडिया का विद्यार्थी हूँ, इसलिए बढ़ती अनैतिकता पर पहली **बात मीडिया की** हीः

अखबार और टेलीविजन दोनों माध्यमों में आज नकारात्मक खबरों का बोलबाला है। मीडिया स्वभाव से ही खोजी खबरों के पीछे भागता रहा है। लेकिन खोजी खबरों के जुगाड़ में पाठकों को अब सब-कुछ ज्यों की त्यों धर दीनी चदरिया वाले अन्दाज में खबरें नहीं परोसी जातीं। प्रतिस्पर्धा के इस दौर ने मीडिया को हद से ज्यादा असामाजिक और अनैतिक बना दिया है। पाठक-संख्या और टीआरपी की दौड़ ने मीडिया घरानों के बुनियादी सिद्धान्तों को ताक पर रख दिया है।

अब वास्तविक खबरें तो पीछे छूट जाती हैं। मीडिया मैनेजरों को जिस खबर में सनसनी की संभावना नजर आती है, वह खबर, भले अफवाह ही क्यों न हो, धड़धड़ करके बाजार में फेंक दी जाती है। विश्वसनीय-अविश्वसनीय सूत्रों के हवाले से चटखारे ले-लेकर खबरें बेची जाती हैं। पोसे हुए लोगों से प्राइम टाइम में उबाऊ किस्म की जुगाली कराई जाती है। यह अब रोज का रोग बन गया है। मीडिया आज नहीं समझ रहा कि चैनल जितने आसाराम दिखाएगा, उतने ही आसाराम नए पैदा होंगे। निरंकुश होते जा रहे मीडिया की मॉनिटरिंग के लिए बनी तमाम एजेंसिया या तो सरकारी स्वाद के दबाव में मुँह बन्द रखती हैं, या फिर उन्होंने अब मान ही लिया है कि जो सनसनी लोगों को लुभाती है, उसे बेचने के लिए किसी नीति-नियामक की कोई आवश्यकता ही नहीं है।

मानिए या मत मानिए, मेरा अनुभव कहता है कि दिन भर कि थकान के बाद आदमी रात के भोजन के समय टीवी पर जो खबरें देखता-सुनता है, वही उसकी मनोदशा तय करती हैं। यदि आपको अच्छी खबरें (जो अब दिखाना नामुमकिन है) परोसी जाएँ तो मन को सुकूं मिलेगा, इसके विपरीत अगर खबरों से छेड़छाड़ करके नमक-मिर्च लगाकर खबरें दिखायी-पढ़ायी जाएँगी तो लोगों की वैसी ही मानसिकता बन जाएगी। इस मामले में फिल्मकारों का गोत्र मीडिया वालों से अलहदा नहीं है। अब बात **फिल्म जगत की**ः

एक पुरानी घटना याद आ रही है। इण्डियन एक्सप्रेस के जनसत्ता अखबार के संवाददाता के रूप में एक मशहूर बालीवुड फिल्मकार का इंटरव्यू करने गया था। वर्षों पहले किए गए मेरे एक सवाल पर कि गन्दी और बाजारू फिल्में बनाना क्यों जरूरी है, मैंने मनोज कुमार की प्रेरणात्मक फिल्मों का हवाला देकर सवाल पूछा था। बॉलीवुड के नामचीन फिल्मकार ने जवाब में बगैर लाग-लपेट के कहा था - यार हम फिल्म में करोड़ों रुपये डालते हैं, देशभक्ति की फिल्में कौन देखेगा। यदि लोगों की पसंद के हिसाब से फिल्म न बनाएँ तो पैसा डूब जाएगा और एक दिन हम भी डूब जाएँगे। मित्रों, इस बात का निहितार्थ आपको भी समझ में आ गया होगा। यानि जो बिके, उसे माल समझकर बेफिक्र बेचो। अब इस तर्क का कोई क्या करे....

अब बात महिलाओं की। विज्ञापनों के बाजार में भी यही फलसफा देखने को मिलता है। सिगरेट और गुटखों के विज्ञापनों में न्यून वस्त्रों वाली युवतियों की जरूरत पर आम आमदी के मन में सवाल उठ सकता है, लेकिन इससे सिगरेट-शराब और गुटखा बनाने वालों की सेहत पर कोई असर नहीं पड़ने वाला। कहने का आशय है कि केन्द्र सरकार का नीति - आयोग सामाजिक-सांस्कृतिक क्षेत्र में हो रही नंगई पर कोई नियामक कड़ाई से क्यों नहीं सामने रखता। फिल्मों में दिखायी जानेवाली बालाओं की पोशाक अब हमारे समाज के धनाढ्य परिवारों में ही क्यों, मध्यमवर्गीय परिवारों में भी देख सकते हैं। कौन रोकेगा?

आइए, अब आज के **बाजार की बात** करते हैं। छोटे-बड़े सभी व्यापारी चार्वाक के ऋणं कृत्वा, घृतम् पीवेत वाली उक्ति के साधक-उपासक लगते हैं। लाखों करोड़ों के ऋण लेकर भौतिक जीवन में रंग डालने की नीयत आदमी को अनैतिकता का रास्ता दिखला रही है। इस कड़ी में विजय माल्या, नीरव मोदी जैसे लोग तो अनैतिकता के ब्राण्ड-एम्बैसडर हैं. छोटी पूँजी वाले व्यापारियों का भी एक बड़ा वर्ग उन्हीं के मार्ग पर दिख रहा है।

बाजार में सर्वाधिक प्रचलित शब्द है - कच्चा-पक्का। देवी-देवता और आराध्यों की फोटुओं से सजी सेठ-साहूकार की दुकान या गद्दियों में कच्चा-पक्का शब्द व्यापार का प्राचीन धर्म रहा है। रुक्के-पुरजों का खेल जो कच्चे-मामलों में कभी विश्वास का प्रतीक माना जाता था, आज अनैतिकता की सीमा लांघ गया है। ब्याज पर बाजार से कच्चे-पक्के पैसे लो, हालात खराब होने लगें तो २०-२५ पैसे में सेटल कर लो। दलाली मिले तो बचाव में कुछ नामचीन लोग भी मामले सलटाने में लग जाते हैं। कोलकाता में यह परम्परा बड़ी पुरानी रही है।

हाल ही में कोलकाता महानगर में एक युवक ने कथित तौर पर लोगों की कच्चे की मोटी रकम पर ऐसा खेल रचा कि अच्छे-

अच्छों का विश्वास डोल गया। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक लोग ठीक से संभल नहीं पाए हैं। सामाजिक-धार्मिक संस्थाओं से जुड़ना किसी दौर में आदमी के लोक-जीवन में शिष्टाचार का मानक होता था। लेकिन आज अनैतिकता ने यहाँ भी परिभाषा बदल दी है। ऐसी घटनाएँ कोलकाता ही नहीं, देश के अन्य शहरों में प्रायः होती आ रही हैं। इन पर किसी का कोई अंकुश नहीं है। कच्चे की रकम पर कानूनी कार्रवाई का रास्ता भी तो नहीं पकड़ा जा सकता। कच्चे पर कोई कैसे हिम्मत करेगा? आपराधिक मनोभाव के साथ बाजार की मोटी रकम हड़पने वालों की अनैतिकता पर सिर्फ उंगली उठाना नाकाफी है। ऐसे कुछ लोग स्थानीय छुटभैय्ये नेताओं का भी सहारा लेते रहे हैं। नयी पीढ़ी की पहली आवश्यकता आज संस्कार नहीं भौतिक सुख-साधन हो गए हैं। यही कारण है कि बाजारू मानसिकता के शिकार लोग परिवार और समाज की गौरवशाली परम्परा को लील रहे हैं।

वैवाहिक रिश्तों की बात करें तो वहाँ भी आज मर्यादा की धार कुन्द होती जा रही है। कारण-अकारण विवाह के कुछ ही दिनों में लड़कियों का मायके लौटकर विवाह-विच्छेद का नोटिस भेजना आज रोजमर्रा की घटना है। लड़के वाले भी ऐसे मामलों में समान रूप से आरोपित किए जा सकते हैं। सामाजिक विषमता की ऐसी घटनाएँ रोज बढ़ रही हैं। बात समझ से परे है कि धर्मसभाओं में लोग सिर्फ भीड़ का हिस्सा बनने जाते हैं, या नैतिकता जैसी सीख भी लेकर आते हैं।

सवाल है कि घोर कलियुग में क्या सब कुछ निरंकुश होता रहेगा। धर्म-मंच पर शास्त्रों की बातों के साथ ही जरूरी है, आम-जीवन में होने वाली अनैतिक घटनाओं के प्रति लोगों से बात करना। लोगों को यह बात धर्मगुरु ही अच्छे से समझा सकते हैं कि क्या सही है, क्या गलत। त्याग-तपस्या और संयम की सीख देने वाले धर्म में एक बड़ा वर्ग आज ऐसी अनैतिक घटनाओं से खुद को असहाय महसूस कर रहा है। शादी-विवाह में सादगी के उदाहरण तो इक्का-दुक्का भी मुश्किल से मिलेंगे। अधिकतर वैवाहिक आयोजनों का बजट देखादेखी या मजबूरी में तय होने लगा है। इसके लिए कन्या पक्ष को चाहे किसी रास्ते से भी पूँजी का प्रबन्ध करके बेटी के हाथ पीले करने पड़ें। तमाम जख्म धीरे-धीरे नासूर बनने लगे हैं। ऐसी समस्याओं का शिद्दत के साथ संज्ञान लिया जाना चाहिए और युगान्तकारी बोध के साथ लोगों का मार्गदर्शन किया जाना चाहिए। आचार्य तुलसी ने अपने कार्यकाल में कई क्रान्तिकारी कदम उठाए। समय के हिसाब से तब वे एक वर्ग को अप्रिय लगे होंगे, लेकिन गुरुदेव की दूरदर्शिता का आज पूरा समाज कायल है। है या नहीं?

अहिंसा-यात्रा में लाखों करोड़ों लोग आचार्य महाश्रमण के निकट आए हैं और वे लोगों के। सद्भावना, नैतिकता और नशामुक्ति के दिशाबोध के साथ-साथ उनकी सुकोमल वाणी समाज को वर्तमान की तमाम दुश्वारियों से उबार कर सतरंगी किरणों के साथ एक नयी भोर का एहसास कराए, इसी सद्भावी कामना के साथ....।।

(साभार - राष्ट्रीय महानगर)

प्रेरक प्रसंग

बदलाव आयेगा

जिन्दगी में बहुत सारे अवसर ऐसे आते हैं जब हम बुरे हालातों का सामना कर रहे होते हैं और सोचते हैं कि क्या किया जा सकता है, क्योंकि इतनी जल्दी तो सब कुछ बदलना संभव नहीं है और क्या पता छोटा-सा बदलाव कुछ बड़ा परिवर्तन ला पाएगा या नहीं। लेकिन हमारी यह सोच सही नहीं है। हर परिवर्तन और सुधार की शुरूआत बहुत ही मामूली तरीके से और छोटे स्तर पर ही होती है। कई बार तो ऐसा होता है कि सफलता हमसे बस थोड़े ही कदम दूर होती है, मगर हम हार मान लेते है। **जबकि अपनी क्षमताओं पर भरोसा रखकर किया जाने वाला कोई भी बदलाव छोटा नहीं होता है। सच तो यह है कि वो हमारी जिन्दगी में एक नींव का पत्थर साबित हो सकता है।** एक कहानी से हमें यह समझने में आसानी होगी कि छोटा बदलाव कितना महत्वपूर्ण होता है।

एक लड़का सुबह-सुबह दौड़ने जाया करता था। आते-जाते वो एक बूढ़ी महिला को देखता था। वह बूढ़ी महिला तालाब के किनारे छोटे-छोटे कछुवों की पीठ को साफ किया करती थी। एक दिन उसने बुढ़िया के इस काम के पीछे का कारण जानने की सोची। वह लड़का बुढ़िया के पास गया ओर अभिवादन करने के बाद उससे बोला, 'मैं आपको हर इन कछुवों की पीठ साफ करते हुए देखता हूँ, आप ऐसा क्यों करती हैं, कृपया मुझे बतायें।' वृद्ध महिला ने उस मासूम से लड़के की तरफ देखा फिर कहा, 'मैं हर रविवार के दिन यहाँ आती हूँ और इन छोटे-छोटे कछुवों की पीठ साफ करते हुए सुख-शांति का अनुभव करती हूँ। इनकी पीठ पर जो कठोर चमड़ी होती है उस पर मैला जमा हो जाने की वजह से इनकी ताप सहने की क्षमता कम हो जाती है और इन कछुवो को तैरने में मुश्किल का सामना करना पड़ता है। बहुत बार तो ऐसा भी होता है कि मैल और गंदगी की वजह से इनके पीठ की चमड़ी में कीटाणु एकत्र हो जाते हैं और ये रोगग्रस्त हो जाते हैं।'

सुनकर लड़का हैरान हो गया। बुढ़िया बोली, 'नदियों और तालाबों में हम जिस तरह गंदगी फैलाते हैं उसका असर इन छोटे-छोटे निरीह जीवों पर भी पड़ता है।' लड़के ने फिर पूछा, 'बेशक आप अच्छा काम कर रही हैं लेकिन इन जैसे कितने ही कछुवे हैं जो बुरी हालत में है। आपके अकेले ऐसा करने से इन सबकी हालत में कोई बड़ा बदलाव नहीं आयेगा।' वृद्ध महिला ने जवाब दिया, 'भले ही मेरे अकेले ऐसा करने से कोई बड़ा बदलाव नहीं आये, लेकिन इन थोड़े से कछुवों की जिंदगी में तो बदलाव आयेगा ही ना। तब क्यों नहीं हम एक छोटे बदलाव से ही, बड़े बदलाव की शुरूआत करें।

हर अच्छे काम के लिए एक पहल जरूरी होती है। भले ही वह पहल कितनी भी छोटी क्यों न हो।

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

विशिष्ट संरक्षक सदस्य

श्री अशोक कुमार जालान
मे. ओडसे मोटर्स प्रा. लि.
एन्थापली - ७६८००४
सम्बलपुर, ओडिशा
मो. - ९४३७५७९८३३

श्री नकुल अग्रवाल
मेन रोड,गांधी नगर पाड़ा
बोलंगीर - ७६७००१
ओडिशा
मो. - ९४३७०७४७९२

श्री गोविन्द अग्रवाल
मे. लिफ्ट एण्ड सिफ्ट
मेन रोड,
ब्रजराजनगर-७६८२१६
झासुगुड़ा, ओडिशा
मो. - ९४३७०५३२११

श्री ओम प्रकाश साह
एयर कालोनी रोड
वी.एस.एस.मार्ग
सम्बलपुर - ७६८००१, ओडिशा
मो. - ९४३७०६५२२३

श्री ज्ञान प्रकाश अग्रवाल
मे. बालाजी आटो वर्ल्ड
इण्डस्ट्रीयल एस्टेट
बरईपली - ७६८००६
सम्बलपुर, ओडिशा
मो. - ९४३७०६८२७७

श्री रतन लाल अग्रवाल
मे. चतुरा क्रियेशंस प्रा. लि.
९, चौरंगी लेन, द्वितीय तल
कोलकाता - ७०००१६
मो. - ९८३०२६४२२३

श्री राजीव भरतिया
मे. शिवरतन कं. प्रा. लि.
सिद्धा वेस्टन,
यूनिट नं.-१३०,१३१,१३२
९, वेस्टन स्ट्रीट, कोलकाता-१३
मो. - ९८३००१५००२

श्री किशन कुमार सोनी
मे. किशन कुमार सोनी एण्ड संस
४७,सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट
कोलकाता - ७००००७
मो. - ९८३००१९०८०

श्री रमेश कुमार भागचंदका
मे. आर. के. ग्लोबल शेयर एण्ड
सिक्युरिटीज, ६, तिलक मार्ग,
सागर अपार्टमेंट, फ्लैट नं.-५
नई दिल्ली - ११०००१
मो. - ९३११९७७७८८

श्री विजय कुमार खेमका
मे. वी २ जे मिनरल्स प्रा. लि.
६६ए, ए.एन. साहा रोड
कोलकाता - ७०००४८
मो. - ९०५१४७७७७६

सम्मेलन के सदस्य बनें और बनायें!
सम्पर्क सूत्र : ✆ (०३३) ४००४ ४०८९
ई-मेल : aimf1935@gmail.com

अनमोल मोती

बांध्या बंध छुड़वाय, कारज मन चिंत्या करै।
कहो चीज है काय, रुपया सिरसी राजिया।।

हे राजिया, इस संसार में रुपया बड़ी चीज है। इससे बढ़कर संसार में कोई चीज नहीं है। इसके कारण की हुयी प्रतिज्ञायें टूट जाती हैं, प्रेम के स्थापित बंधन टूट जाते हैं और इसे पाकर आदमी स्वच्छन्दता पूर्वक कार्य करने लग जाता है।

भली बुरी को मीत, वह आणै मनमे निरवद।
निलजी सदा नचींत, रहै सयाणा राजिया।।

हे राजिया, निर्लज्ज और बेशर्म मनुष्यों के मन में भली-बुरी का डर नहीं होता है। निर्लज मनुष्य हमेशा चिंता रहित रहते हैं और अपने को सयाना मानते हैं। शर्म को ऐसे लोग घोट-घोट कर पी जाते है।

भावै नहीं ज भात, बज्जण लगै विडावणा।
रीरावै दिन रात, रोट्यां कारण राजिया।।

हे राजिया, जिन्हे पहले भात भी अच्छे नहीं लगते थे और दूसरे व्यंजन तो और भी अच्छे प्रतीत नहीं होते थे अब कर्म की गति से ऐसी अवस्था को पहुँच गए हैं जिसमें रोटियों के लिये गिड़गिड़ाते फिरते रहते हैं। दिन सदा समान नहीं रहते है।

भिड़ियों धर भाराथ, गाढ़ा कर राखै गढ़ां।
ज्यूं कालो सिर जात, रांक ने छाई राजिया।।

हे राजिया, वीर अपने गढ़ की सुरक्षा दृढ़ करके युद्ध में भिड़े जाता है। जैसे नारा सिर जाने पर भी दीनता नहीं दिखाते है। वैसा ही स्वाभाव बीर का होता है।

भ्याड़ जोख, झख भेंक, वारिज के भेला बसे।
इश्की भँवरो एक, रसकी जाणै राजिया।।

हे राजिया, जल में उत्पन्न होने वाले कमल के साथ छोटे मैढ़क, जोंक, मछली, बड़े मैढक सभी रहते हैं पर वे कमल का महत्त्व नहीं जानते। कमल का महत्त्व तो उसके रस का लोभी भँवरा ही जानता है। गुणी ही गुण को पहचानता है।

(संकलन : डॉ. जुगल किशोर सर्राफ)

IISD Edu World
Be a Leader...

SREI Foundation

"Educate Morally & Technically" — Swami Vivekananda

Swami Vivekananda SREI Merit Scholarship upto 100% Quality Education at most affordable fees

Hospitality

Hospitality Management & Culinary Arts

Newly Introduced

BTED – HND in Hospitality Management

awarded by EDEXCEL, UK (A Pearson Global Education Undertaking)

Language School

- Functional English
- Spanish
- Russian
- Chinese
- French
- Hindi
- SANSKRIT
- Spoken English
- Italian
- German
- Persian
- Bahasa (Indonesia)
- Bengali

Assistance for placement

- Complementary Spoken English
- Online Application Facility
- Regular / Weekend Classes
- AC Classrooms
- P G Accommodation

Centre for Administrative Services / WBCS

Course Director: Dr.Bikram Sarkar (IAS retd.)

- Indian Administrative Service (IAS) and Allied Services Examinations (Prelim and Main)
- WBCS (Executive) and Judicial Services Examinations (Prelim and Main)

Health Care

Preparatory course for Joint Entrance of MD/MS, DNB and MRCP (Part-I) Medicine

"Family Medicine Certificate Course (First Aid)

Business School

- AIMA recognized PGDM (2Yrs.)
- Tally ERP 9+GST
- Company Secretaryship
- Chartered Accountancy (CPT, IPCC & Final)
- Entrepreneurship Development
- Diploma in Banking and Finance

Skills

- Web Technology
- Certificate course on Theology
- Soft Skills
- Vocational & Technical Training
- Montessori Teacher Training (1 Year Diploma)
- Certificate Course on Computer Applications
- School Guide
- Bachelor Guide

IISD EDU World

IB-200/1, Sector-III, Salt Lake, Kolkata - 700 106
Ph : 2335 2378/2861, Fax : 2335 2379
E-Mail : info@iisdedu.in ● Website : www.iisdedu.in

18, Ballygunge Circular Road, Kolkata-700019
Website : www.iisdeduworld.com
Email : iisdedu@gmail.com
Ph : 46001626 / 27

RUPA
सर्दियों में
only
TORRIDO
TORRIDO
PREMIUM THERMAL
STRETCHABLE | BODY-HUGGING | ATTRACTIVE COLOURS | SOFT AND NON-ITCHY
www.rupa.co.in | SMS 'RUPA' to 53456 | Toll Free No: 1800 1235 001 | Shop Online: www.rupaonlinestore.com

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2018-2020
Date of Publication - 24th December 2018
RNI Regd. No. 2866/1968

LIFE BEGINS AT 60!

JAGRITI DHAM

KOLKATA'S MOST COMPREHENSIVE HOME FOR SENIOR LIVING

Yoga & meditation

Wellness spa

Indoor games

Outdoor activities

COMFORTS & CONVENIENCES
- Furnished and fully-serviced AC rooms
- Attached toilet, pantry and balcony
- Housekeeping and maintenance on call
- Wi-fi, Intercom

Privilege access to IBIZA Club

24 x 7 Medical care

Mandir

Safety and Security

SENIOR-FRIENDLY
- Wheel chair and walker-enabled spaces and ramps
- Spacious lifts to accommodate stretchers
- Specially designed bathrooms with wheel chair-accessible showers

- Inside Merlin Greens complex
- Adjacent to Ibiza on Diamond Harbour Road
- Near Bharat Sevasram Hospital and Swaminarayan Dham Temple
- 5 kms from Nature Cure and Yoga Research Institute

SECURITY
- 24 hours manned gate with intercom
- Electronic surveillance, CCTV
- Power back-up

HEALTHCARE
- 24x7 ambulance, attendant
- Visiting doctors, specialists-on-call
- Emergency button in every room and frequently occupied areas
- Tie-ups with the city's best nursing homes and hospitals

SAFETY ACTIVITY COMMUNITY SPIRITUALITY

Supported by
infinity

Jagriti Dham, Merlin Greers, IBIZA Club, Diamond Harbour Road, Pin 743 503
contact@jagritidham.com | www.jagritidham.com | 88 200 22022

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com